फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 75 संख्याः 38 प्रभात जयपुर, रविवार 8 सितम्बर, 2024 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

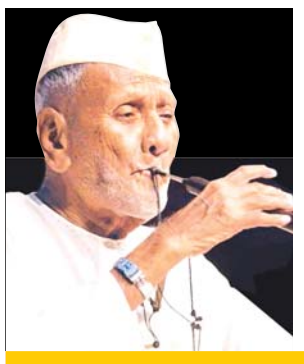

Shehnai's Sweetness is fighting for survival

On the classical circuit, *shehnai* is seen as a '*shaadi byaah ka baaja*,' and on the wedding circuit, too traditional for modern-day revelries.

HULA HOOPING PRODIGY

Star Trek Day "Star Trek" isn't just a series. It's a phenomenon that's captivated audiences for decades.

अपनी ''फोकस्ड'' शैली के कारण कमला हैरिस का पलड़ा भारी पड़ रहा है ट्रम्प पर

पर, भारतीयों का अमेरिका में सबसे बड़ा संगठन, ''हिन्दूज़ फॉर अमेरिका फर्स्ट'' पूर्णतया डॉनल्ड ट्रम्प के पक्ष में खड़ा है, अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में

- वर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडन, ट्रम्प के सामने कमज़ोर पड़े, क्योंकि वे अपने भाषणों में ''फोकस्ड'' नहीं थे तथा वे अपने प्रतिद्वंदी की कमज़ोरी व गलतियों का लाभ उठाने में प्रभावी नहीं पाये गए थे।
- कमला हैरिस, परन्तु, एक सफल वकील रही हैं, अतः उनकी टिप्पणियाँ प्रतिद्वंदी के खिलाफ तीखी व तिलमिला देने वाली होती हैं।
- ट्रम्प अपने भाषणों में बड़े ''नाटकीय'' व ''अनफोकस्ड'' होते हैं तथा विचारों पर अनुशासित नहीं रह पाते। उनका यह आचरण कमला हैरिस को पूर्ण मौका देता है, ट्रम्प की आँकड़ों की सच्चाई व तर्कों के सतहीपन पर सार्वजनिक रूप से आक्रमक होकर, पूरा राजनीतिक लाभ उठाने का।
- बाइडन ऐसा नहीं कर पाते थे, अतः ''रेस'' से बाहर हो गये और कमला हैरिस अच्छी तरह से कर सकती हैं, अतः ''रेस'' जीत भी सकती हैं।

-सुकुमार शाह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 सितम्बर। राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ जून में हुई अपनी बहस में, पूर्व राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने अपने प्रशासनिक कार्यों की अभूतपूर्व प्रकृति की डींगें मारी थीं तथा कहा था कि मेडिकल नजरिये से देखने पर भी, इससे पहले ऐसा कभी नहीं हुआ था। उन्होंने ''राइट टु ट्राई'' जैसी पहलों का उल्लेख किया जिसके चलते ''टर्मिनली'' बीमार मरीजों को दूसरे देशों में इलाज के लिए जाने देने के बजाय, कटिंग-ऐज-मैटिरियल'' का उपयोग करते हुए, उनका प्रायोगिक तौर पर इलाज किया गया। ट्रम्प का अंतिम तर्क अटपटा था, लेकिन जहाँ बाइडन का प्रदर्शन उल्लेखनीय रूप से कमजोर था, वहीं उस रात को ट्रम्प की सफलता का कारण बाइडन की ओर ज्यादा बड़ी असफलता रही।

यद्यपि बाइडन के जवाब लिखित रूप में तो काफी सुसंगत थे, लेकिन अप्रभावी प्रस्तुति तथा ट्रम्प की बहुत बड़ी गलतियों का प्रभावी रूप से प्रतिकार करने में उनकी असमर्थता ने उनके जवाबों का सत्यानाश कर दिया था।

ट्रम्प की बहस में भ्रामक बयान तथा निराधार दावों की भरमार थी, जैसे उनका यह कहना, कि 6 जनवरी को संसद भवन पर हुए हमले की जिम्मेदारी हाउस स्पीकर नैन्सी पेलोसी ने ले ली थी। ''द इकॉनॉमिस्ट'' का एक लेख कहता है कि अतिशयोक्तियों तथा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'अचानक घटना से कार्डिऐक अरैस्ट हो सकता है'

जयपुर, 7 सितंबर। जिले की मोटर एक्सिडैंट क्लेम ट्रिब्यूनल (एम.ए.सी.टी.) ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि किसी व्यक्ति के साथ अकस्मात घटना होने पर, चोटों के बिना भी, उसे कार्डियक अरेस्ट आ सकता है। ऐसी स्थिति में बीमा कंपनी क्लेम देने की जिम्मेदारी से बच नहीं सकती। वहीं कोर्ट ने विपक्षी बीमा कंपनी को निर्देश दिया कि वह प्रार्थिया को क्षतिपूर्ति के तौर पर14.31लाख रुपए की राशि ब्याज सहित दे। कोर्ट ने कहा कि यदि अकस्मात घटना नहीं होती तो उसकी मौत नहीं होती। कोर्ट ने यह आदेश लाल कंवर व अन्य की क्लेम याचिका पर दिया।

- मोटर एक्सिडैंट क्लेम ट्रिब्युनल ने यह टिप्पणी करते हुए बीमा कम्पनी से कहा कि वह मृतक के परिवार को ''क्लेम'' की राशि दे।

याचिका में कहा कि प्रार्थिया का पति महावीर सिंह 12 जनवरी 2022 की रात आठ बजे अपने ट्रक को कनकपुरा फाटक के पास खड़ा कर पैदल-पैदल खाना खाने होटल पर जा रहा था। वह महफिल होटल के पास पहुंचा तो नैशनल इंश्योरेंस कंपनी से बीमित मोटरसाइकिल के चालक ने गलत साइड से आकर उसे टक्कर मारी। इसमें उसे खरोंच आई और वह बेहोश

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विनेश व पूनिया के कांग्रेस में जाने से तिलमिलाई भाजपा बृज भूषण की शरण में पहुंची

बृज भूषण ने विनेश फोगाट, बजरंग पूनिया पर आरोपों की बौछार की

- बृज भूषण शरण सिंह ने कहा, 18 जनवरी 2023 को दिल्ली में जंतर मंतर पर जो आंदोलन हुआ था वह खिलाड़ियों का आंदोलन नहीं था। सारा आंदोलन कांग्रेस का षड्यंत्र था, जिसे भूपिंदर सिंह हुड्डा लीड कर रहे थे।
- बृज भूषण ने विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया के कांग्रेस में जाने पर कहा, इससे स्पष्ट है कि उनके खिलाफ जो भी आरोप लगाए गए हैं वे सभी राजनीति से प्रेरित हैं।
- ज्ञातव्य है कि, रैसलिंग फैडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष और भाजपा के बाहुबली नेता बृज भूषण पर महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न का आरोप है और उनके खिलाफ आंदोलन किया गया था जिसके कारण उन्हें पद छोड़ना पड़ा था।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 सितम्बर। हरियाणा में विधानसभा चुनावों से ठीक पहले दो पहलवानों- विनेश फोगाट तथा बजरंग पूनिया के देश की सबसे पुरानी पार्टी, कांग्रेस में शामिल हो जाने के बाद भाजपा द्वारा इन दोनों ओलम्पियनों पर प्रहार करने के लिये कुख्यात बाहुबली बृजभूषण सिंह को मैदान में उतार दिया गया है ताकि कांग्रेस इन दोनों का चुनावी लाभ न ले सके। इस पृष्ठभूमि में, सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्षी कांग्रेस में आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरु हो गया है।

रेसलिंग फैडरेशन ऑफ इंडिया (डब्ल्यू.एफ.आई.) के पूर्व अध्यक्ष तथा भाजपा के बाहुबली सिंह ने आज कहा कि विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया के कांग्रेस में शामिल होने से यह सिद्ध हो गया है कि पहलवानों द्वारा उनके खिलाफ किया गया विरोध प्रदर्शन कांग्रेस की साजिश का परिणाम था तथा इसके पीछे हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हूडा का दिमाग काम कर रहा था। सूत्रों का कहना है कि भाजपा हाईकमान ने भाजपा के पूर्व सांसद सिंह से खासतौर से कहा है कि उन्हें कांग्रेस को इसका चुनावी लाभ लेने से रोकना है।

पहलवान विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया की इस राजनैतिक छलाँग के बाद आये पूर्व डब्ल्यू.आई.एफ. अध्यक्ष सिंह के साजिश के आरोप के तुरन्त बाद वरिष्ठ कांग्रेस नेता पवन खेड़ा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हरियाणा में नहीं होगा कांग्रेस और आप का गठबंधन?

आप की ज़िद ने दोनों दलों के बीच सीटों के बंटवारे की वार्ता में गतिरोध पैदा किया

- आम आदमी पार्टी 90 सीटों में से 10 सीटें मांग रही है, पर, कांग्रेस 5-7 देना चाहती है।
- आप नेताओं ने धमकी भी दी कि आप को कमज़ोर ना समझा जाए, वह 90 सीटों पर चुनाव लड़ने को तैयार है।
- कांग्रेस ने आप पार्टी की धमकी पर अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 सितम्बर। लगता है कि आम आदमी पार्टी हरियाणा में अपने पैर फैलाने की अधिक इच्छुक है, बजाय कांग्रेस के साथ मिलकर भाजपा का मुकाबला करने के, क्योंकि इण्डिया ब्लॉक की दोनों सहयोगी पार्टियों के बीच संख्याओं को लेकर सीट शेयरिंग की वार्ता विफल होने के कगार पर है।

हरियाणा विधानसभा चुनावों के लिए कांग्रेस के साथ गठबंधन को लेकर चल रही अनिश्चितताओं के बीच आज आप ने, सीट शेयरिंग वार्ता को एक मौका देने के लिए चुप्पी बनाए रखने के बजाय धमकी दे डाली, कि जो लोग पार्टी को ''कम आंक'' रहे हैं वो ''पछताएंगे।''

दिन के शुरु में आप की राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि बातचीत चल रही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि ''कुछ निर्णय'' होगा, क्योंकि, वार्ता जारी है और अभी से कुछ कहना जल्दबाजी होगी। उनसे पूछा गया था कि यदि कांग्रेस के साथ गठबंधन हो जाता है तो आप कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, आप के राष्ट्रीय सचिव (संगठन) संदीप पाठक ने कहा, ''हम पूरी तरह तैयार हैं और पार्टी के आदेश का इंतज़ार कर रहे हैं तथा जो भी हमें कम समझेगा वो भविष्य में खुद ही पछताएगा।''

दूसरी तरफ कांग्रेस ने आप नेताओं के उकसाने पर प्रतिक्रिया ना देकर गरिमा बनाए रखने का रास्ता चुना है।

कांग्रेस तथा आप के बीच गठबंधन की वार्ता में सीट शेयरिंग को लेकर गतिरोध पैदा हो गया है। सूत्रों के अनुसार, आप ने 10 सीटों की मांग की थी, जबकि, कांग्रेस ने 5 से 7 सीटें देने का प्रस्ताव दिया था। हरियाणा में 5 अक्टूबर को चुनाव होने हैं तथा नामांकन दाखिल करने की अंतिम

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पेपर लीक केस में राईका की रिमांड बढ़ी

जयपुर, 7 सितंबर। मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट ने एस.आई. भर्ती-2021 के पेपर लीक मामले में आर.पी.एस.सी. के पूर्व सदस्य रामू राम राईका और उसके बेटे देवेश व पुत्री शोभा सहित तीन अन्य की रिमांड अवधि दस सितंबर तक बढ़ा दी है। वहीं, 6 सितंबर को जोधपुर से गिरफ्तार ऋतु शर्मा को भी दस सितंबर तक रिमांड पर भेजा है।

- मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट ने आर.पी.एस.सी. के पूर्व सदस्य रामूराम राईका, उनके पुत्र देवेश, पुत्री शोभा व तीन अन्य की रिमांड 10 सितम्बर तक बढ़ा दी है।

एस.ओ.जी. की ओर से रिमांड अवधि पूरी होने के बाद राईका, मंजू देवी, अविनाश पलसानिया और विजेन्द्र कुमार को अदालत में पेश किया गया। एस.ओ.जी. ने कहा कि आरोपियों से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बैंगलोर में फिर गर्माया हिंदी बनाम कन्नड़ विवाद

एक्स पर कन्नड़ व हिंदी समर्थकों के बीच भारी गर्मागर्मी का माहौल

- सारा विवाद एक ऑटोरिक्शा चालक और एक प्रवासी महिला के बीच राइड कैंसिल करने को लेकर शुरु हुआ, ऑटोरिक्शा चालक ने महिला को थप्पड़ मार दिया था।
- पुलिस ने चालक की इस हरकत को गलत बताकर गिरफ्तार कर लिया, पर बैंगलोर के स्थानीय लोग ऑटोरिक्शा चालक को ''पीड़ित'' बता रहे हैं।
- स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रवासी ना केवल उनके रोजगार छीन रहे हैं बल्कि सालों यहां रहने के बाद भी कन्नड़ भाषा का एक शब्द नहीं सीखते और स्थानीय लोगों पर हिंदी बोलने का दबाव डालते हैं।

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 सितम्बर। कर्नाटक में निकट भविष्य में तो कोई चुनाव नहीं है। लेकिन एक्स पर भाषाई मुद्दे पर भावनापूर्ण बयानों की भरमार है। कन्नड़ लोग प्रवासियों के बेतुके कटाक्षों और भाषाई के कट्टरता के प्रति भी उत्तेजक टिप्पणियां कर रहे हैं।

गत दो-तीन दिन से सोशल मीडिया साइट एक्स पर कन्नड़ भाषा के पैरोकार काफी गुस्से में हैं और तथाकथित हिंदीभाषियों को आड़े हाथों ले रहे हैं, क्योंकि हिंदी भाषा के समर्थकों का कहना है कि हिन्दी एकमात्र भाषा है जो सबको जोड़ती है उनका यह कहना है कि भारत में सभी को हिन्दी बोलनी चाहिए क्योंकि यह हमारी राष्ट्रभाषा है, जो कि सही नहीं है हिन्दी भी अंग्रेजी की तरह राजकीय भाषा है।

मामला उस समय चरम पर पहुंच गया जब एक ऑटोरिक्शा ड्राइवर ने एक प्रवासी महिला यात्री को थप्पड़ मार दिया क्योंकि उस महिला ने ऑटोरिक्शा ड्राइवर को थोड़ी देर इंतजार कराने के बाद राइड कैन्सिल कर दी थी। इसके बाद दोनों में तीखी बहस हुई लेकिन इससे स्थानीय बनाम बाहरी मुद्दा भी गर्मा गया। इसके बाद ट्विटर पर दोनों पक्षों के लोग कूद पड़े और एक प्रकार का भाषा युद्ध छिड़ गया। ऑटोरिक्शा ड्राइवर को गिरफ्तार किया गया उसे जमानत के लिए तीस हजार रुपये खर्च करने पड़े। इस सबके बाद भी मामला ठंडा नहीं हुआ। हालिया खबरों के अनुसार ड्राइवर अभी भी हिरासत में है उसकी गिरफ्तारी ने कन्नड़ लोगों को एकजुट कर दिया है। उनका कहना है कि प्रवासी यहाँ आते हैं। बरसों रहते हैं पर स्थानीय लोगों के साथ बात कर पाने के लिए कन्नड़ भाषा का एक शब्द भी नहीं सीखते हैं। इसकी बजाय वे स्थानीय लोगों पर हिन्दी बोलने का दबाव बनाते हैं। कन्नड़ लोगों ने इसका घोर विरोध किया और कहा, ऐसा लगता है कि हमारे क्षेत्र में हम ही बाहरी हो गए हैं।

बैंगलोर की पुलिस ने ड्राइवर के हिंसात्मक व्यवहार को आपत्तिजनक माना और कहा कि राइड कैन्सिल करने में हिंसा की कोई जगह नहीं है। ऑटो चालक ने कानून को अपने हाथ में लेकर गलती की है। उक्त ऑटो चालक की गिरफ्तारी के बाद कन्नड़ लोग उसे ''पीड़ित'' बता रहे हैं।

लेकिन इस मामले को अधिकांशतः नकारात्मक प्रचार मिला है और उसे देखते हुए अगर पुलिस ने सजगता नहीं बरती तो संभावना है कि इससे माहौल बिगड़ सकता है। स्थानीय लोग इस बात से भी नाराज़ हैं कि काफी तादाद में प्रवासी भी ऑटो चला रहे हैं। उन्हें डर हैं कि उनकी आजीविका छिन रही है।

इस बात से कर्नाटक सरकार के प्राइवेट सैक्टर की कम्पनियों में निचले स्तर के 80 प्रतिशत पद स्थानीय लोगों के लिए आरक्षित करने के निर्णय को समझा जा सकता है। फिलहाल इस निर्णय को होल्ड पर रखा है क्योंकि प्राइवेट सैक्टर ने इसका विरोध किया और कहा यह नीति उन्हें सही प्रतिभा ढूंढने से रोक रही है।

लेकिन ऑटोरिक्शा ड्राइवर की घटना और टाटा कम्पनी द्वारा कर्नाटक व तमिलनाडू की फैक्ट्री के लिए चार हजार टैक्नीशियन बाहर लाने के निर्णय तनाव को और ज्यादा बढ़ा रहे हैं।

नाबालिग का अपहरण और रेप, आरोपी को 20 साल की सजा

जयपुर, 7 सितंबर। जिले की पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने नाबालिग का अपहरण कर उसके साथ कई बार दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त महादेव प्रसाद को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने 29 वर्षीय इस अभियुक्त पर 1.75 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

- पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने आरोपी महादेव प्रसाद पर 1.75 लाख रूपए का जुर्माना भी लगाया। पीड़िता जब 11वीं कक्षा की छात्रा थी तब आरोपी उसका शिक्षक था।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक विजया पारीक ने अदालत को बताया कि घटना को लेकर पीड़िता के पिता ने 13 अप्रैल, 2022 को गोविंदगढ़ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा कि बीती रात उसकी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

यूक्रेन काफी थक गया है, अपने से एक बहुत बड़े देश के साथ लम्बे समय से युद्ध करते-करते

पश्चिमी देशों की यूक्रेन को और आधुनिकतम हवाई जहाज देने में कुछ हिचकिचाहट के कारण यूक्रेन के पास ऐसे हवाई जहाज नहीं हैं जो रूस के बहुत अंदर जाकर बमबारी कर सकें, अतः युद्ध खिंचता ही जा रहा है

- पश्चिमी देशों की हिचकिचाहट का कारण, वो यह अंदाजा नहीं लगा पा रहे हैं कि इस ''डीप बमबारी'' के बाद रूस की क्या प्रतिक्रिया होगी। रूस और आक्रामक भी हो सकता है तथा उसके मित्र राष्ट्र, जो अभी किनारे खड़े होकर सहानुभूतिपूर्ण आँखों से युद्ध देख रहे हैं, पर, युद्ध में रूस के पक्ष में कूदे नहीं हैं।
- हताश होकर यूक्रेन ने पुराना हथियार ''थरमाईट'' ढूंढकर, पोंछ पांछ कर निकाला है तथा ड्रोन्स पर चढ़ाकर, रूस पर ड्रोन्स से आक्रमण करने की रणनीति बना ली है।
- ''थरमाईट'' 2220 डिग्री सैन्टीग्रेड तक की आग बरसा सकता है तथा जमीन पर इस भारी आग से तबाही मचती ही है, साथ ही यह शत्रु के सैनिकों में भय फैला देता है तथा जंगलों में गुफाओं में छुपे सैनिक बाहर आने को मजबूर हो जाते हैं।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 सितम्बर। हताशा से भरा यूक्रेन अब एक नए प्रकार के हथियार का प्रयोग कर रहा है, जिसने रूस के अग्रिम पंक्ति के सैनिकों में दिल दहलाने वाला भय पैदा हो रहा है।

यूक्रेन के नवीनतम ड्रोन रूसी सेना पर आग बरसा रहे हैं और ये इतने घातक हैं कि रूसी सेना आतंकित हो रही है। लेकिन, यूक्रेन के मित्र इस बात को लेकर चिंतित है कि रूस इन हथियारों के जवाब में क्या प्रतिक्रया दे सकता है।

ये ड्रोन, जिन्हें ड्रैगन ड्रोन्स कहते हैं, आकाश से अल्युमिनियम पाउडर और आयरन ऑक्साइड का मिश्रण छोड़ते हैं, जो 2,220 सैंटीग्रेड तक ''हीट'' पैदा कर सकता है और यह उस पूरे क्षेत्र को जलाने में सक्षम हैं जहाँ ड्रोन हमले किए जा रहे हैं। इस तरह की आग मनुष्य को भयंकर नुकसान पहुँचा सकती है। यदि कोई इस आग से बच भी गया तो उसे ठीक होने में महीनों लग सकते हैं।

इन दो तत्वों का मिश्रण, जिसे थरमाइट्स कहते हैं, का प्रयोग प्रथम तथा द्वितीय विश्व युद्ध में किया गया था। इस मिश्रण की प्रकृति (प्रोपर्टीज़) की खोज जर्मनी के एक वैज्ञानिक ने सन् 1890 में की थी। अपनी ''थर्मल वैल्यूज़'' के कारण यह तत्व रेलवे लाइन बिछाने और रेल लाइन को वैल्ड करने में उपयोगी पाया गया था।

बाद में, जब प्रथम विश्व युद्ध शुरू हुआ तो, जर्मनी ने दुश्मन में दहशत फैलाने के लिए मिलिटरी टूल के रूप में इसको उपयोगी पाया। इस तरह प्रथम विश्व युद्ध में इसका उपयोग शुरू हुआ।

यूक्रेन अब ड्रोन हमलों में हथियार के रूप में थरमाइट्ज का उपयोग कर रहा है। इन ड्रोन्स का उपयोग अग्रिम पंक्तियों में किया जा रहा है, तथा इससे जंगलों में गुफाओं में छुपे हुए रूसी सैनिक भी बाहर आने को मजबूर हो जाते हैं। अत्यधिक तेज आग भड़काने वाली प्रकृति के कारण, यूक्रेन ने इन ड्रैगन फायर ड्रोन्स का उपयोग हाल ही में घने जंगली क्षेत्रों में किया है, जहाँ रूसी सैनिकों ने पोज़ीशन ले रखी थी।

ये ड्रोन बड़े-बड़े क्षेत्रों में आग लगाकर छुपे रूसी सेनिकों को बाहर ला सकते हैं। इन ड्रोन्स के द्वारा पिघली धातु आकाश से गिरती है। यूक्रेन ने इस टैक्नॉलोजी की भारी सफलता का दावा किया है। यूक्रेन, रूस की बढ़ी हुई एयर स्ट्रायक्स का जवाब देने के लिए अपने पास एयर फायर पावर नहीं होने की शिकायत करता आया है। रूसी एयर फोर्स ने यूक्रेन की पोज़ीशन्स को भारी नुकसान पहुँचाया है। रूस जब चाहे तब सिविलियन टारगैट्स पर हमला कर रहा था। क्योंकि यूक्रेन की मोर्चाबंदी कुछ ढीली पड़ रही है।

यूक्रेन के मित्र राष्ट्र, अमेरिका तथा यूरोपीय देश उसे हथियार तथा असला सप्लाई करने में कुछ हिचकिचा रहे हैं। इसलिए यूक्रेन को अपने देश में ही नुकसान उठाना पड़ रहा है तथा रूस को लाभ हो रहा है।

इस हिचकिचाहट का आधार यह तथ्य है कि उन्हें लगता है यूक्रेन को लम्बी दूरी तक मार करने वाले हथियार देने का मतलब होगा कि वो रूस की सीमा के बहुत अंदर तक हमला कर पाएगा। पर इससे रूस की तरफ से अविश्वसनीय प्रतिक्रिया हो सकती है। लेकिन, यूक्रेनियन्स हताश हैं, कि उनके पास समय नहीं बचा है ना ही गतिशीलता। एक छोटा देश, यूक्रेन, लंबे समय से अपने से बहुत बड़े दुश्मन से लड़ रहा है। वो अपनी आर्मी तथा अन्य फोर्सेज में सैनिकों की कमी पूरी नहीं कर पा रहा है। यूक्रेन की हताशा की एक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मणिपुर में उग्रवादियों के हमले में पांच की मौत

इम्फाल, 7 सितंबर। मणिपुर में बीते साल मई से चल रहा तनाव कम होने का नाम नहीं ले रहा है। बिष्नुपुर में रॉकेट अटैक के बाद अब हिंसा में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई है।

- मणिपुर में ताजा हिंसा की घटनाओं के बाद पिछले पांच दिनों से तनाव बहुत बढ़ गया है। शुक्रवार की रात बिष्णुपुर में एक शख्स की हत्या कर दी गई थी। इसके अलावा, मणिपुर राइफल्स के हैडक्वार्टर से हथियार लूटने की कोशिश की गई।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह आंकड़ा बढ़ भी सकता है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि एक व्यक्ति की उस समय गोली मारकर हत्या कर दी गई, जब वह सो रहा था, वहीं बाद में हुई गोलीबारी में चार हथियारबंद लोग मारे गए। मणिपुर पुलिस अधिकारी के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

कोई भी इतना धनि नहीं कि पड़ौसी के बिना काम चला सके –डेनिस कहावत

गरीबी दूर किये बिना कोई व्यक्ति या समाज स्वस्थ और प्रसन्न नहीं रह सकता

बात कम से कम 5,000 से ,8000 पहले की है। उत्तर भारत के घने वनों में महर्षि-वैज्ञानिक भगवान् आत्रेय अपने शिष्यों को चिकित्सा-विज्ञान सहित आयु का समग्र विज्ञान पढा रहे थे। उनके छः दिग्गज विद्यार्थी-जो आगे चलकर प्राचीन भारत के महान चिकित्सा-वैज्ञानिक बने-चिकित्सा के मूल सिद्धान्तों को समझने में व्यस्त थे। तभी एक विचित्र बात आती है:–

;सुनो अग्निवेश! जीवन में आजीविका और धन प्राप्ति का प्रयास न करने से बडा कोई पाप नहीं।; भगवान् आत्रेय ने अपने एक शिष्य को संबोधित करते हुये कहा।

भगवान् आत्रेय ने अपनी बात को आगे बढाते हुये स्पष्ट किया (च.सू.11.5)-

अथ द्वितीयां धनैषणामापद्येत, प्राणेभ्यो ह्यनन्तरं धनमेव पर्येष्टव्यं भवति; न ह्यतः पापात् पापीयोऽस्तियदनुपकरणस्य दीर्घमायुः, तस्मादुपकरणानि पर्येषुं यतेत।

तत्रोपकरणोपायाननुव्याख्यास्यामः; तद्यथा कृषिपाशुपाल्यवाणिज्यराजोपसेवादीनि, यानि चान्यान्यपि सतामविगर्हितानि कर्माणि वृत्तिपुष्टिकराणि विद्यात्तान्यारभेत कर्तुं;

तथा कुर्वन् दीर्घजीवितं जीवत्यनवमतः पुरुषो भवति।

अर्थात् प्राणों के बाद दूसरे क्रम पर धन की इच्छा आती है। जीवन में व्यक्ति को धन कमाने या आजीविका प्राप्त करने का प्रयत्न करना आवश्यक है। पक्की तौर पर प्राणों के बाद धन ही महत्वपूर्ण है। निश्चय ही इससे बडा कोई पाप नहीं कि जिन्दगी भर स्वास्थ्य, सुख, धर्म और धन से विहीन जीवन हो। इसलिये धन प्राप्ति के उपाय करना आवश्यक है। इस हेतु जो उपकरण या साधन हैं उनमें खेती-बाडी, पशुपालन, वाणिज्य-व्यापार, सरकारी नौकरी या आजीविका को सुदृढ करने हेतु विद्वानों द्वारा सुझाये गये अन्य अच्छे कार्यों को प्रारंभ कर आजीविका तथा धन संपत्ति अर्जित करते हुये समाज में उचित सम्मान और प्रतिष्ठापूर्वक दीर्घ-जीवन जीना चाहिये।

यह सुनकर आज हमें यह आश्चर्यजनक प्रतीत हो सकता है कि आयु के विज्ञान या चिकित्सा-विज्ञान से संबंधित शिक्षा-सत्र में भगवान् आत्रेय अचानक गरीबी, धनार्जन और संपत्ति जैसे विषय पर व्याख्यान क्यों दे रहे हैं। वस्तुतः आयुर्वेद की यह शिक्षा अपने समय से बहुत आगे थी। आज विश्व के सर्वाधिक प्रतिष्ठित शोध जर्नल्स में प्रकाशित शोध विश्लेषण निर्विवाद सिद्ध करते हैं कि जो लोग गरीबी में रहते हैं, वे मानसिक बीमारियों से प्रभावित रहते हैं देखें, एम. रिडले इत्यादि, साइंस, 370(6522): 11 दिसम्बर, 2020। गरीबी बौद्धिक और संज्ञानात्मक क्रियाओं और क्षमताओं को बिगाडती है। रुपये-पैसे की कमी के कारण गरीब की निर्णय-क्षमता दुष्प्रभावित होती है। ऐसा इसलिये होता है क्योंकि गरीबी व्यक्ति के दिमाग पर संज्ञानात्मक-बोझ डालती है। यह बोझ दिमाग को इतना चूस लेता है कि उन्नति पर ध्यान देने की क्रिया बाधित होती है, व्यक्ति प्रयास ही नहीं कर पाता और गरीबी और बीमारी के भंवर में फंसा रहता है देखें, आनंदी मणि इत्यादि, साइंस, 341(6149): 976-980, 2013; एस.एल जेम्स इत्यादि, लैंसेट, 392(10159):1789-1858 2018; ई. रेनाही इत्यादि, यूरोपियन जर्नल ऑफ़ पब्लिक हेल्थ, 28 (2):269-275, 2018। गरीबी और ज़रा-जीर्णता (फ्रेलिटी) के मध्य बहुत मज़बूत रिश्ता हाल की शोध से स्पष्ट होता है देखें, ए.ए. हयाजनेह, एम. रबाबा, डेमेंशिया एंड जेरियाट्रिक कॉग्निटिव डिसऑर्डर्स, 50(5): 407-413, 2022। सकल-कारण मृत्यु दर को बढ़ाने में गरीबी एक बहुत बड़ा जोखिम कारक है और इस विषय पर 300 से अधिक शोधपत्र प्रकाशित हो चुके हैं। दुनियाभर में गरीबी और स्वास्थ्य के मध्य रिश्तों पर 31 दिसम्बर 2022 तक 78,500 से अधिक शोधपत्र प्रकाशित हो चुके हैं। अब आपको यह स्पष्ट हो गया होगा कि चिकित्सा विज्ञान में 8,000 साल पहले धनार्जन करने व गरीबी हटाने की सलाह क्यों दी गई होगी।

गरीबी में जीवन-यापन करने वाले लोग मानसिक बीमारी से क्यों प्रभावित रहते हैं? इस विषय पर गरीबी और मानसिक बीमारियों जैसे अवसाद और चिंता आदि के बीच अंतर्निहित संबंध पर हुये अध्ययन रोचक हैं। अनुसंधान से पता चलता है कि एक तरफ गरीबी मानसिक बीमारी को बढ़ावा देती है और वहीं यह रोजगार के अवसरों तक पहुँच को कम करती है। यह इस बात से भी सिद्ध होता है कि गरीबों के जीवन में आय बढ़ाने के उपाय और मनोवैज्ञानिक चिकित्सकीय हस्तक्षेप दोनों मिलकर आर्थिक लाभ उत्पन्न करते हैं और स्वास्थ्य में बेहतरी लाते हैं। इसके उलट नकारात्मक आर्थिक झटके मानसिक बीमारी का कारण बनते हैं, और कैश ट्रांसफर जैसे एंटी-पावर्टी प्रोग्राम मानसिक स्वास्थ्य में सुधार करते हैं। गरीबी, स्वास्थ्य और प्रसन्नता के मध्य इन पक्के रिश्तों की समझ प्रभावी नीतियों को विकसित और क्रियान्वित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

एक अन्य उदाहरण देखें तो आर्थिक रूप से वंचित लोग कोविड-19 के कारण मृत्यु की आशंका में सर्वाधिक फंसते हुये पाये गये हैं। यह जोखिम गरीबी के कारण तनाव, कोमोर्बिडिटी, और स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच की कमी के कारण बढ़ता है। इस महामारी ने समाज में आर्थिक विषमताओं को उजागर तो किया ही है, इस विषमता को बढ़ाया भी है। यहाँ बेहतर स्वास्थ्य के लिये गरीबी दूर करने की आवश्यकता तो सिद्ध ही होती है। साथ ही, समाज में आर्थिक रूप से सर्वाधिक वंचित लोगों की कमजोरियों को दूर करने के लिये सामाजिक कल्याण में सुधार के लिये दीर्घकालिक कार्यक्रम क्रियान्वयन की अनिवार्यता भी सिद्ध होती है।

आने वाले दशकों में मानसिक बीमारी का बोझ बढ़ने की आशंका है। गरीबी और मानसिक-शारीरिक स्वास्थ्य के संबंधों की इस भयावहता को देखते हुये ही आयुर्वेद धन कमाने और गरीबी दूर करने की सलाह देता है। इसीलिये आयुर्वेद में सुखायु और हितायु की ऐतिहासिक अवधारणा सर्वकालिक रूप से उपयोगी है।

अब यह स्पष्ट रूप से ज्ञात है कि आय कम होने से मानसिक बीमारी बढ़ती है। फसलों के खराब होने से आमदनी के नकारात्मक झटके, कल-कारखाने बंद होने के कारण नौकरी का छूटना या आमदनी में गिरावट आदि मानसिक स्वास्थ्य को खराब करते हैं। इसके विपरीत अर्थशास्त्रीय क्लिनिकल ट्रायल्स में पाया गया है कि कैश ट्रांसफर और गरीबी हटाने के व्यापक प्रयास अवसाद और चिंता को कम करते हैं। जैसा कि स्वाभाविक है कि आमदनी और खर्च की अनिश्चितताओं से गरीबी का बडा रिश्ता है। अतः चिंता और अनिश्चितता मानसिक स्वास्थ्य को बिगाड़ देती हैं। इसके विपरीत स्वास्थ्य, रोजगार, बीमा और आमदनी की कमी के झटकों से उबरने के अन्य साधन प्रदान करने से अवसाद और चिंता कम हो जाती और मानसिक स्वास्थ्य ठीक रहता है। इसके अलावा गरीबी के कारण आवास की अपर्याप्त उपलब्धता, गरीबी वाले क्षेत्रों में प्रदूषण के कारण पर्यावरणीय तनाव, अपर्याप्त नींद आदि भी मानसिक बीमारी को बढ़ा देते हैं। बचपन में गरीबी की स्थिति, या यहाँ तक कि माता के गर्भाशय में अनुभव की जाने वाली गरीबी अंततः कुपोषण और अन्य तनावों की आशंका को बढ़ाती है। इन सबके कारण संज्ञानात्मक या बौद्धिक विकास गड़बड़ाने से वयस्क होते होते मानसिक बीमारी घेर लेती है। स्वाभाविक है कि गर्भवती महिलाओं और छोटे बच्चों की देखभाल करने वाले सरकारी तंत्र को वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु तत्पर रहना आवश्यक है। एक बात यहाँ यह भी समझना चाहिये कि गरीबी बदतर शारीरिक स्वास्थ्य से भी जुड़ी है। गरीबी के कारण आघात, हिंसा और अपराध में लिप्त हो जाने का भारी जोखिम रहता है। गरीबी निम्न सामाजिक स्थिति के लिये भी उत्तरदायी है जिसके कारण शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दुष्प्रभावित होता है।

असल में गरीबी के कारण उत्पन्न मानसिक बीमारियाँ भविष्य में आर्थिक उन्नयन के लिये किये जाने वाले प्रयत्नों के परिणामों को भी दुष्प्रभावित करती हैं। अवसाद और चिंता लोगों के सोचने-समझने के तरीके को प्रभावित करते हैं। परेशानी में ध्यान लगे रहने के कारण स्मृति में विकृति आती है। इस तरह के प्रभावों से आर्थिक प्राथमिकतायें किनारे हो जाती हैं। और इस प्रकार परेशानी में फंसे लोगों द्वारा लिये जाने वाले महत्वपूर्ण आर्थिक निर्णय गलत होने लगते हैं। गरीबी के कारण एकाग्रता की कमी और अधिक काम की थकान उत्पादकता को गिरा देती है। गरीबी-जन्य मानसिक बीमारी एक ऐसे सामाजिक कलंक को लगा देती है जिसके कारण आगे व्यक्ति को श्रम-बाजार में तवज्जो नहीं मिलती। मानसिक बीमारी के साथ अगर अन्य गैर-संचारी रोगों जैसे मधुमेह और दिल की बीमारी आदि की को-मोर्बिडिटी भी है तो उस व्यक्ति के जीवन में भयावह स्वास्थ्य व्यय की आशंका को बढ़ जाती है। मानसिक बीमारी युवाओं में शिक्षा और कौशल प्राप्त करने की दिशा में भारी बाधा उत्पन्न कर सकती है। महिलाओं में मानसिक बीमारियों का असमान रूप से अधिक प्रसार लैंगिक असमानताओं को बढ़ा देता है। माता-पिता की मानसिक बीमारी बच्चों के संज्ञानात्मक विकास और शैक्षिक गतिविधि को प्रभावित करती है, जो पीढ़ी दर पीढ़ी मानसिक बीमारी और गरीबी के भंवर में फंसा सकती है। उपरोक्त वर्णन से स्पष्ट हो जाता है कि क्यों आयुर्वेद वैध तरीकों से धन कमाने की सलाह देता है।

आने वाले दशकों में मानसिक बीमारी का बोझ बढ़ने की आशंका है। हालांकि अमीर व्यक्तियों के मानसिक रूप से बीमार होने की संभावना कम होती है, लेकिन अमीर देशों में मानसिक बीमारी की दर कम नहीं हो रही है। कारण अनेक हैं। जलवायु परिवर्तन से मानसिक स्वास्थ्य खराब होने की आशंका, उच्च तापमान के दुष्प्रभाव से कृषि पैदावार में कमी या सूखा के कारण बारिश और पानी की आपूर्ति में परिवर्तन, मौसमी आपदाओं और हिंसक संघर्ष की आशंका बढ़ जाती है। गरीबी और मानसिक-शारीरिक स्वास्थ्य के संबंधों की इस भयावहता को देखते हुये ही आयुर्वेद धन कमाने और गरीबी दूर करने की सलाह देता है। इसीलिये आयुर्वेद में सुखायु और हितायु की ऐतिहासिक अवधारणा सर्वकालिक रूप से उपयोगी है।

सुखमायुः हितमायुः दोनों रणनीतियों को एक साथ आजीवन क्रियान्वित करना ही स्वास्थ्य और प्रसन्नता देता है क्योंकि स्वयं के लिये सुखकारी और समाज के लिये हितकारी जीवन जीने की साझा युक्ति सर्वोपरि है। इसीलिये सुखी व दुःखी और हितकारी व अहितकारी जीवन के लक्षणों का वर्णन आयुर्वेद में एक साथ आता है (च.सू.30.24):

तत्र शारीरमानसाभ्यां रोगाभ्यामनभिद्रुतस्य विशेषेण यौवनवतः समर्थानुगतबलवीर्ययशः पौरुषपराक्रमस्य ज्ञानविज्ञानेन्द्रियेन्द्रियार्थबलसमुदये वर्तमानस्य

परमर्द्धिरुचिरविविधोपभोगस्य समृद्धसर्वारम्भस्य यथेष्टिवचारिणः सुखमायुरुच्यते; असुखमतो विपर्ययेण; हितैषिणः पुनर्भूतानां परस्वादुपरतस्य सत्यवादिनः शमपरस्य परीक्ष्यकारिणोऽप्रमत्तस्य त्रिवर्गं परस्परेणानुपहतमुपसेवमानस्य पूजार्हसम्पूजकस्य ज्ञानविज्ञानोपशमशीलस्य

वृद्धोपसेविनःसुनियतरागरोषेर्ष्यामदमानवेगस्य सततं विविधप्रदानपरस्य

तपोज्ञानप्रशमनित्यस्याध्यात्मविदस्तत्परस्य लोकमिमं चामुंचावेक्षमाणस्य स्मृतिमतिमतो हितमायुरुच्यते; अहितमतो विपर्ययेण॥

तात्पर्य यह कि यदि व्यक्ति (1) शारीरिक और मानसिक रोगों से मुक्त है, (2) विशेषकर युवावस्था में है, (3) सभी कार्य करने में समर्थ है, (4) बल, वीर्य, यश, पराक्रम, जानकारी और यथार्थ ज्ञान, कौशल युक्त हो, और पाँचों इंद्रियों और उनसे संबंधित विषयों के बल के समुच्चय से युक्त है, (5) उत्तम धन-सम्पदा वाला है और उपभोग हेतु सभी वस्तुओं से संपन्न है व इन सबके उपभोग में सक्षम है, (6) प्रारम्भ किये सभी कार्य पूर्ण हो रहे हों, (7) स्वयं की इच्छा अनुसार विचरण कर सकता हो या चल-फिर सकता हो, ऐसे व्यक्ति का जीवन सुखी जीवन होता है। और इस सबके उलट यदि इन सबका अभाव हो तो दुःखी जीवन होता है। इसी प्रकार जो व्यक्ति (1) सभी प्राणियों का हितचिंतक, (2) दूसरे का धन ना छीनने वाला, (3) सत्य बोलने वाला, (4) शांतिप्रिय, (5) कार्यों को सोच विचार कर क्रियान्वित करने वाला और सावधान, (6) अर्थ, धर्म, काम जैसे पुरुषार्थ का पालन करने वाला, (7) श्रेष्ठ व्यक्तियों का सम्मान करने वाला, (8) ज्ञानशील, विज्ञानशील, शांतिशील, (9) बडे-बूढ़ों की सेवा करने वाला, (10) राग, क्रोध, ईर्ष्या, मद, मान के वेगों पर उच्चकोटि का नियंत्रण रखने वाला, (11) निरंतर दानशील, (12) सदैव आत्म-नियंत्रण, ज्ञान, शांति, विनम्रता वाला, (13) आध्यात्म की समझ और पालन करने वाला, (14) लोक-परलोक का विचार करने वाला, स्मरण-शक्ति और बुद्धि से युक्त हो, ऐसे व्यक्ति की आयु हितकारी कही जाती है। इसके उलट अहितकारी कही जाती है। इन सभी कारकों को ध्यान से वर्गीकृत करने पर में सुखमायुः में स्वयं की उन्नित और हितमायुः में औरों की उन्नति और परोपकार स्पष्ट दृष्टिगोचर होता है।

इस विचार-विमर्श का मूल सन्देश क्या है? मूल सन्देश यह है कि आयुर्वेद की सलाह मानकर गरीबी दूर करने के सभी उचित प्रयत्न करना चाहिये। यही सुखकारी और हितकारी जीवन जीने का रास्ता है।

–अतिथि सम्पादक
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त तथा वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)

अक्षरों की आवाज सुनानी होगी राजस्थान को

विश्व साक्षरता दिवस पर विशेष

राजेन्द्र जोशी

पाटी गई, कापी गई
गई पेंसिल अबकी बार
मिट गई आखर की धार
अब तो चेतो मेरी सरकार।

शिक्षा और साक्षरता उतनी ही जरूरी है जितना मनुष्य को जीने के लिए हवा और पानी की जरूरत होती है। देश भर में साक्षरता अभियानों का डंका बजने के बाद पिछले एक दशक से राजस्थान में अक्षर की धार मिटने लगी है। राजस्थान के पास साक्षरता संचालन के लिए लम्बा-चौड़ा लवाजमा मौजूद है। ब्लॉक से राज्य स्तर तक सैकड़ो अधिकारी-कर्मचारी कार्यरत है। स्थाई विभाग होने के बावजूद भी 2001 के बाद अक्षर की आवाज सुनाई नहीं दे रही। भारत सरकार की कार्य योजना के भरोसे हाथ पैर हाथ धरे बैठा राजस्थान पिछले एक दशक से निरक्षरता उन्मूलन के लिए खुद के बूते कोई बड़ी योजना नहीं बना सका। प्रदेश अपनी 36 प्रतिशत असाक्षर जनता को कब साक्षर करेगा।

राजस्थान में साक्षरता के क्षेत्र में उल्लेखनीय काम किया था। लगभग 50 प्रतिशत महिला और 21 प्रतिशत पुरुष आज भी अक्षरों के आलोक से दूर हैं। शिक्षा और साक्षरता उतनी ही जरूरी है जितना मनुष्य को जीने के लिए हवा और पानी की जरूरत होती है। देश भर में साक्षरता अभियानों का डंका बजने के बाद पिछले एक दशक से राजस्थान में अक्षर की धार मिटने लगी है। राजस्थान के पास साक्षरता संचालन के लिए लम्बा-चौड़ा लवाजमा मौजूद है। ब्लॉक से राज्य स्तर तक सैकड़ो अधिकारी-कर्मचारी कार्यरत है। स्थाई विभाग होने के बावजूद भी 2001 के बाद अक्षर की आवाज सुनाई नहीं दे रही। भारत सरकार की कार्य योजना के भरोसे हाथ पैर हाथ धरे बैठा राजस्थान पिछले एक दशक से निरक्षरता उन्मूलन के लिए खुद के बूते कोई बड़ी योजना नहीं बना सका। प्रदेश अपनी 36 प्रतिशत असाक्षर जनता को कब साक्षर करेगा। राजस्थान में साक्षरता के क्षेत्र में उल्लेखनीय काम किया था। लगभग 50 प्रतिशत महिला और 21 प्रतिशत पुरुष आज भी अक्षरों के आलोक से दूर हैं। वर्तमान में संचालित नवभारत साक्षरता कार्यक्रम पूरी तरह डिजिटल कार्यक्रम है विचारणीय सवाल तो यह है कि असाक्षर को साक्षर बनाने के लिए स्लेट-पेंसिल और कॉपी की आवश्यकता होती है। जब तक असाक्षर ग्रुप के हाथ में यह सब नहीं हो तो ऐसे लोगों को साक्षर बनाने का डिजिटल तरीका समझ से परे है। और वह भी उन लोगों के भरोसे जो खुद अभी डिजिटल तकनीक से परिचित भी नहीं है।

साक्षरता अभियानों के संचालन में स्थानीय स्तर पर परिस्थितियों के अनुरूप कार्य योजना बनाई जानी चाहिए। यह कार्य संपूर्ण साक्षरता अभियान के दौरान किया गया जब प्रत्येक जिले की अपनी कार्य योजना थी, ऐसी कार्य योजनाओं के कारण ही साक्षरता प्रतिशत बढा था। साक्षरता अभियानों की सफलता कार्यक्रम पर नहीं है, सरकारी दफ्तरों से ही संभव नहीं है बल्कि सघन वातावरण निर्माण से संभव होती है। 2047 में हमारे प्रधानमंत्री भारत को आत्मनिर्भर बनाने की बात कर रहे है। आत्मनिर्भरता संपूर्ण साक्षरता से ही संभव है। आत्मनिर्भर बनाने के लिए जिला कार्य योजनाओं का निर्माण राजस्थान को करना चाहिए। भारतवर्ष में राजस्थान अकेला ऐसा प्रदेश है जिसके पास नियमित साक्षरता निदेशालय स्थापित है। शेष प्रदेशों में ऐसी गुणवत्ता नहीं होने के बावजूद वह हमसे अधिक साक्षरता दर में वृद्धि कर रहे हैं। अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर राजस्थान को संपूर्ण साक्षर बनाने का संकल्प एक बार फिर से दोहराना होगा।

–राजेन्द्र जोशी,
शिक्षाविद-साहित्यकार

जोधपुर एयरफोर्स स्टेशन पर चल रहे "तरंग-शक्ति" में ओपन-डे शो हुआ

आसमान में भारतीय लड़ाकू विमान सुखोई-30, तेजस और हेलिकॉप्टर ने करतब दिखाए

जोधपुर, (कासं)। भारतीय वायु सेना का सबसे बड़ा अभ्यास तरंग-शक्ति (फेज-2) जोधपुर एयरफोर्स स्टेशन पर चल रहा है। शनिवार को ओपन-डे शो हुआ। आसमान में भारतीय लड़ाकू विमान सुखोई-30, तेजस और हेलिकॉप्टर ने प्रचंड ने करतब दिखाए। सूर्यकिरण के 9 हॉक्स विमान ने आसमान में तिरंगा बनाया और दर्शकों को रोमांचित किया।

- **सूर्यकिरण के 9 हॉक्स विमान ने आसमान में तिरंगा बनाया और दर्शकों को रोमांचित किया**
- **एयरफोर्स स्टेशन पर भारत सहित 24 देशों के 400 जवानों ने सामूहिक योग किया**

जोधपुर एयरफोर्स स्टेशन पर भारतीय वायु सेना के सबसे बड़े अभ्यास तरंग-शक्ति (फेज-2) में आसमान में भारतीय लड़ाकू विमानों ने विभिन्न प्रकार के करतब दिखाये।

इससे पहले शनिवार सुबह छह बजे एयरफोर्स स्टेशन पर भारत सहित 24 देशों के 400 जवानों ने सामूहिक योग किया। एयरफोर्स स्टेशन पर हरक्यूलिस सी-130 विमान के सामने यूएई, सिंगापुर, ग्रीस, ऑस्ट्रेलिया, जापान, अमेरिका और श्रीलंका के जवानों ने प्राणायाम व आसन किए। वहीं सूर्यकिरण के 9 हॉक्स विमान ने यूथ को डेडिकेट करते हुए फॉर्मेशन बनाई। हेलिकॉप्टर प्रचंड ने जब आसमान में करतब दिखाए तो दर्शक रोमांचित हो उठे। सुबह 11 बजे ओपन-डे शो की शुरुआत में अग्निवीर वायु की महिला जवानों ने प्रस्तुति दी। इसके बाद फाइटर जेट ने करतब दिखाना शुरू किया। सबसे पहले स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस आसमान में उड़ा। तेजस ने करीब 10 मिनट तक आसमान में करतब दिखाए। तेजस के बाद सूर्यकिरण के हॉक्स विमान उड़े। ये दर्शकों के एकदम ऊपर से निकले तो सभी रोमांचित हो गए। सूर्यकिरण के 9 हॉक्स विमान ने लो लेवल फ्लाइंग की। धुएं से तिरंगा बनाया। इन विमान में बैठे विंग कमांडर हवा में एक-दूसरे को क्रॉस करते हुए अपने-अपने विमान को लेकर गए। हॉक्स विमान 360 डिग्री राउंड लेते हुए हवा में उड़े। सूर्यकिरण के 9 हॉक्स विमान ने यूथ को डेडिकेट करते हुए फॉर्मेशन बनाई। डीएनए और राइट एंड लेफ्ट फॉर्मेशन भी बनाई। इसके बाद सुखोई-30 एमकेआई ने उड़ान भरी। सुखोई-30 ने करीब 150 मीटर की ऊंचाई पर लूप और 180 डिग्री में उड़ते हुए वर्टिकल चार्ली फॉर्मेशन बनाया। हेलिकॉप्टर प्रचंड ने भी आकाश में कलाबाजियां दिखाईं। इंडियन एयरफोर्स की एयर वॉरियर ड्रिल टीम के 28 मेंबर ने हाथ में राइफल लेकर म्यूजिक पर परफॉर्मेंस दी।

आरपीएससी ने जालसाजी पर लगाम के लिए वन टाइम रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया में बदलाव किया

अब वन टाइम रजिस्ट्रेशन के दौरान अभ्यर्थी को वेब केम के माध्यम से लाइव फोटो भी कैप्चर करनी होगी

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा परीक्षाओं में जालसाजी व फोटों टेंपरिंग कर आवेदन करने वाले व्यक्तियों पर लगाम के लिए वन टाइम रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया में बड़ा बदलाव किया गया है। अब वन टाइम रजिस्ट्रेशन के दौरान अभ्यर्थी को वेब केम के माध्यम से लाइव फोटो भी कैप्चर करनी होगी, जिन अभ्यर्थियों द्वारा पूर्व में वन टाइम रजिस्ट्रेशन में लाइव फोटो कैप्चर करवा रखी है, वे अभ्यर्थी भी पूर्व की फोटो अस्पष्ट होने की स्थिति में ओटीआर में लाइव फोटो कैप्चर करवा सकते हैं। उनके लिए ये अवसर एक बार ही उपलब्ध होगा। आयोग की इस कार्यवाही से डमी अभ्यर्थियों पर लगाम के साथ ही आवेदन के दौरान गलत फोटों अपलोड होने का बहाना देने वाले अभ्यर्थियों की भी प्रभावी रोकथाम सुनिश्चित हो सकेगी। संशय की स्थिति में आयोग द्वारा परीक्षा दौरान की गई वीडियोग्राफी में उपस्थित अभ्यर्थी का मिलान ओटीआर में कैप्चर की गई फोटो से किया जा सकेगा। आयोग इस हेतु आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भी इस्तेमाल करेगा।

- **जिन अभ्यर्थियों द्वारा पूर्व में वन टाइम रजिस्ट्रेशन में लाइव फोटो कैप्चर करवा रखी है, वे अभ्यर्थी भी पूर्व की फोटो अस्पष्ट होने की स्थिति में ओटीआर में लाइव फोटो कैप्चर करवा सकेंगे**

लाइव फोटो कैप्चर की प्रक्रिया :-अभ्यर्थी को अपने ओटीआर में ओटीआर ईकेवाईसी सेक्शन में जाकर लाइव फोटो कैप्चर लिंक पर क्लिक कर 5 सेकंड के टाइमर के बाद अपनी पलक दो-तीन बार झपकानी होगी। यदि फोटो बंद आंखों के साथ कैप्चर हो तो फोटो पुनः कैप्चर करनी होगी। फोटो कैप्चर करते समय अभ्यर्थी को सीधा कैमरे की तरफ देखना होगा। यदि अभ्यर्थी चश्में का इस्तेमाल करता है तो फोटो चश्में के साथ ही कैप्चर करानी होगी। इसमें यह विशेष ध्यान रखा जाना होगा कि चश्में के ग्लास पर रोशनी के प्रतिबिंब के कारण फोटो अस्पष्ट अथवा चमक के साथ कैप्चर न हो। फोटो कैप्चर के दौरान अभ्यर्थी को यह सुनिश्चित करना होगा कि फोटो साफ तथा सुस्पष्ट बैकग्राउंड के साथ हो। धुंधली अथवा अंधकारमय फोटो मान्य नहीं होगी। स्पष्ट फोटो कैप्चर होने तक अभ्यर्थी बार-बार सुस्पष्ट फोटो कैप्चर का प्रयास कर सकते हैं, किंतु एक बार ओटीपी के माध्यम से वेरिफिकेशन पश्चात फाइनल सब्मिट किये जाने के उपरांत इस सबंध में अवसर देय नहीं होगा। इसके बाद अभ्यर्थी द्वारा संबंधित चैक बाक्स में सही का निशान दर्ज कर यह प्रमाणित किया जाएगा कि "मैने उपरोक्त सारे दिशा-निर्देश पढ़ लिए हैं एवं मुझे ज्ञात है कि आवेदन-पत्र एवं प्रवेश-पत्र पर इसी फोटो का प्रयोग किया जाएगा। फोटो के साफ एवं स्पष्ट न होने के कारण यदि मेरी पहचान सुनिश्चित नहीं हो पाती है तो मुझे परीक्षा से वंचित किया जा सकता है। बिना पर्याप्त रोशनी, अस्पष्ट, धुंधली, बंद आंख अथवा आड़ी-तिरछी फोटो होने पर मेरा आवेदन निरस्त किया जा सकता है, जिसकी समस्त जिम्मेदारी मेरी स्वयं की होगी।"

यह उल्लेखनीय है कि ऑनलाइन आवेदन करने वाले अभ्यर्थी के मोबाइल नंबर पर प्राप्त ओटीपी को दर्ज करने पर ही ऑनलाइन आवेदन फाइनल सब्मिट होता है।

राशिफल रविवार 8 सितम्बर, 2024

पंडित अनिल शर्मा

मार्गशीर्ष मास, शुक्ल पक्ष, पंचमी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2081, स्वाती नक्षत्र दिन 3:31 तक, ऐन्द्रयन योग रात्रि 12:05 तक, बव करण प्रातः 6:48 तक, चन्द्रमा आज तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-तुला, मंगल-मिथुन, बुध-सिंह, गुरू-वृष, शुक्र-कन्या, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज रवियोग दिन 3:31 से आरम्भ होगा। आज ऋषि पंचमी, भाई पांच, जैन संवत्सरी (पंचमी व्रत), रक्षा पंचमी, गुरू पंचमी है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 7:46 से 9:19 तक, लाभ-अमृत 9:19 से 12:25 तक, शुभ 1:57 से 3:30 तक।

राहूकालः 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 6:13, सूर्यास्त 6:36

मेष
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

वृष
मित्रों/रिश्तेदारों से चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है। स्वास्थ्य में सुधार होगा। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा।

मिथुन
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

कर्क
घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। आवश्यक कार्यों के लिए जाना पड़ सकता है।

सिंह
आज नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। मित्रों के साथ मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

कन्या
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। आवश्यक कार्यों के लिए बाहर जा सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

तुला
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। मनोरंजन पर धन खर्च हो सकता है।

वृश्चिक
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात वर्तमान में चल रही परेशानियां दूर होने लगेगी।

धनु
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

मकर
अपने आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

कुंभ
आज धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। शुभ-मांगलिक कार्य में भाग ले सकते हैं। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। घर-परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मीन
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

जयपुर की विरासत के संरक्षण के साथ विकास कार्य हो : दिया कुमारी

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में जयपुर में आने वाले पर्यटकों के प्रवास को और अधिक खुशनुमा और सुविधा पूर्ण बनाने के लिए यहां की विरासत को कायम रखते हुए विकास कार्यों को किये जाने और

- चारदीवारी में बेतरतीब यातायात पर चिंता जताते हुए कहा कि इसके लिये आवश्यक उपाय किये जायें
- 'विरासत संग्रहालय (राजस्थान स्कूल ऑफ आर्ट) को इस तरह विकसित किया जाए जिससे कि यहां पर कलाकार और शिल्पी अपनी कलाओं का प्रदर्शन कर सके और वे अपने उत्पादों का विक्रय भी कर सके'

पर्यटकों को होने वाली असुविधाओं के निराकरण के सम्बन्ध में शनिवार को सचिवालय में बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रमुख सचिव नगरीय विकास वैभव गालरिया, मुख्य वन्य जीव प्रतिपालक पवन कुमार उपाध्याय, शासन सचिव पर्यटन रवि जैन, जेडीसी आनंदी, जयपुर जिला कलेक्टर जितेन्द्र कुमार सोनी, नगर निगम हेरिटेज के आयुक्त अभिषेक सुराणा और पुलिस अतिरिक्त उपायुक्त यातायात सागर, अतिरिक्त निदेशक पर्यटन राकेश शर्मा, उपनिदेशक पर्यटन उपेन्द्र सिंह शेखावत उपस्थित रहे।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में जयपुर में आने वाले पर्यटकों पर्यटकों को होने वाली असुविधाओं के निराकरण के सम्बन्ध में शनिवार को सचिवालय में बैठक आयोजित की गई।

उपमुख्यमंत्री ने बताया कि जयपुर में बड़ी संख्या में पर्यटकों का आगमन होता है। यहाँ आने वाले पर्यटकों को लिए बेहतर सुविधायें विकसित हो इसके लिए कार्य किया जाना है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने बजट में चार दिवारी शहर के हेरिटेज संरक्षण और विकास के लिए 100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। उन्होंने कहा कि शहर में कई स्थानों पर कचरा पांइट बने हुए हैं जहां पर गंदगी देखने में आती है, इन कचरा प्लाइंट का समाधान किया जाना चाहिए। शहर की क्षतिग्रस्त लाइटों की मरम्मत की जाए। इसके साथ ही हेरिटेज शैली से भवनों एवं बाजारों में की गई रौशनी (इल्युमिनेशन) मरम्मत और उनका सुचारू रूप से संचालन सुनिश्चित हो। डस्टबिन लगाने का कार्य किया जाए एवं शहर का विरुपन करने वाले पोस्टर बैनर हटाये जाए। उपमुख्यमंत्री ने चारदीवारी में बे-तरतीब यातायात को एक बड़ी चिंता का विषय बताते हुए इसके समाधान पर चर्चा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि यातायात को सुगम बनाने के उपाय किए जाए। कुछ पार्किंग पाइंट निर्धारित कर वहां नियमित पार्किंग सुनिश्चित हो। रामबाग में बनी पार्किंग में व्यापारी और आगन्तुक दोनों ही वाहन पार्क कर परकोटे के यातायात को सुव्यवस्थित बनाने में सहयोग प्रदान करें। इस हेतु आवश्यक उपाय किए जाए। उन्होंने अधिकारियों को परकोटे में इलेट्रिक बसें चलाने तथा ई-रिक्शा को भी योजनागत व्यवस्थित रूप से संचालित किये जाने के निर्देश दिए।

उपमुख्यमंत्री ने कहा क परकोटा के हेरिटेज का मूल गुलाबी रंग कायम रहे। अस्त-व्यस्त तरह से लटके हुए कैबल्स वायर्स शहर की खूबसूरती को खराब कर रहे हैं, इन्हें हटाया जाए। उन्होंने कहा कि पूरे चारदीवारी क्षेत्र में विद्युतीकरण भूमिगत किया जाए अथवा एकीकृत भूमिगत लाइन विकसित की जाए, जिससे इस समस्या का स्थाई समाधान सुनिश्चित हो सके।

दिया कुमारी ने कहा कि विरासत संग्रहालय (राजस्थान स्कूल ऑफ आर्ट) को इस तरह विकसित किया जाए जिससे कि यहां पर कलाकार और शिल्पी अपनी कलाओं का प्रदर्शन कर सके और वे अपने उत्पादों का विक्रय भी कर सके।

बैठक में जल महल की पाल के सौंदर्यकरण, मानसागर झील में वाटर लेजेर शो तथा वहां बोटिंग की संभावनाओं पर चर्चा की गई। साथ ही आमेर मावठा पार्किंग समस्या के निराकरण पर भी चर्चा की गई।

विद्या संबल योजना में लगे शिक्षक को हटाने पर रोक

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने विद्या संबल योजना के तहत गेस्ट फैकल्टी के तौर पर लगे व्याख्याता को हटाने पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में उच्च शिक्षा सचिव और कॉलेज शिक्षा आयुक्त सहित अन्य से जवाब तलब किया है। जस्टिस महेन्द्र गोयल की एकलपीठ ने यह आदेश अमित यादव की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने इन अधिकारियों से पूछा है कि याचिकाकर्ता का चयन करने के बाद उसे बिना सुनवाई का मौका दिए हटाया क्यों जा रहा है।

याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता का विद्या संबल योजना के तहत सीकर की राजकीय कला महाविद्यालय में व्याख्याता के तौर पर चयन हुआ था। राज्य सरकार के आदेश की पालना में उसने गत 8 जुलाई को कार्यग्रहण भी कर लिया। वहीं 15 जुलाई को राज्य सरकार ने एक आदेश जारी कर कहा कि ओपीजेएस विवि से डिग्री लेने वाले अभ्यर्थियों को अध्यापन कार्य के लिए आमंत्रित नहीं किया जाए और जो अभ्यर्थी कार्य ग्रहण कर चुके हैं, उन्हें सेवा से हटाया जाए। याचिकाकर्ता की ओपीजेएस विवि से पीएचडी की डिग्री होने के कारण उसे सेवा से हटा दिया गया। याचिका में कहा गया कि उसने इस विश्वविद्यालय से पूरा अध्ययन कर डिग्री ली है। इसके अलावा उसे सेवा से हटाने से पहले न तो नोटिस दिया गया और ना ही उसका पक्ष सुना गया। ऐसे में राज्य सरकार का यह आदेश अवैध है। इसलिए इस आदेश को रद्द करते हुए याचिकाकर्ता को सेवा में बनाए रखा जाए।

माता-पिता को मान-सम्मान देकर बाल गणेश बने प्रथम पूज्य : मदन राठौड़

गणेश चतुर्थी पर सिविल लाइंस के अजमेर रोड स्थित द ग्रैंड अनुकंपा के प्रतिष्ठा बैंक्वेट में शनिवार को विशाल गणेशोत्सव-2024 समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान मंच पर राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्रीय प्रचारक निंबाराम मौजूद रहे।

जयपुर । गणेश चतुर्थी पर सिविल लाइंस के अजमेर रोड स्थित द ग्रैंड अनुकंपा के प्रतिष्ठा बैंक्वेट में शनिवार को विशाल गणेशोत्सव-2024 समारोह का आयोजन किया गया। राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे ने समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में प्रथम पूज्य गणपति की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलन कर गणेशोत्सव का श्रीगणेश किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने की और कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्रीय प्रचारक निंबाराम रहे।

मदन राठौड़ ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि आज देवताओं में गणेश प्रथम पूज्य इसलिए है क्योंकि उन्होंने अपने माता-पिता को सम्मान दिया। माता-पिता को अपना संसार मानते हुए उनकी परिक्रमा करने वाले बाल गणेश ने ये सिद्ध कर दिया था कि व्यक्ति के जीवन में जो स्थान माता-पिता का है वो किसी अन्य का नहीं हो सकता। माता-पिता की सेवा, सम्मान और आदर भाव से व्यक्ति अपना बचपन, जवानी एवं बुढ़ापा सुधार सकता है।

गणेशोत्सव में विशिष्ट अतिथि सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा ने स्वागत भाषण के बाद राज्यपाल, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सहित अन्य अतिथियों का साफा, दुपट्टा, माला स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मान किया। अति विशिष्ट अतिथि जेईसीआरसी के उपाध्यक्ष अमित अग्रवाल थे। सिविल लाइंस के सबसे बड़े गणेशोत्सव में चित्रकला प्रतियोगिता ड्रॉइंग ओलम्पियाड के विजेता विद्यार्थियों को स्मृति चिह्न और सम्मान निधि देकर पुरस्कृत किया गया। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने टॉप 9 विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया।

शास्त्रीय संगीत और ओडीसी नृत्य से गुलज़ार हुआ जे.के.के. परिसर

डेल्फीक काउन्सिल ऑफ़ राजस्थान की ओर से जवाहर कला केंद्र में आयोजित किए जा रहे तीन दिवसीय सुर और ताल महोत्सव के दूसरे दिन सौरव वशिष्ठ के शास्त्रीय गायन और ओडीसी नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी।

जयपुर। डेल्फीक काउन्सिल ऑफ़ राजस्थान द्वारा जवाहर कला केंद्र में आयोजित किए जा रहे तीन दिवसीय सुर और ताल महोत्सव की दूसरी संध्या सौरव वशिष्ठ के शास्त्रीय गायन और ओडीसी नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति के नाम रहीं। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र और उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के सहयोग से आयोजित किए जा रहे इस महोत्सव में सुबह के सत्र में प्रसिद्ध फोटोग्राफर शिरीष कराले ने विधार्थिओं को फोटोग्राफी की बारीकीयों से अवगत करवाया जिसमें स्टूडेंट्स को प्रोडक्ट फोटोग्राफी, लाइट्स का प्रयोग, पोटरैट फोटोग्राफी सीखने को मिला।

शाम को रंगायन सभागार में पंडित कुंदनमल शर्मा के शिष्य युवा शास्त्रीय गायक सौरभ वशिष्ठ नें राग हंसध्वनि में विलम्बित रचना विघ्न हरण गज वदन गजानन और द्रुत रचना में लागी लगन सखी पति सन की मनभावन प्रस्तुति दी । अपनी प्रस्तुति में उन्होंने रागदारी, आलाप, तान का अत्यंत सुंदर संयोजन प्रस्तुत किया उनके साथ तानपुरे मेन अजय कुमार, तबले पर मल्हार मुखर्जी, हारमोनियम पर गजेंद्र डांगी जी नें संगत की। कार्यक्रम की दूसरी प्रस्तुति ओडीसी के प्रसिद्ध युवा नृतक कृष्नेन्दु शाह और ग्रुप की रहीं। अपनी प्रस्तुति में उन्होंने भगवान गणेश पर आधारित मंगलाचरण और राग झिझोटी में कृष्ण और भक्त के परस्पर प्रेम को दर्शाया इस नृत्य प्रस्तुति में उनके साथ सृष्टि पांडे, शिविका माथुर, केतिकी मुंद्रा, रुद्राक्षी चतुर्वेदी, सिथू और भोलाक्षिका नें अपने सुन्दर नृत्य संयोजन से दर्शकों को रोमांचित कर दिया।

राजस्थान डेल्फिक काउंसिल की अध्यक्ष श्रेया गुहा ने बताया कि इस प्रकार के आयोजन के ज़रिये डेल्फिक काउंसिल प्रदेश की समृद्ध लोक संगीत एवं कलाओं (शास्त्रीय संगीत, भारतीय फ़िल्म संगीत, लोकप्रिय संगीत, शास्त्रीय नृत्य, लोक नृत्य, समकालीन नृत्य, फोटोग्राफी) के प्रति युवाओं की भागीदारी को बढाने के दिशा में कार्य कर रहीं है , जिसके ज़रिये कला व संस्कृति के प्रदर्शन के लिए युवाओं को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंच प्रदान किया जा रहा है।

राजस्थान विश्वविद्यालय में एडवोकेट राजदीपक रस्तोगी का अभिनंदन

राजस्थान विश्वविद्यालय की अरबों रुपये की भूमि को भू माफियाओं से बचाने के अभियान में अभूतपूर्व योगदान करने वाले अतिरिक्त सोलिसीटर जनरल राजदीपक रस्तोगी का कुलपति अल्पना कटेजा ने उनका अभिनंदन किया।

जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय में इस वर्ष शोध एवं अकादमिक क्षेत्र में उत्कृष्टतम कार्य करने वाले चयनित शिक्षकों को टीचर एक्सीलैंस अवार्ड 23-24 प्रदान करने के लिए आयोजित विशेष समारोह में अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऑफ़ इंडिया राज दीपक रस्तोगी को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। इस कार्यक्रम में रस्तोगी द्वारा एक विधिवेत्ता के रूप में उच्च आदर्शों के साथ समाज के लिए किए गए सराहनीय विशेष कार्यों का विशेष उल्लेख करते हुए उनका भावपूर्ण अभिनंदन किया गया।

राजस्थान विश्वविद्यालय के जन संपर्क अधिकारी डॉ भूपेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि राजस्थान विश्वविद्यालय को इसकी स्थापना और वर्ष 1961 में कुल लगभग 364 एकड़ की विशाल भूमि इसके मुख्य परिसर के लिए, जिसका वर्तमान में बाजार मूल्य अरबो रुपए में है, की वर्षों पूर्व स्वीकृति की घोषणा तो कर दी गई, लेकिन 70 वर्षों की लंबी अवधि के बावजूद भी तत्कालीन विश्वविद्यालय प्रशासन की उदासीनता या अन्य किन्हीं कारणों के चलते इस भूमि का औपचारिक रूप से स्वामित्व प्राप्त नहीं किया जा सका। राजस्व नियमों से जुड़ी इस पेचीदगी का आभास कर एक बड़े भू भाग पर बड़े-बड़े प्रभावशाली भूमाफियाओं ने, इस विश्वविद्यालय से ही जुड़े कुछ शिक्षकों एवं अन्य अशैक्षिणक कर्मियों के प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष सहयोग से इस भूमि पर अनधिकृत रूप से कब्जे करना प्रारंभ कर दिया।

इस भूमि को बचाने के अभियान में एडवोकेट राज दीपक रस्तोगी मानो इस अरबो रुपए मूल्य की पवित्र भूमि को बचाने के संग्राम में सारथी ही बन गए, समय-समय पर इनके द्वारा स्वैच्छिक एवं निशुल्क आधार पर दिया गया विधिक मार्गदर्शन इस कठिन अभियान की सफलता का प्रमुख आधार बना।

अपने उच्च शिक्षण संस्थान रहे, राजस्थान विश्वविद्यालय के लिए उच्च आदर्श के साथ प्रेरणादायी सम्मान रखने वाले पूर्व छात्र राज दीपक रस्तोगी के हाथों से विश्वविद्यालय के उत्कृष्टतम शिक्षकों का सम्मान किए जाने के लिए मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित करने के उत्कृष्ट विचार के लिए कुलपति प्रोफेसर अल्पना कटेजा ने उनका अभिनंदन किया।

नेट-थियेट पर भजन संध्या

जयपुर। नेट-थियेट कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज पधारो बिंदायक कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध भजन गायक आनंद पुरोहित ने अपनी सुरीली आवाज से रिद्धि सिद्धि के दाता गजानंद के भजनों की ऐसी अविरल धारा प्रवाहित की दर्शक गणपति बप्पा की जय जयकार करने लगे।

नेट-थियेट के राजेन्द्र शर्मा राजू ने बताया कि गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर कलाकार आनंद ने अपने कार्यक्रम की शुरूआत रनत भंवर सु आजो, थ रिद्धि सिद्धि का भरतार से की । इसके बाद उन्होंने भजन गणपति पुरण कीजो काज, जो मांगे दाता तुरंत देते हैं, पूर्ण कीजो काज को बडे ही सरीले अंदाज में सुना कर दर्शकों को मंत्र मुग्ध किया। कलाकार आनंद पुरोहित ने अंत में गणपति का सुप्रसिद्ध भजन हे लंबोदर हे गणनायक मूसक विराजे सिद्धि विनायक, आंगन पधारो म्हारे गौरी गजानन, मोदक चढ़ाऊ थारै लाख सवा मन को बड़े ही मनोयोग से गाकर प्रथम पूज्य गणपति को मनाया।

आनंद पुरोहित के साथ कोरस मे लवीना भार्गव, तनु कवर, योगेश शर्मा और मोहित सैनी ने सुरीला साथ निभाया।

इनके साथ तबले पर प्रसिद्ध कलाकार धनंजय डांगी ने अपनी सुरीली संगत से इस संध्या को खुशनुमा बना दिया । गिटार पर आयुष पुरोहित ने अपनी शानदार संगत से दर्शकों की तालियां बटोरी।

अदालती आदेश की पालना नहीं करने पर अफसरों को अवमानना नोटिस

जयपुर। हाईकोर्ट ने अदालती आदेश की पालना नहीं करने पर प्रमुख चिकित्सा सचिव, स्वास्थ्य निदेशक और संयुक्त स्वास्थ्य निदेशक, अजमेर सहित अन्य को अवमानना नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस उमाशंकर व्यास की एकलपीठ ने यह आदेश किरण कुमार बेदी की अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता विजय पाठक ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता ने नर्सिंग ऑफिसर भर्ती-2023 में आवेदन किया था। भर्ती की मेरिट में आने पर विभाग ने उसके दस्तावेजों का सत्यापन भी कर लिया था, लेकिन अनुभव प्रमाण पत्र पर अधिकारियों के काउंटर साइन नहीं होने के कारण उसे चयन सूची में शामिल नहीं किया गया। याचिकाकर्ता ने एफआरएचएस संस्था के जरिए विभाग की परिवार नियोजन स्कीम में काम किया था। इस पर हाईकोर्ट ने गत 6 दिसंबर को विभाग को निर्देश दिए थे कि वह याचिकाकर्ता का अनुभव प्रमाण पत्र बनाए और उसे चयन प्रक्रिया में शामिल करे।

सूचना

हर खासो आम को इत्तिला दी जाती है कि जमवारामगढ़ नव भारत गृह निर्माण सहकारी समिति लि. के द्वारा सृजित योजना 'जय माताजी विहार', जोबनेर जिला जयपुर (राज.) के सम्बन्ध में समिति द्वारा जारी किसी भी आवंटन पत्र पर मेरे मुवक्किल राजेन्द्र कुमार बुनकर ने अपने हस्ताक्षर नहीं किये है। अतः आवंटन पत्रों पर मेरे मुवक्किल के नाम से अंकित हस्ताक्षरों के प्रति मेरे मुवक्किल की कोई जवाबदेही नहीं है।

जयपुर — विनोद कुमार, एडवोकेट
दिनांक-7/9/2024 — मो.-9887069197

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम अभिषेक (Abhishek) से बदलकर अभिषेक ठोलिया (Abhishek Tholia) पुत्र श्री अनूप सिंह ठोलिया रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावे। निवासी 202, सेक्टर 2, विद्याधर नगर, जयपुर-302039

कार्यालय जिला परिवहन अधिकारी सीकर

क्रमांक-1987 — दिनांक-02.09.2024

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि वाहन संख्या RJ23SD9082 जो स्वर्गीय श्री गिरधारी लाल धायल पुत्र श्री मोहनलाल धायल गांव घाटमदासवाली होल्याकाबास श्रीमाधोपुर जिला सीकर के नाम पंजीयन है। की मृत्यु दिनांक 08-11-2021 को होने के कारण उसकी पत्नी संतोष देवी ने वाहन को अपने नाम करवाने हेतु इस कार्यालय में आवेदन किया है। इस संबंध में किसी व्यक्ति संस्थान को कोई आपत्ति हो तो 7 दिवस में इस कार्यालय में सूचित करें।

जिला परिवहन अधिकारी सीकर

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य श्री मोहन सिंह पुत्र स्व0 श्री विशन सिहं उम्र 68 वर्ष, निवासी मकान नम्बर 7, गोवर्धनपूरी, गलता गेट, जयपुर राज. का पुत्र गौरव कुमार सिहं उम्र 38 वर्ष, मेरे अभिभाष्य के कहने मे नही है, ना ही मेरे अभिभाष्य की कोई बात मानता है, जिस कारण मेरा अभिभाष्य यह घोषणा करता है की मेरे अभिभाष्य का उसके पुत्र गौरव कुमार सिहं से किसी भी प्रकार का कोई रिश्ता नाता, सम्बन्ध व सरोकार नही रह गया है, यदि कोई भी व्यक्ति, संस्था, कम्पनी मेरे अभिभाष्य के पुत्र गौरव कुमार सिहं से किसी भी प्रकार का लेन देन, संव्यवहार या कृत्य करती है तो उस लेन देन, संव्यवहार के प्रति किसी भी प्रकार की कोई भी जिम्मेदारी मेरे अभिभाष्य की नही होगी तथा गौरव कुमार सिहं द्वारा किये गये किसी भी संव्यवहार, कृत्य इत्यादी के लिये केवल मात्र गौरव कुमार सिहं एवं सम्बन्धित व्यक्ति, संस्था, कम्पनी इत्यादी स्वयं ही जिम्मेदार होगे। सूचित रहे।

स्थान : जयपुर — (मो. असलम खान, एडवोकेट)
दिनांक : 07/09/2024 — मो. नं.: 9828084992

खोया पाया

मेरे बाबा आर एन गौड़ गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड की प्लॉट संख्या 27-28 इन्द्रा नगर, वाटिका रोड़, कल्लावाला की ओरिजनल रसीद कहीं गुम हो गई है मिलने पर सूचित करें। मीरा देवी 9829430943

मेरे फ्लैट संख्या बी-5/706 कंचनजंगा अपार्टमेंट, इन्दिरा गांधी नगर के पेपर्स अलौटमैंट लैटर, रिवाइज्ड अलौटमैंट लैटर, पजैसन लैटर, नोड्युज लैटर, एकमुश्त लीजमनी जमा रसीद कहीं गिर गये हैं। किसी को मिले तो इस पते पर भेजें। वैभव अग्रवाल, सी-27 बापू नगर जयपुर- 8949744054

पटेल नगर गृह निर्माण सहकारी समिति लि.से जारी हुआ मकान न. डी- 11, स्कीम इंद्रप्रस्थ विहार, ग्राम-मानपुरा नागलिया, टोंक रोड, सांगानेर, जयपुर के मूल कागजात, पट्टा, रसीद कही खो गए है मिलने पर सूचित करे- सुनील कुमार गुप्ता पुत्र श्री एस. एन गुप्ता- 9829064884

कलेक्टर ने हिंगोनिया गौशाला का निरीक्षण किया

जयपुर। जिला कलेक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी बेजुबानों को लेकर भी संवेदनशील हैं। जिला कलेक्टर ने शनिवार को बस्सी स्थित हिंगोनिया गौशाला का निरीक्षण किया। इस दौरान जिला कलेक्टर ने गौशाला में गोवंश के लिए चारे, पानी, रखरखाव सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

जिला कलेक्टर ने नंदीशाला, नेपियर घास की खेती, बायोगैस प्लांट, पशु चिकित्सालय एवं पशु आईसीयू वार्ड का भी जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने घायल गौवंश की बेहतर देखभाल करने एवं बाड़ों में पंखे लगाने के लिए निर्देशित किया साथ ही बारिश के मौसम में गौवंश को परेशानी ना हो इसके लिए टीनशेड एवं बाड़ों गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए भी निर्देशित किया। इस दौरान जिला कलेक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने गाय के बछड़े को अपने हाथों से दूध पिलाया। साथ ही एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत गौशाला में पौधारोपण भी किया।

नम्बर मिलाइए
9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

प्रो-एक्टिव अप्रोच के साथ आयुष्मान राजस्थान का संकल्प साकार करें : गायत्री राठौड़

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने कहा कि चिकित्सा तंत्र को मजबूत बनाना एवं आमजन को सुगमता के साथ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके दृष्टिगत विभाग के सभी अधिकारी एवं कार्मिक टीम भावना और प्रो-एक्टिव अप्रोच के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए आयुष्मान राजस्थान के संकल्प को साकार करें।

- प्रमुख शासन सचिव ने मुख्यमंत्री निशुल्क दवा एवं जांच योजना की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि दवा आपूर्ति तंत्र को सुदृढ बनाने के लिए ई-औषधि सॉफ्टवेयर पर रियल टाइम मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए

राठौड़ कार्यभार संभालने के बाद शनिवार को स्वास्थ्य भवन में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि सभी चिकित्सा संस्थानों में जांच, दवा एवं उपचार सेवाएं और बेहतर करने के लिए तकनीकी नवाचारों को अपनाया जाए। साथ ही, विभाग के विभिन्न अनुभागों के बीच समुचित समन्वय रहे।

राठौड़ ने कहा कि राज्य सरकार की प्रतिबद्धता के अनुरूप बजट घोषणाओं को समय पर पूरा करने के लिए प्रभावी एक्शन प्लान बनाएं। हर घोषणा की एक टाइम लाइन निर्धारित करें और उसके अनुसार कार्य योजना को अंजाम दें। इसमें अनावश्यक विलंब नहीं हो। उन्होंने कहा लेखा शाखा के सभी अधिकारी वित्त विभाग से समन्वय कर आवश्यक स्वीकृतियां प्राप्त करने में सहयोग करें।

प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए मानव संसाधन की उपलब्धता अति आवश्यक है। इसे ध्यान में रखते हुए भर्ती प्रक्रिया को गति दी जाए। विभिन्न भर्ती एजेंसी तय समय सीमा में भर्तियों के काम को पूरा करें, ताकि रिक्त पदों को जल्द से जल्द भरकर क्वालिटी सर्विसेज उपलब्ध करवाने में आसानी हो और प्रदेश के युवाओं को रोजगार के अधिकाधिक अवसर मिल सकें। उन्होंने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की राइजिंग राजस्थान से संबंधित गतिविधियों के लिए आरएमएससीएल की प्रबंध निदेशक श्रीमती नेहा गिरि को नोडल अधिकारी नियुक्त किया।

प्रमुख शासन सचिव ने मुख्यमंत्री निशुल्क दवा एवं जांच योजना की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि दवा आपूर्ति तंत्र को सुदृढ बनाने के लिए ई औषधि सॉफ्टवेयर पर रियल टाइम मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। साथ ही, दवा खरीद एवं आपूर्ति निर्धारित गाइडलाइन के अनुसार की जाए। उन्होंने मुख्यमंत्री निशुल्क दवा योजना में देशभर प्रथम स्थान पर रहने पर आरएमएससीएल को बधाई दी और आगे भी इसे बरकरार रखने के निर्देश दिए।

D.N 1018/05/09/24

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)

व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) **वाद सं. 75/24**

विषय- उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना पत्र।

प्रार्थी-नाम जोगेन्द्र तनेजा पुत्र लक्ष्मण दास जाति तनेजा
विवाद स्थान 284/5, राजापार्क, जयपुर
नाबालिग खनक तनेजा की सम्पत्ति के विषय में।

पेशी दिनांक - 23-09-2024

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, उपरोक्त प्रार्थी/ प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि नाम खनक तनेजा पुत्र मनीष तनेजा जाति पंजाबी निवासी 284/5, राजापार्क, जयपुर का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, प्रदान किया जावे।

अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 23 माह 09 सन् 2024 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

आज दिनांक 05 माह 09 सन् 2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।

आज्ञा से
शिरस्तेदार
अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश संख्या 10, जयपुर महानगर प्रथम मुख्यालय सांगानेर

मुहर

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)

व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. 316/24
विषय- उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।
प्रार्थी नाम श्रीमती ममता शर्मा पत्नी स्व.श्री सुशील कुमार शर्मा जाति ब्राह्मण
विवाद स्थान-R/o 86, शिव नगर प्रथम मुरलीपुरा स्कीम सीकर रोड जयपुर
मृतक सुशील कुमार शर्मा की सम्पत्ति के विषय में।
पेशी दिनांक- 18.10.24

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम सुशील कुमार शर्मा पुत्र स्व.श्री मदनलाल शर्मा जाति ब्राह्मण निवासी प्लाट नं.86, शिव नगर प्रथम मुरलीपुरा स्कीम सीकर रोड जयपुर का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, प्रदान किया जावें।

अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 18 माह 10 सन् 2024 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

आज दिनांक 4 माह 9 सन् 2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।

आज्ञा से-वरिष्ठ मुंसरिम
जिला एवं सैशन न्यायालय
जयपुर महानगर-द्वितीय

मोहर अदालत

बीसलपुर बांध में पानी की आवक जारी, छह गेट खोले

बांध के कैचमेंट एरिया में हो रही लगातार बारिश के कारण बनास नदी में पानी की आवक तेजी से बढ़ रही है

देवली/टोंक, (निसं)। जयपुर, अजमेर और टोंक की लाइफ लाइन बीसलपुर बांध में पानी की आवक जारी है। बीसलपुर बांध में पानी का स्तर लगातार बढ़ रहा है। शनिवार को बीसलपुर बांध के 6 गेट 2-2 मीटर तक खोलकर 72120 क्यूसेक पानी बनास नदी में छोड़ा गया, लेकिन रात्रि 8:30 बजे बांध में पानी की आवक की गति धीमी हो जाने के कारण चार गेटों की ऊंचाई को घटाकर एक-एक मीटर कर दिया है जिससे कि रात्रि 8:30 बजे 45255 क्यूसेक पानी छोड़ना शुरू कर दिया है।

- **त्रिवेणी पुलिया पर बनास नदी का गेज चार मीटर चल रहा है, पीपलू उपखंड क्षेत्र में लगातार बारिश के चलते नदी, नाले एक बार फिर उफान पर**
- **शनिवार को बीसलपुर बांध के 6 गेट 2-2 मीटर तक खोलकर 72120 क्यूसेक पानी बनास नदी में छोड़ा गया**

बीसलपुर बांध में पानी की आवक जारी रहने से शनिवार सुबह छह गेट खोले।

बीसलपुर परियोजना निर्माण खंड तृतीय के अधिशासी अभियंता मनीष बंसल ने बताया कि शुक्रवार को बीसलपुर बांध में भराव क्षमता तक पानी की आवक हो जाने के बाद बीसलपुर बांध के चार गेट खोलकर 54090 क्यूसेक पानी टोंक की ओर बनास नदी में छोड़ गया था। ऐसे में शनिवार को भी त्रिवेणी का गेज चार मीटर पर बना रहा। जिससे बीसलपुर बांध में लगातार पानी की अच्छी आवक होने के कारण शनिवार को बीसलपुर बांध के छह गेट दो-दो मीटर तक खोलकर 72120 क्यूसेक पानी बनास नदी में छोड़ा गया। शनिवार को बीसलपुर बांध के गेट संख्या 9,10 को दो दो मीटर और 11, 12 इन सभी को दो-दो मीटर तक खोलकर प्रत्येक गेट से 12020 क्यूसेक पानी की निकासी करवाई गई है। बाकी गेट 7,8,11,12 को एक-एक मीटर कर दिया गया है। परियोजना के अधिकारी बंसल ने यह भी बताया कि ऊपरी माल पर अच्छी बारिश की संभावना अभी बनी हुई है। ऐसे में बांध में पानी की आवक हो रही है।

इसी प्रकार पीपलू उपखंड क्षेत्र में लगातार बारिश के चलते नदी, नाले एक बार फिर उफान पर आ गए। कस्बे से नाथड़ी रपट के ऊपर से शुक्रवार देर रात पानी बहने लगा। शनिवार सुबह पानी का बहाव तेज में लोग जोखिम लेकर पार करते नजर आए। इसकी सूचना मिलने पर पीपलू थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों तरफ अवरोधक लगाकर रास्ता बंद किया। दोपहर तक पानी कम होने पर कुछ देर आवागमन चला।

उदयपुर का फतहसागर छलका, चारों गेट छह-छह इंच खोले

जिला कलेक्टर ने पूजा-अर्चना कर फतहसागर के गेट खोले, सीसारमा नदी आज भी चार फीट के वेग से बह रही है

उदयपुर, (कासं)। शहर की हार्टबिट फतहसागर झील शनिवार दोपहर को छलक गई। इसके छलकने की खुशी में सैकड़ों की संख्या में लोग चादर देखने स्थल पर पहुंचे। इधर शहर में सुबह उमस के बाद दोपहर में बारिश हुई। तापमान दो डिग्री और चढ़कर 32.2 डिग्री पर जा पहुंचा। वहीं शाम पांच बजे तक उदयपुर शहर में 2 मिमी, उदयसागर 28 मिमी, वल्लभनगर में 22 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। शेष जिले में कहीं बारिश के समाचार नहीं मिले है। इधर, सीसारमा नदी आज भी चार फीट के वेग से बह रही है। स्वरूपसागर के चारों गेट और कम होकर अब छह-छह इंच खुले हुए है। वहीं फतहसागर झील के 13 फीट क्षमता पार करने के बाद इसके चारों गेट भी 6-6 इंच खोल दिए गए। आयड़ नदी में प्रवाहित होकर यह पानी उदयसागर जा रहा है। उदयसागर झील में लगातार आवक को देखते हुए चौथे दिन भी उसके दोनों गेट सात-सात फीट खुले रहे। 24 अगस्त से शुरू हुई बारिश ने शहर की सभी झीलों को लबालब कर दिया है।

- **13 दिन में झीलों की स्थिति बदली, सभी लबालब**

उदयपुर की फतहसागर झील छलकने पर इसके चारों गेट 6-6 इंच खोल दिए गए।

शनिवार को गणेश चतुर्थी के सुअवसर पर जिला कलेक्टर अरविन्द पोसवाल ने सैंकड़ों शहरवासियों की उपस्थिति में पूजा-अर्चना कर फतेहसागर के गेट खोले। इसके साथ ही समूचा उदयपुर खुशी से झूम उठा। उदयपुर में गत दिनों हुई लगातार बारिश से झीलों में तेजी से पानी की आवक हो रही है। गत दिनों पिछोला झील के लबालब होने पर स्वरूपसागर के गेट खोले गए थे। इससे फतहसागर का जलस्तर लगातार बढ़ रहा था। शनिवार को फतहसागर का जलस्तर 13 फीट होने के बाद दोपहर 1 बजे गेट खोलने की घोषणा की गई। दोपहर ठीक एक बजे आमजन को अलर्ट करने के लिए सायरन बजाया गया। इसके साथ ही सुरक्षाकर्मियों ने डाउन स्ट्रीम का जायजा लिया, ताकि पानी के बहाव से जनहानि नहीं हो।

इसके पश्चात जिला कलक्टर अरविन्द पोसवाल, उदयपुर विकास प्राधिकरण के आयुक्त राहुल जैन, अतिरिक्त मुख्य अभियंता संजीव शर्मा आदि ने विधिवत पूजा अर्चना की। जिला कलेक्टर ने श्रीफल वधेर कर जल देवता को पुष्प अर्पित किए। इसके पश्चात एक-एक करके फतेहसागर के 4 गेट 6-6 इंच क्षमता में खोले गए। गेट खुलने के साथ ही रपट पर जलराशि बहना शुरू हो गई। यह देखकर लोगों का उत्साह दुगुना हो गया। आमजन व पर्यटकों ने जयकारे लगाकर स्वागत किया। वीकेण्ड पर गेट खुलने से पाल पर देर रात तक लोगों का जमघट लगा रहा। लोगों ने सेल्फी लेकर तथा रिल्स बनाकर वीकेंड इंजॉय किया।

गायत्री परिवार भारत को एकजुट करने के लिए काम कर रहा है : ओम बिरला

हरिद्वार/नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शनिवार को देव संस्कृति विश्वविद्यालय, हरिद्वार में आयोजित "कलश यात्रा" का उद्घाटन किया। आध्यात्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण इस आयोजन में शामिल होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बिरला ने गायत्री परिवार और देव संस्कृति विश्वविद्यालय द्वारा शांति कुंज और देवभूमि उत्तराखंड को आध्यात्मिकता का एक प्रमुख केंद्र बनाने के लिए किए जा रहे अथक प्रयासों की सराहना की। बिरला ने गायत्री परिवार के साथ लंबे समय से अपने जुड़ाव का उल्लेख भी किया।

- **लोकसभा अध्यक्ष ने देव संस्कृति विश्वविद्यालय, हरिद्वार में कलश यात्रा का उद्घाटन किया**
- **'गहन सांस्कृतिक जागृति से और अपनी समृद्ध विरासत को समझने से ही देश की प्रगति होगी'**

कार्यक्रम को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने संबोधित किया।

इस अवसर पर पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य और माता भगवती देवी को नमन करते हुए बिरला ने कहा कि उन्होंने आजीवन कलियुग के बीच एक नया सत्य युग लाने के लिए कार्य किया। संगठन की शुरुआत के दिनों का स्मरण करते हुए बिरला ने बताया कि पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य और माता भगवती देवी के अटल संकल्प से गायत्री परिवार एक ऐसे केंद्र के रूप में विकसित हुआ जिससे लाखों लोगों के जीवन में एक नई ऊर्जा का संचार हुआ। उन्होंने ज्ञान का प्रचार-प्रसार करने और राष्ट्र को जागृत करने के यात्रा के मिशन की सराहना की। राष्ट्र निर्माण में गायत्री परिवार की भूमिका का उल्लेख करते हुए बिरला ने इस बात पर जोर दिया कि ऐसे समय में जब भारत में कुछ ताकतें, खासकर आदिवासी बहुल क्षेत्रों में, एकता को तोड़ने की कोशिश कर रही हैं, वहीं गायत्री परिवार भारत को एकजुट करने के लिए काम कर रहा है।

बिरला ने जन जागरण की दिशा में कलश यात्रा के महत्व पर भी जोर दिया और सभी से आग्रह किया कि वे इस यात्रा से अपने मन और चेतना को आलोकित करते हुए पूरे देश में ज्ञान और प्रज्ञा का प्रसार करने का संकल्प लें। बिरला ने पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य के जीवन और कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि सामाजिक सक्रियता के साथ ही उन्होंने भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में भी महत्वपूर्ण योगदान किया। अध्यक्ष ने यह भी कहा कि गहन सांस्कृतिक जागृति से और अपनी समृद्ध विरासत को समझने से ही देश की प्रगति होगी और इस तरह की जागरूकता और ज्ञान को बढ़ावा देने के लिए पंडित श्रीराम शर्मा की कृतियों की सराहना की। अपने संबोधन के अंत में बिरला ने आशा व्यक्त की कि यह कलश यात्रा पूरे देश में सांस्कृतिक और आध्यात्मिक जागृति लाने के एक शक्तिशाली माध्यम के साथ ही एकता का प्रतीक भी होगी। उन्होंने दीप से दीप जलाने, पूरे देश में प्रगति, समृद्धि और शांति का प्रकाश फैलाने तथा विकसित भारत के सपने को साकार करने की दिशा में सामूहिक प्रयास करने के महत्व पर बल दिया।

हिंडौन में दो दिन से बारिश का दौर जारी

हिंडौन सिटी, (निसं)। हिंडौन सिटी में शनिवार को मेघ जमकर मेहरबान हुए। इस दौरान शुक्रवार रात से शनिवार सुबह छह बजे तक 44 एमएम बारिश दर्ज हुई। इसके बाद शहर के कई हिस्सों व मुख्य बाजारों में फिर जलभराव हो गया। इधर मनीराम पार्क, जिला अस्पताल, शीतला कॉलोनी, डेम्प रोड क्षेत्र में दोपहर के वक्त सड़कों से जलस्तर घटने लगा, जिसके बाद दोपहर करीब एक बजे फिर झमाझम बारिश शुरू हुई। जिसमें शाम चार बजे तक 28 एमएम बारिश हुई, जिसके बाद सड़कों पर फिर जलभराव हो गया।

स्कूली बच्चे, महिलाओं व मरीजो को जिला अस्पताल के पास चौराहे पर पानी भरे रास्तों से गुजरना पड़ा। इधर क्षेत्र के अटकोली गांव में शुक्रवार रात करीब 7.30 बजे आकाशीय बिजली गिरने से दो महिलाएं झुलस गई। दो भैंस की आकाशीय बिजली से मौत हो गई। महिला की स्थिति सामान्य है। एक महिला जिला अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती है। हिंडौन-बयाना मार्ग पर बाजना रोड के मोड़ पर जलभराव से दुपहिया वाहन व ऑटो वाहनों का आवागमन बंद है। हिंडौन में तेज गर्जनाओं के साथ बारिश हुई। बारिश के बाद भी घने बादल छाए हुए है।

'सचिन पायलट का संघर्षसील व्यक्तिव कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार करता है'

पूर्व विधायक सुचित्रा आर्य ने सचिन पायलट के जन्मदिन पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया।

नोहर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी महासचिव एवं कांग्रेस वर्किंग कमेटी सदस्य सचिन पायलट के 47 वें जन्मदिन पर नोहर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम ललाना, फेफाना, सुरपूरा, दलपतपुरा, पल्लू, बीसरासर, केलनिया एवं अन्य पंचायत मुख्यालयों पर गौमाता स्वामी के नाम से कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमें गायों को दलीया, गुड़ एवं हरा चारा डाल कर गौसेवा कर पायलट के दीर्घायु एवं खुशहाल जीवन की कामना की गई पूर्व विधायक सुचित्रा आर्य ने इस अवसर पर कहा कि सचिन पायलट हिन्दूस्तान के लोकप्रिय नेताओं में से एक है उनका संघर्षसील व्यक्तिव पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार करता है। पायलट ने मुद्दों एवं सिद्धांतों की राजनीति के बल पर लीक से हटकर अलग ही अपना राजनैतिक आभामंडल विकसित किया है जो अपने आप में अद्वितीय है। उन्होंने सकारत्मक राजनैतिक दृष्टीकोण से प्रदेश की राजनीति में एक लम्बी लकीर खींची है जो अन्य नेताओं से अलग ही असाधारण प्रतिभा को दर्शाती है।

- **सचिन पायलट के 47 वें जन्मदिन पर नोहर में गौमाता स्वामी के नाम से कार्यक्रम आयोजित**

आर्य ने पूर्व की राजनैतिक घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा पायलट के विचारों में व्यक्तिगत लांछन एवं नकरात्मक टिक्का टिप्पणी को कोई स्थान नहीं है जिसका फायदा केवल कांग्रेस पार्टी को ही नहीं बल्कि बेहतर समाज निर्माण में भी होगा। पायलट का व्यक्तित्व जनसेवा के मार्ग पर चल रहे प्रदेश के लाखों युवाओं को बेहतर राजनैतिक शुचिता के लिए प्रेरित करता है। पूर्व विधायक आर्य के निवास स्थान पर केक काटकर पायलट को जन्मदिन की बधाई दी गई। इस दौरान कृष्ण महिया, नथूराम नैन, मांगेराम बेनीवाल, बेनीवाल कृष्ण सहारण, रवि शर्मा, जगदीश मेघवाल, हरिसिंह ऐचरा, बनवारी सहू, आदराम भाम्भू, मोहन सुथार, संतलाल सहू, कृष्ण बैरड़, गोपाल सहारन, गूगन सिहाग, फूलाराम सिहाग, बलवंत शीला, वेद तिवाड़ी सहित कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रोडवेज की बस असंतुलित होकर खड्डे में पलटी

46 सवारियों में से 5-7 सवारियों को मामूली चोटें आई

सादुलपुर, (निसं)। राजगढ़-सिद्धमुख-भादरा सड़क मार्ग पर गांव चैनपुरा छोटा के पास शनिवार दोपहर में श्री गंगानगर से चिड़ावा के लिए राजगढ़ की ओर जा रही एक राजस्थान रोडवेज की बस संतुलन बिगड़ने से पलट गई। बस में सवार 46 सवारियों में से 5-7 सवारियों को मामूली चोटें आई हैं। घटना के बाद दूसरी बस से यात्रियों को रवाना किया गया।

- **गनीमन रही कि बस 11 हजार केवी के पोल से टकराती हुई बच गई**

पलटी हुई राजस्थान रोडवेज बस को क्रेन की सहायता से हटवाया।

बस चालक रामजीलाल व परिचालक प्रदीप जाट ने बताया कि वे सुबह आठ बजे हनुमानगढ़ डिपो की बस लेकर श्री गंगानगर से चिड़ावा रवाना हुए थे, जैसे ही चैनपुरा छोटा से 100 मीटर आगे निकले तभी एक बाइक सवार युवक बस के आगे आ गया तथा बस को रोकने का प्रयास किया। तभी बस असंतुलित होकर खड्डे में गिर कर पलट गई, लेकिन गनीमन ये रही कि बस11 हजार केवी के पोल से टकराती हुई बच गई, अन्यथा बड़ी जनहानि हो सकती थी। बस में सवार 5-7 सवारियों को मामूली चोटें आई हैं। वहीं घटना की सूचना पर मौके पर आसपास के ग्रामीण एवं सिद्धमुख थाना पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों को सरकारी अस्पताल राजगढ़ ले जाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद यात्रियों को छुट्टी दे दी गई।

घटना की मिली सूचना पर सिद्धमुख थाने के एएसआई रामनारायण मीणा मय पुलिस जाब्ते के मौके पर पहुंचे तथा घटना की जानकारी लेकर घायलों की स्वास्थ्य की जानकारी ली। एएसआई रामनारायण मीणा ने बताया कि राजस्थान रोडवेज के बस में सवार 5-7 सवारियों को मामूली चोटें आई, जिनकों वाहनों के द्वारा राजगढ़ भेज दिया गया है तथा मौके पर क्रेन का बुलाकर बस को खड़ा करवाया गया तथा बस चालक रामजीलाल पुत्र सांवरमल निवासी सिंगनौर तहसील उदयपुरवाटी जिला झुन्झुनूं व परिचालक प्रदीप पुत्र मोहन सिंह जाट निवासी ईश्वरपुरा पुलिस थाना धनूरी जिला झुन्झुनूं को अपने गंतव्य स्थान के लिए रवाना कर दिया है।

भवानीमंडी में चार इंच बारिश

भवानीमंडी, (निसं)। इस बार इंद्रदेव पूरी तरह से मेहरबान है। शनिवार को दिन उगने के साथ से ही रुक-रुककर व तेज बारिश का दौर जारी है। बारिश ने पिछले तीन वर्ष का रिकार्ड तोड़ दिया है। गत वर्ष सामन्य बारिश के अनुसार करीब बीस इंच बारिश हुई थी जबकि इस वर्ष 40 इंच के लगभग बारिश का आंकड़ा छूने को है। समय समय पर लगातार हो रही बारिश से भवानीमंडी उपखण्ड को पूर्ण रूप से फसलों को फायदा पहुंच रहा है। जहाँ नदी, नाले तलाब और बांध लबालब हो गए हैं। यहां गत 24 घंटे से बारिश का दौर जारी है जिसमें करीब चार इंच बारिश हुई है। पचपहाड़ तहसील में 1 जून से अब तक 38 इंच बारिश दर्ज की गई।

सीओ का रीडर और दलाल रिश्वत लेते गिरफ्तार

नदबई/भरतपुर, (निसं)। धौलपुर एसीबी की टीम ने उप अधीक्षक सुरेन्द्र सिंह के नेतृत्व में बड़ी कार्रवाई करते हुए भुसावर सीओ के रीडर हरिराम मीणा और एक दलाल राकेश कुमार गर्ग को रंगे हाथ 1 लाख 20 हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार पकड़े गए आरोपियों के द्वारा परिवादी से मामले में एफआर लगाने की एवज में रिश्वत राशि मांगी थी, जिसके चलते परिवादी ने धौलपुर एसीबी की टीम को अवगत कराते हुए सत्यापन कराया। जिसके बाद धौलपुर एसीबी के एडिशनल एसपी के नेतृत्व में नदबई के बाजार में कार्रवाई को अंजाम देते हुए दोनों को रिश्वत राशि के साथ रंग हाथ पकड़ा है। परिवादी पुष्पेंद्र सिंह बेनीवाल ने बताया कि वह वैर उपखंड के गांव सेंधली का निवासी है, जिसके खिलाफ भुसावर थाने में श्री एक्ट और 420 का मामला दर्ज हुआ था। भुसावर सीओ के रीडर हरिराम मीणा और दलाल राकेश कुमार ने मामले में एफआर लगाने के लिए 1 लाख 50 हजार रुपए की रिश्वत राशि की मांग की, लेकिन बात 1 लाख 20 हजार रुपए में बनी। जिसकी शिकायत एसीबी धौलपुर से की गई।

गिरफ्तार आरोपी।

- **एसीबी ने दोनों को 1 लाख 20 हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया**
- **परिवादी से मामले में एफआर लगाने की एवज में 1.50 लाख की रिश्वत मांगी थी**

धौलपुर एसीबी की टीम ने मामले का सत्यापन करवाया जो सही पाया गया। धौलपुर एसीबी के एडिशनल एसपी सुरेंद्र सिंह के नेतृत्व में शनिवार को दोपहर बाद नदबई के बाजार में रीडर हरिराम मीणा और दलाल राकेश कुमार को परिवादी से 1 लाख 20 हजार रुपए की रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया है। एसीबी की टीम अभी पकड़े गए दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है। एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव के निर्देशन में आरोपियों से पूछताछ तथा कार्यवाही जारी है।

पदभार ग्रहण करने पर डॉ. बैरवा का स्वागत

जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय शिक्षक संघ रुक्टा डेमोक्रेटिक ने नव पदस्थापित कॉलेज शिक्षा आयुक्त डॉ. ओमप्रकाश बैरवा के पदभार ग्रहण करने पर स्वागत किया है।

संगठन के प्रदेश संयोजक एवं राजकीय महाविद्यालय गंगापुर सिटी में राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर डॉ.रमेश बैरवा ने बताया है कि नए आयुक्त से उम्मीद है कि वे कॉलेज शिक्षा के उन्नयन के लिए हजारों की संख्या में रिक्त पड़े शैक्षिणक और गैर शैक्षिणक पदों पर भर्ती, नियमित कक्षाओं एवं अध्यापन हेतु शिक्षकों को गैरशैक्षिणक कार्यों से मुक्त किए जाने, कॉलेज शिक्षा आयुक्तालय के अधिकारियों द्वारा निष्पक्ष, न्यायपूर्ण कार्य करने तथा पद का दुरुपयोग किए जाने पर रोक लगाने, आयुक्तालय को प्रेषित शिकायतों का बिना भेदभाव समय पर निस्तारण करने, कॉलेज शिक्षक,कर्मचारी एवं छात्रों को एससी एसटी एक्ट के प्रावधानों के बारे में संवेदनशील बनाने सहित अन्य मुद्दों एवं मांगों के निराकरण हेतु सार्थक प्रयास करेंगे। जल्द ही रुक्टा डेमोक्रेटिक का प्रतिनिधिमण्डल जयपुर पहुंचकर नए आयुक्त का स्वागत करेगा,साथ ही छात्र एवं शिक्षक हित में मांगपत्र भी देगा।

डॉ. ओमप्रकाश बैरवा

युवक नदी में डूबा, मौत

हिंडौन सिटी, (निसं)। क्षेत्र के एकोरासी-बादलपुर स्थित जगर नदी में शनिवार दोपहर में एक युवक की डूबने से मौत हो गई। मौके पर पहुंची एसडीआरएफ और सूरौठ थाना पुलिस ने रेस्क्यू कर शव को बाहर निकाला।

सूरौठ थाना के एएसआई प्रतापसिंह ने बताया कि मृतक सूरौठ के मिल्कीपुरा निवासी राहुल जाटव (18) पुत्र समय सिंह है। उन्होंने बताया कि शनिवार को दोपहर में बादलपुर के नीचे नदी में एक युवक के डूबने की सूचना मिली। जिसके बाद जाब्ता लेकर मौके पर पहुंचे। वहीं प्रशासन के निर्देश पर एसडीआरएफ की टीम भी पहुंच गई। काफी प्रयास के बाद युवक को बाहर निकाला। जिसके बाद उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के पिता समय सिंह ने बताया कि उसका पुत्र राहुल जाटव ढिंढोरा स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल में कक्षा 11 वीं में पढ़ाई कर रहा था। आज सुबह तेज बारिश होने के कारण स्कूल नहीं गया। जिसके बाद सुबह करीब 10 बजे वह भैंसों को लेकर जंगल की तरफ चला गया। इस दौरान एक भैंस गड्ढे में फंस गई। जिसे निकालने के प्रयास में वह खुद भी फंस कर डूब गया।

मोतीडूंगरी गणेशजी के दर्शनों के लिए बारिश में भी उमड़े हजारों श्रद्धालु

गणेश चतुर्थी पर मंदिर में दिनभर लगा रहा भक्तों का तांता, आज निकलेगी शोभायात्रा

जयपुर। मोतीडूंगरी गणेश मंदिर में शुक्रवार देर रात से ही श्रद्धालु कतारों में लग गए। जयपुर ग्रामीण के श्रद्धालु पदयात्रा के रूप में ध्वज लेकर मंदिर पहुंचे। सुबह चार बजे मंगला आरती में हजारों श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। इसके बाद दर्शनार्थियों की संख्या लगतार बढ़ती गई।

दोपहर से पूर्व तक श्रद्धालुओं के छोर जेडीए सर्किल, रिजर्व बैंक और उधर त्रिमूर्ति सर्किल तक पहुंच गया। महंत कैलाश शर्मा के सानिध्य में सुबह विशेष पूजन के बाद श्रृंगार आरती की गई। भोग आरती दोपहर 2.15 बजे हुई।

- **मोती, सोना, पन्ना, माणक सहित अन्य रत्नों से जड़ा भगवान गणेश का नौलखा हार रहा आकर्षण का केन्द्र**

गणेश चतुर्थी पर प्रथम पूज्य भगवान गणेश की पूजा-अर्चना और दर्शनों के लिए मोतीडूंगरी मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी।

प्रथम पूज्य ने स्वर्ण मुकुट धारण कर चांदी के आसन पर विराजमान होकर श्रद्धालुओं को दर्शन दिए। मोती, सोना, पन्ना, माणक सहित अन्य रत्नों का नौलखा हार आकर्षण का केन्द्र रहा। श्रद्धालुओं ने जयकारों से मंदिर को गणेश जी महाराज की जय के जयकारों से गूंजायमान कर दिया। पुलिस और स्वयंसेवकों ने दर्शन करवाने की व्यवस्थाएं संभाली। दिव्यांग जनों को व्हील चैयर पर बैठाकर दर्शन कराए गए। दर्शनार्थियों का तांता देर रात तक लगा रहा। गणेश चतुर्थी पर दर्शन करने श्रद्धालुओं के लिए विभिन्न सेवाभावी संस्थाओं ने सेवाएं दीं। कतार में लगे दर्शनार्थियों को पानी और शर्बत पिलाया। दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं को आइसक्रीम खिलाई। गणेश मित्र मंडल के शोभित खंडेलवाल, मनीष भारद्वाज, अंकित साहू, गोवर्धन सुथार, जतिन टुंडवाल, अनिकेत मिड्ढा, आर्यन गौतम, गगन शर्मा, आदित्य शर्मा, मनन पुरोहित, यशराज सिंह राठौड़, अक्षत खंडेलवाल एवं अन्य ने सेवा कार्य किया। करीब 750 लीटर शरबत और 151 बॉक्स आइसक्रीम वितरित की गई। आठ सितंबर को भगवान श्री गणेश शहर भ्रमण पर निकलेंगे। इस दौरान मोती डूंगरी गणेश मंदिर से शोभायात्रा निकाली जाएगी। शोभायात्रा शाम को मोती डूंगरी मंदिर से रवाना होकर एमडी रोड, जौहरी बाजार, त्रिपोलिया बाजार, गणगौरी बाजार, नाहरगढ़ रोड होते हुए गढ़ गणेश मंदिर तक पहुंचेगी।

मेडिकल कॉलेज व अन्य संस्थानों का काम मिशन मोड में पूरा करें'

- **चिकित्सा शिक्षा विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने निर्देश दिए**

जयपुर। चिकित्सा शिक्षा विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने कहा कि प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा के उन्नयन की दृष्टि से नवीन मेडिकल कॉलेजों, सम्बद्ध अस्पतालों, नर्सिंग कॉलेजों एवं अन्य संस्थानों के काम को मिशन मोड में पूरा किया जाए और निर्माण में गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि नए मेडिकल कॉलेजों में शैक्षिणक सत्र शुरू करने के लिए आवश्यक मापदण्ड पूरा किया जाना सुनिश्चित करें, ताकि युवाओं को चिकित्सा के क्षेत्र में अध्ययन के अधिक अवसर उपलब्ध हो सकें।

राठौड़ शनिवार को चिकित्सा शिक्षा निदेशालय में चिकित्सा शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक को सम्बोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के संकल्प के अनुसार प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा का विस्तार, अनुसंधान एवं गुणवत्ता सुधार के लिए प्रभावी कार्ययोजना के साथ काम किया जाए। चिकित्सा शिक्षा से जुड़ी केन्द्र प्रवर्तित एवं राज्य द्वारा संचालित योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन एवं नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित हो।

प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि चिकित्सा शिक्षा में गुणवत्ता सुधार से आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ होंगी। इसे देखते हुए चिकित्सा शिक्षा में रिसर्च को और मजबूत किया जाए। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेजों से सम्बद्ध अस्पतालों में जांच, दवा एवं उपचार की समुचित व्यवस्थाओं के साथ ही चिकित्सकों की भी उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।

राठौड़ ने जोधपुर में स्थापित की जा रही मारवाड़ मेडिकल यूनिवर्सिटी, सवाई मानसिंह अस्पताल में निर्माणाधीन आयुष्मान टॉवर एवं आरयूएचएस अस्पताल में सुपर स्पेशियलिटी सुविधाओं के विस्तार के काम को गति देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन संस्थानों का काम जल्द पूरा होने से लोगों को विश्वस्तरीय चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी और मेडिकल ट्यूयूरिज्म को भी बढ़ावा मिलेगा।

प्रमुख शासन सचिव ने चिकित्सा शिक्षा से संबंधित समस्त बजट घोषणाओं को टाइमलाइन के अनुरूप पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में जल्द आयोजित होने वाली राइजिंग राजस्थान सम्मिट के लिए निवेश के निर्धारित लक्ष्यों को हासिल करने के लिए प्रतिबद्धता से प्रयास सुनिश्चित करें। इसके लिए नीतिगत निर्णयों एवं अन्य गतिविधियों पर शीघ्र कार्यवाही की जाए।

राठौड़ ने मेडिकल कॉलेजों एवं सम्बद्ध अस्पतालों में चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा के लिए आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं। चिकित्सा संस्थानों में इमरजेंसी एवं भीड़भाड़ वाले स्थानों पर 24 घंटे सुरक्षा गार्ड मौजूद रहें। संदिग्ध व्यक्तियों पर विशेष नजर रखी जाए। चिकित्सा संस्थानों में नियंत्रण अधिकारियों द्वारा सुरक्षा व्यवस्थाओं का औचक निरीक्षण किया जाए। सीसीटीवी फुटेज व सीसीटीवी स्क्रीन की मॉनिटरिंग हो।

बैठक में चिकित्सा शिक्षा आयुक्त इकबाल खान ने विभागीय की योजनाओं, कार्यक्रमों एवं अन्य गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर अतिरिक्त निदेशक अस्पताल प्रशासन संजू शर्मा, अतिरिक्त निदेशक प्रशासन रेणु खंडेलवाल, वित्त सलाहकार मनोज जैन, अतिरिक्त निदेशक एकेडमिक डॉ. रश्मि गुप्ता, उप निदेशक खेमाराम यादव, उपनिदेशक अस्पताल प्रशासन डॉ. वंदना शर्मा उपस्थित थे।

मुंबई की तर्ज पर छोटीकाशी में रही गणेशोत्सव की धूम

- **राजा के रूप में पूजा पांडालों में विराजे गणपति**

जयपुर। राजधानी में कई स्थानों पर मुंबई की तर्ज पर गणेशोत्सव के पांडालों में गणपति की प्रतिमा की स्थापना कर पूजा-अर्चना शुरू की गई। पांच से लेकर ग्यारह फीट ऊंची मूर्तियों की स्थापना कर महाआरती की गई। ज्यादातर पांडालों में राजा स्वरूप में गणेशजी विराजे हैं।

सभी पंडालों में गाजे बाजे के साथ मूर्ति लाकर गणेशजी को विराजित किया गया। दस दिनों तक विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। बनीपार्क के माधव विलास में शनिवार को गणपति जी की स्थापना की गई। माधो सिंह सर्किल स्थित शिव मंदिर से गणेशजी की प्रतिमा को गाजेबाजे के साथ लाया गया। सभी श्रद्धालु गणेशजी महाराज के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। माधव विलास में विद्वानों ने वेद मंत्रोच्चार के साथ गणपति की प्राण प्रतिष्ठा की। संतों-महंतों के सान्निध्य में उषा मालपानी, बसंत मालपानी सहित अन्य ने गणेशजी की महाआरती की। श्री गणपति विसर्जन 13 सितंबर को शाम सवा चार बजे विद्याधरनगर सेक्टर पांच स्थित शिव मंदिर में किया जाएगा। वहीं चित्रकूट गणेश उत्सव मंडल की ओर से चित्रकूट सेक्टर-09 में शनिवार को चतुर्दशम सार्वजनिक गणेशोत्सव समारोह शुरू हुआ। गाजेबाजे के साथ गणेश प्रतिमा को लाकर पांडाल में विराजमान किया गया। श्रृंगार और आरती के बाद भजनों से रिझाया। अध्यक्ष और कार्यक्रम संयोजक अखिलेश सक्सेना ने बताया कि श्री गणेश उत्सव में रोजाना नए-नए कार्यक्रम होंगे। इसमें गणपति की शोभायात्रा, बच्चों की ड्राइंग प्रतियोगिता, भजन संध्या, भजन प्रतियोगिता, फेन्सी ड्रेस, नृत्य प्रतियोगिता, छप्पन भोग, हवन एवं भोजन प्रसादी प्रमुख है।

हर देवालय में गूंजा "गणपति बप्पा मोरिया.."

जयपुर। गणेश चतुर्थी का उत्सव छोटीकाशी स्थित हर गणेश मंदिर में मनाया गया। सुबह गणपति का पंचामृत अभिषेक कर फूलों से मनोरम श्रृंगार किया गया। गुड़धानी और मोदकों का भोग लगाकर डंके अर्पित किए गए। इसी कड़ी में ठिकाना मंदिर श्री गोविंद के मातहत आमेर रोड कनक घाटी स्थित मंदिर श्री गणेश जी महाराज में गणेश चतुर्थी महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। मंदिर महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सानिध्य में सुबह गणेशजी महाराज का पंचामृत अभिषेक कर नवीन पोशाक धारण करवाई गई। फूल माला श्रृंगार किया गया। विभिन्न तरह के मोदकों, पांच प्रकार फलों और गुड का भोग लगाया गया। पूरे मंदिर को बंदरवाल से सजाकर विशेष रोशनी की गई। गोविंद देवजी मंदिर के सेवाधिकारी मानस गोस्वामी ने बताया कि मंदिर में सुबह पांच से रात्रि नौ बजे तक दर्शनार्थियों का तांता लाग रहा। इस मौके पर मंदिर को फूलों और रोशनी से सजाया गया।

श्रद्धालु 365 सीढियां चढ़कर पहुंचे गढ़ गणेश

- **पुरुषाकृति बाल स्वरूप गणपति के किए दर्शन**

जयपुर। जयपुर स्थापना से पूर्व रक्षपाल के रूप में नाहरगढ़ की पहाड़ी स्थित गढ़ गणेश मंदिर में गणेश चतुर्थी को श्रद्धालु उमड़ पडे। पट खुलने से पूर्व ही श्रद्धालु कतारों में लग गए। श्रद्धालु 365 सीढियां चढक़र मंदिर पहुंचे और पुरुषाकृति के बाल स्वरूप गणपति के दर्शन किए।

महंत प्रदीप औदीच्य के सान्निध्य में सुबह 4 बजे गणपति का पंचामृत अभिषेक किया गया। गणपति के बाल स्वरूप में होने के कारण कपड़े की पोशाक धारण करवाकर केवल कोमल पुष्पों और पल्लवों से श्रृंगार किया गया। सुबह पांच बजे मंगला आरती के साथ सहस्त्र दुर्वाचन और सहस्त्र मोदक अर्पित किए गए। सहस्त्रनामावली से हवन में आहुतियां प्रदान की गई। रात्रि 12 बजे शयन आरती हुई। तीन दिवसीय श्री महागणपति महोत्सव में रविवार को ऋषि पंचमी का परंपरागत मेला भरेगा। अभिषेक के बाद नवीन वस्त्र धारण कराए जाएंगे। सुबह 5 बजे मंगला आरती होगी। दोपहर 12 बजे भोग आरती और रात्रि 12 बजे शयन आरती होगी। गढ़ गणेश से संबद्ध बड़ी चौपड़ स्थित ध्वजाधीश गणेश मंदिर में जन्मोत्सव पर सुबह पांच बजे गणपति का अभिषेक कर सिंदूरी चोला धारण कराकर नवीन वस्त्र धारण कराए गए। चांदपोल परकोटा गणेश मंदिर में महंत राहुल शर्मा के सान्निध्य में गणेश जन्मोत्सव मनाया गया। युवाचार्य प.अमित शर्मा ने बताया गणेश जी महाराज का पंचामृत, केसर जल, केवड़ा जल, गुलाब जल से अभिषेक किया गया।

सी.जी.एच.एस. कर्मी और निजी अस्पताल के प्रतिनिधि के विरुद्ध मामला दर्ज

जयपुर (कासं)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने शनिवार को भ्रष्टाचार के आरोप पर सीजीएचएस जयपुर के कर्मी एवं एक निजी अस्पताल के प्रतिनिधि के विरुद्ध मामला दर्ज कर तलाशी अभियान चलाया है। जानकारी के अनुसार सीबीआई ने अपर निदेशक सीजीएचएस जयपुर से प्राप्त शिकायत के आधार पर एलडीसी,सीजीएचएस, जयपुर एवं अजमेर स्थित निजी अस्पताल के एक प्रतिनिधि तथा अन्य अज्ञात व्यक्तियों के विरूद्ध मामला दर्ज किया।

यह आरोप है कि आरोपित एलडीसी ने अपर निदेशक सीजीएचएस जयपुर के कार्यालय में कार्य करने के दौरान अन्य आरोपितों व्यक्तियों के साथ षडयंत्र रचकर निजी अस्पतालों जो सीजीएचएस के साथ सूचीबद्ध होने के इच्छुक थे से अवैध रिश्वत प्राप्त करने के लिए अपने आधिकारिक पद का दुरुपयोग किया। जिस पर जयपुर एवं अजमेर में आरोपितों के तीन स्थानों,परिसरों की तलाशी ली गई।जिसमें आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद हुए।

सार-समाचार

आयुष पेरीवाल को येल एजुकेटर अवार्ड

जयपुर। जयश्री पेरीवाल ग्रुप ऑफ स्कूल्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, आयुष पेरीवाल को येल ऑफिस ऑफ अंडरग्रेजुएट एडमिशन द्वारा प्रतिष्ठित 2024 येल एजुकेटर अवार्ड से सम्मानित किया गया है। येल एजुकेटर रिकॉग्निशन प्रोग्राम विश्व भर के उन उत्कृष्ट एजुकेटर्स को सम्मानित करता है, जो अपने स्टूडेंट्स को अकादमिक उत्कृष्टता हासिल करने के लिए सहयोग और प्रेरणा देते हैं। 39 राज्यों और 24 देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले 320 नामांकितों में से, इस वर्ष के पुरस्कार के लिए केवल 75 टीचर्स और 20 काउंसलर्स का चयन किया गया। नामांकन येल में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों द्वारा किया गया था, तथा प्रवेश अधिकारियों की एक समिति ने प्रत्येक आवेदन की व्यक्तिगत रूप से समीक्षा की।

गर्भवती महिलाओं को बांटे पोषण किट

जयपुर। राष्ट्रीय पोषण माह के अंतर्गत मानव सेवा ट्रस्ट राजस्थान एवं महिला सशक्तिकरण फाउंडेशन ने प्रताप नगर में गर्भवती महिलाओं को जागरूक करने के लिए कार्यशाला का आयोजन किया। जिसमें मुख्य वक्ता समाज सेविका वीना गोयल ने गर्भवती, धात्री महिलाओं व किशोरियों को संतुलित पोषण एवं स्वास्थ्य के बारे में जागरूक किया तथा संतुलित पोषण युक्त भोजन के बारे में अवगत कराया साथ ही साथ हरी व पत्तेदार सब्जियां, अंकुरित दालें, लौह युक्त खाद्य सामग्री आदि खाने की सलाह दी। फाउंडेशन की अध्यक्षा दुर्गा वर्मा ने बताया कि बच्चों को अधिक से अधिक स्तनपान करवाना चाहिए, जिससे बच्चे शारीरिक एवं मानसिक रूप से हष्ट-पुष्ट रहेंगे। स्वास्थ्य कल्याण होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं रिसर्च सेंटर, जयपुर में आचार्य व वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक तथा ट्रस्ट सदस्य एवं मीडिया प्रभारी प्रो. डॉ. राजीव सक्सेना ने बताया कि 21 गर्भवती महिलाओं को 11-11 किलों के पोषण किट-दलिया, सूजी, चीनी, गुड, दाल, घी, बिस्किट्स, तेल आदि वितरित किये। इस अवसर पर दिव्या गोयल, संगीता सक्सेना, कौशल सत्यार्थी, अंजू वर्मा, पारुल जैन, एश्वर्या सारस्वत, सीमा शर्मा, गीतांजली शर्मा, मिथलेश आदि मौजूद रहे।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म

जयपुर। झोटवाड़ा थाना इलाके में एक युवक ने शादी का झांसा देकर महिला के साथ दुष्कर्म किया। यहीं नहीं आरोपी ने महिला की नाबालिग बेटी के साथ भी छेड़छाड़ की। पुलिस ने एक महिला की शिकायत पर आरोपी फारुख के खिलाफ दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट में एफआईआर दर्ज की हैं। पीड़िता का आरोप है आरोपी फारुख ने उसे शादी करने का झांसा दिया और गलत काम किया। पीड़िता ने जब आरोपी से शादी करने का दबाव बनाया तो आरोपी ने मना कर दिया। वहीं आरोपी ने इसी दौरान उसकी नाबालिग बेटी के साथ छेड़छाड़ की। जिस से परेशान होकर पीडिता ने झोटवाड़ा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने बताया कि संजय नगर निवासी महिला ने शिकायत दर्ज कराई की फरवरी 2024 से आरोपी उस के सम्पर्क में हैं। आरोपी ने उसे शादी का झांसा देकर उसके साथ गलत काम किया। आरोपी ने इस का एक वीडियो भी बना रखा हैं। पीडिता ने कई बार आरोपी से शादी करने का दबाव बनाया जिस पर आरोपी ने उसे धमकाया कि अगर ज्यादा परेशान किया तो वह उसका वीडियो वायरल कर देगा। आरोपी ने महिला की नाबालिग बच्ची के साथ भी छेड़छाड़ की हैं। पीड़िता जब घर पहुंची तो बच्ची ने उसे आपबीती बताई जिस पर पीड़िता ने झोटवाड़ा थाने पहुंच कर शिकायत दी। पीडिता का मेडिकल करवा दिया गया हैं। महिला के 164 के बयान दर्ज होने के बाद आरोपी को गिरफ्तारी की जाएगी।

छात्रा से ढाई लाख रु.व जेवरात हड़पे

जयपुर। प्रेम जाल में फंसा कर शादी का झांसा देकर एक युवक ने एक छात्रा से ढाई लाख रुपए और सोने चांदी के जेवरात हड़प लिए। घटना के सम्बंध में पीडिता ने सोडाला थाने में मामला दर्ज करवाया है। पुलिस के अनुसार सोडाला निवासी 19 वर्षीय युवती ने मामला दर्ज करवाया कि उसने हाल ही में 12वीं कक्षा पास की है। उसकी जान पहचान 10 वीं में पढने वाले कबीर के बड़े भाई अल्तमश कुरैशी से हुई। वह रोजाना कबीर को छोड़ने और लेने स्कूल आते थे। आरोपी ने उसे प्रेम जाल में फंसा लिया और शादी का झांसा देकर उससे कई बार में ढाई लाख रुपए ले लिए। रुपए खत्म होने पर आरोपी ने उसे घर से जेवरात लाने को कहा। इस पर उसने घर से दो सोने के कडे, सोने का हार, दो सोने की चेन, चांदी की पायजेब, कान की बालियां और 20 और पचास के नोट की फ्रेश गड्डियां ले ली। इसके बाद भी आरोपी उसे लगातार परेशान कर रहा है। इससे परेशान होकर पीडिता ने पुलिस की शरण ली। वहीं सऊदी अरब में कंपनी में नौकरी लगवाने के नाम पर एक युवक से दो लाख रुपए ठगने का मामला सामने आया है। पीडित ने घटना के सम्बंध में सुभाष चौक थाने में मामला दर्ज करवाया है। पुलिस के अनुसार रावल जी का बाग निवासी अब्दुल आरिफ मंसूरी ने मामला दर्ज करवाया कि सऊदी अरब की कंपनी में नौकरी लगवाने के नाम पर खालिद हुसैन और आबिद अली ने उससे कई बार में दो लाख रुपए ले लिए।

घर से जेवरात-नकदी लेकर भागी दुल्हन

जयपुर। मालपुरा थाना इलाके में शादी के एक साल बाद लुटेरी दुल्हन घर से जेवरात व नकदी लेकर भाग निकली। भागने के बाद लुटेरी दुल्हन ने परिवार जनों को झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देना शुरू कर दिया। इससे परेशान होकर ससुराल वालों ने पुलिस की शरण ली। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार कृषि नगर टोल टैक्स निवासी प्रहलादी उर्फ पिल्ली देवी ने मामला दर्ज करवाया कि उसके बेटे की शादी साल 2020 में सुमन उर्फ मंजू देवी से हुई थी। शादी के एक साल बाद फरवरी 2021 में वह घर से सोने चांदी के जेवरात व नकदी लेकर भाग निकली।

अब सुमन उर्फ मंजू देवी, संतोष देवी, कानजी उर्फ कन्हैया लाल उसके परिवार को झूठे केस में फंसाने की धमकी दे रहे है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की जांच एएसआई लालचंद कर रहे है। वहीं झोटवाड़ा थाना इलाके में शादी के कुछ महिने बाद ही दुल्हन घर से जेवरात व नकदी लेकर भाग गई।

पुलिस के अनुसार न्यू कॉलोनी पंचायत समिति के सामने निवासी विरेंद्र शर्मा ने मामला दर्ज करवाया कि उसने किरण शर्मा से शादी की थी। शादी के कुछ दिन बाद किरण शर्मा घर से जेवरात व नकदी लेकर भाग निकली। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आम रास्ते पर बनीं इमारत का अवैध हिस्सा ध्वस्त होने तक वादग्रस्त संपत्ति जब्त करने के आदेश

बनीपार्क स्थित शिव मार्ग पर 508 वर्गगज जमीन पर वर्ष 2005 में कोर्ट स्टे के बावजूद कमर्शियल बिल्डिंग बनाने का मामला

जयपुर (कासं)। सिविल न्यायालय के 19 साल पहले स्थगन आदेशों की अवहेलना करने के मामले में अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश क्रम 3 जयपुर महानगर प्रथम (एडीजे) राकेश गोरा ने 2 याचिकाओं में प्रमिला गुप्ता, तनवीर और फिरोज खान को दोषी माना है। अदालत ने वादग्रस्त संपत्ति को जब्त करने और 3 लाख रु. का हर्जाना देने के आदेश भी दिए हैं। अगर अतिक्रमण हटाने के साथ-साथ हर्जाना राशि अदा नहीं की गई तीनों लोगों को 3-3 माह के लिए जेल जाना पड़ेगा। दोषसिद्ध के खिलाफ इन तीनों लोगों की अपील राजस्थान हाईकोर्ट के जस्टिस उमाशंकर व्यास ने भी खारिज कर दी थी। एडवोकेट रामबाबू, श्यामबाबू, उमेश पुरोहित और दिनेश पारीक ने यह मुकदमा पेश किया था। एडवोकेट रामजीलाल गुप्ता ने वादी की ओर से पैरवी की।

- **अदालत ने कहा कि परिवादी को तीनों अप्राथी 1-1 लाख रु. का मुआवजा राशि दें, अन्यथा 3 माह के लिए जेल जाएं**

जानकारी के मुताबिक बनीपार्क इलाके में जयपुर कलेक्ट्री स्थित शिव मार्ग पर 508 वर्गगज जमीन पर बहुमंजिला कमर्शियल का निर्माण किया गया था। जबकि अदालत ने कहा कि वर्ष 2005 में विवादित संपत्ति के संबंध में यथास्थिति बनाए रखने के आदेश दिए गए थे। कोर्ट स्टे की जानकारी होने के बावजूद यह संपत्ति खरीदकर इस भूमि पर बहुमंजिला अवैध व्यावसायिक निर्माण किया गया।

अदालत ने कहा कि आम रास्ते की जमीन पर किए गए अतिक्रमण को ध्वस्त किया गया, जब तक यह निर्माण नहीं हटाया जाता, तब तक संपत्ति जब्त कर ली जाए। साथ ही प्रार्थी को 1-1 लाख रु. का हर्जाना भी दिया गया। अदालती आदेश की अवमानना पर एडीजे राकेश गोरा ने यह आदेश सुनाया।

खेतों में सोलर पावर प्लांट्स से बिजली पैदा कर रहे किसान

जयपुर। चेयरमैन डिस्कॉम्स तथा जयपुर विद्युत वितरण निगम की प्रबंध निदेशक आरती डोगरा ने शनिवार को झोटवाड़ा पंचायत समिति के श्योसिंहपुरा गांव में पीएम कुसुम कंपोनेंट सी योजना के तहत स्थापित सौर ऊर्जा संयंत्र तथा इससे जुड़े 33 केवी ग्रिड सब स्टेशन का अवलोकन किया। डोगरा ने इस दौरान कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में सौर ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा दे रही है। इसके माध्यम से कृषि उपभोक्ताओं को दिन में बिजली प्रदान की जा सकेगी। उत्पादित बिजली का स्थानीय स्तर पर उपयोग होने से विद्युत की छीजत में भी कमी आएगी।

डिस्कॉम्स चेयरमैन प्रबंध निदेशक आरती डोगरा ने झोटवाड़ा क्षेत्र स्थित श्योसिंहपुरा गांव में पावर प्लांट्स का अवलोकन किया।

डोगरा ने यहां सोलर पावर जनरेटर ओरियंटल सेल्स कॉर्पोरेशन द्वारा करीब 8 बीघा भूमि पर स्थापित 2.30 मेगावाट के सौर ऊर्जा संयंत्र को देखा। इस जनरेटर की ऑनर श्रीमती नीलू गुप्ता एवम उनके परिजनों ने बताया कि कुसुम योजना का लाभ उठाकर वे आज बिजली उत्पादक बन गए हैं और ग्रिड के माध्यम से बिजली निगम को बिजली बेचकर लाभ भी कमा रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस संयंत्र को स्थापित करने में उन्हें बैंक से आसानी से ऋण मिल गया और सरकार से लागत का 30 प्रतिशत अनुदान का लाभ भी मिलेगा। इस संयंत्र के माध्यम से इसी साल मई माह में उन्होंने औसतन 5750 यूनिट प्रति दिन तथा पीक टाइम में 30 अप्रेल को 7137 यूनिट बिजली उत्पन्न की। आने वाले समय में टोंक तथा सीकर में भी अनुपजाऊ जमीन पर और सोलर प्लांट लगाने की उनकी योजना है।

इस दौरान अति.मुख्य अभियंता आर.के.शर्मा, अधीक्षण अभियंता जेपीडीसी साउथ एनपी सिंह, अधीक्षण अभियंता (आर.ई.) दीप्ति माथुर समेत अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

कार का शीशा तोड़कर 5 लाख रु. से भरा बैग चोरी

जयपुर। विश्वकर्मा थाना इलाके में बदमाश कार का शीशा तोडकर पांच लाख रुपए से भरा बैग ले गया। पीडित ने दुकान का दिनभर का कलेक्शन बैग में रखा था। ओनर को जाते देखकर आए बदमाश ने कार का शीशा तोडकर वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने बताया कि आर्य नगर मुरलीपुरा निवासी सौरभ गोयल (38) ने मामला दर्ज करवाया कि रोड नंबर-14 सीकर रोड पर उनकी शॉप है। रात करीब 9रू30 बजे दुकान बंद कर उन्होंने बैग अपनी कार में रखकर लॉक कर दिया। दुकान बंद कर पास ही गली में किसी काम से चले गए। पीछे से आए बदमाश ने कार का कंडक्टर साइड का शीशा तोड़ा। कार की सीट पर रखा बैग शीशा तोडकर चोरी कर ले गया। करीब 10-15 मिनट बाद वापस लौटने पर कार का शीशा टूटा मिलने के साथ सीट पर रखा बैग गायब मिला। चोरी का पता चलने पर पीडित सौरभ गोयल ने विश्वकर्मा थाना पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई। पीडित सौरभ ने पुलिस को बताया कि चोरी गए बैग में लेपटॉप व करीब 5 लाख रुपए रखे थे।

विवाहित व रिलेशनशिप वाले युगलों की सुरक्षा नीति तैयार

जयपुर। विवाहित जोड़ों और क्लोज रिलेशनशिप में रह रहे युगलों की सुरक्षा के लिए राज्य में एक मानक संचालक प्रक्रिया (एसओपी) निर्धारित की गई है। पुलिस मुख्यालय से इस संबंध में अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस सिविल राइट्स एवं एएचटी भूपेंद्र साहू द्वारा आदेश जारी किए गए हैं।

एडीजी साहू ने बताया कि राजस्थान उच्च न्यायालय जयपुर द्वारा 2 अगस्त 2024 को दिए गए आदेश की पालना में यह एसओपी निर्धारित की गई है। इसके अनुसार राज्य के विवाहित जोड़े एवं क्लोज रिलेशनशिप में रह रहे युगल स्वयं, किसी प्रतिनिधि अथवा अधिवक्ता के जरिए प्रार्थना पत्र कर सकते है। यदि उन्हें किसी से भी खतरा हो तो वे इस संबंध में नामित नोडल अधिकारी को सुरक्षा के लिए अभ्यावेदन प्रस्तुत करेंगे।

ऐसे युगल सुगम रिपोर्टिंग के लिए डायल 112, महिला हेल्पलाइन नंबर 1090, राज्य स्तरीय व्हाट्सएप हेल्पलाइन 8764871150, जिला स्तरीय व्हाट्सएप हेल्पलाइन एवं पुलिस नियंत्रण कक्ष के नम्बर, जिला स्तर पर संचालित नियंत्रण कक्ष की ईमेल आईडी पर शिकायत दर्ज कर सकते हैं। जल्द ही एससीआरबी द्वारा पुलिस वेबसाइट पर लिंक उपलब्ध करवाया जा रहा है। उस लिंक के माध्यम से आवेदक थाने पर व्यक्तिगत उपस्थित हुए बिना अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। इन माध्यमों से प्राप्त शिकायत को प्रभारी अधिकारी अविलंब नोडल अधिकारी, संबंधित वृत्त अधिकारी एवं थानाधिकारी को प्रेषित करेंगे। नोडल अधिकारी शिकायत पर तुरंत पीड़ित युगल को अंतरिम राहत प्रदान करेंगे। सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में आवेदक के बयानों की ऑडियो व वीडियो रिकॉर्डिंग की जाएगी। यदि उन्हें किसी प्रकार का खतरा है तो पुलिस सुरक्षा उपलब्ध करवाना सुनिश्चित करेंगे। यदि सुरक्षा उपलब्ध कराने के पर्याप्त आधार नहीं है तो स्पष्ट कारण बताएंगे। संबंधित चाहे तो उनके परिजनों को बुलाकर आपसी समझाईश का प्रयास करेंगे। यदि युगल के परिजनों को किसी अन्य व्यक्ति या समूह द्वारा प्रताडित किए जाने की शिकायत प्राप्त हो तो तत्काल उनकी सुरक्षा एवं विधिक कार्रवाई किया जाना सुनिश्चित करेंगे।

ARBiT
it happens here...

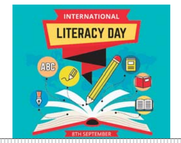

International Literacy Day

In this modern world, the ability for people to read and write has been directly connected to reduced poverty, improved socio-economic status, reduced population growth, minimized child and maternal mortality rates, and balancing out gender and equality on a sustainable level. Because of this, many countries and governments, all over the world, believe that the increase of literacy rates in children will have a direct impact on the future welfare of them and their families. *International Literacy Day* aims to highlight the importance and value of literary education for individuals and groups, as well as providing benefits for the wider global culture.

राष्ट्रदूत
SUNDAY
08 September 2024
A-B

#CELEBRATION

Star Trek Day

"Star Trek" isn't just a series. It's a phenomenon that's captivated audiences for decades.

Star Trek fans, often called Trekkies, take their passion to heart. For many, it's not just a show but a source of inspiration and a way to connect with like-minded people. So, it doesn't come as a surprise that there's a Star Trek Day, celebrated every September 8th. This isn't just any day. It's a tribute to the day in 1966 when "*Star Trek: The Original Series*" first aired, introducing us to a universe of diversity, inclusion, and hope.

'Star Trek' isn't just a series. It's a phenomenon that's captivated audiences for decades. It's the brainchild of Gene Roddenberry, whose vision for a better future has inspired countless fans.

Its stories have shown us the beauty of exploring the unknown and the importance of coming together despite our differences. The day is packed with special screenings, giveaways and much more, making it a global celebration.

'Star Trek' continues to be a beacon of progress, diversity, and unity, connecting fans across generations. So, every September 8th, we don our Starfleet uniforms, engage our warp drives, and celebrate the legacy of a show that has truly gone where no one has gone before.

History

Star Trek Day has an interesting history that dates back to the first episode's broadcast. It all started on September 8, 1966, when the very first episode of '*Star Trek: The Original Series*' aired.

This episode, titled '*The Man Trap*,' introduced viewers to a future where diversity, inclusion, acceptance, and hope were central themes. Gene Roddenberry created this vision, and it laid the foundation for what would become a significant cultural phenomenon. Fans, worldwide, celebrate the day to honour the lasting impact of the Star Trek franchise. Over the years, Star Trek has grown into one of the most enduring and profitable franchises, deeply influencing American pop culture.

It has expanded into twelve TV series, a series of movies, books, comic books, games, and even conventions, showcasing its vast influence and dedicated fanbase. The franchise's value, almost $11 billion, speaks volumes about its significance and why it deserves a dedicated day of celebration. The celebration of Star Trek Day reflects the series' legacy and its role in inspiring advancements in technology and storytelling.

From the invention of technologies that seemed futuristic at the time, like voice-activated computing and the concept of a mobile phone, to influencing other creative works, Star Trek has left an indelible mark on both technology and culture.

Its themes of exploration, understanding, and unity continue to resonate, making *Star Trek Day* a global celebration of Gene Roddenberry's visionary creation and its hopeful message for the future.

How to Celebrate Star Trek Day

Celebrating *Star Trek Day* can be as adventurous and diverse as the universe it represents. Here are some stellar ways to mark this galactic occasion.

Engage in a Series Marathon

First up, why not embark on an epic journey through the stars from the comfort of your couch? Pick your favourite series or mix it up with episodes from different ones.

Host a Themed Watch Party

Beam your friends aboard for a *Star Trek watch party*. You can choose episodes that highlight the best of Star Trek's values, diversity, inclusion, and the quest for knowledge. Decorate your space with Starfleet insignia, serve up some cosmic cocktails, and enjoy the camaraderie of fellow Trekkies.

Shehnai's Sweetness is fighting for survival

It was in Fatehpuri's iconic Crown Hotel, less than a kilometre from Katra Pyare Lal, that Bismillah Khan would insist on staying when he was in Delhi, cheerfully giving audience to the musicians of the area. All these artistes were once knit in a fraternity. Even now, they know each other intimately but the structures around them have collapsed.

● Malini Nair

Till it was pedestrianised a year ago, the pavement along Katra Pyare Lal in Chandni Chowk used to be the booking spot of Old Delhi's *shehnai* players. This is where they have always waited for their patrons, along with the accompanists, who play the unique drums that complete the *shehnai* ensemble, the *tasha*, *dukkad* and *nakkara*. Now, with low ornamental pillars popping up all over the sidewalk, the divider across the *katra* (small bazar) has become their hangout. But the patrons are missing.

The business community of Old Delhi is among the few who routinely seek out the *shehnai* band to mark auspicious and ceremonial events. Kanta Prashad has just played at a local *Jain mandir* to mark a holy day and is waiting for more work to come from *Ramlila* troupes. In the first week of November, Delhi's manic wedding season begins and he is hoping his calendar fills up, though, so far, he has only had a dozen requests. "There was a time when from 9 A.M. till dusk, the whole area used to buzz, you could always find 25-30 artistes here," he said. "Between five *katras*, we used to boast of some of the greatest musicians."

"Today, there are 60-70 artistes left scattered across Fatehpuri, Sadar Bazar, Paharganj, Nabi Karim, Pahari Dhiraj and Sitaram Bazar," Prashad says. It is a big deal now, after the Covid-induced lockdowns, if a couple *of shehnai-tasha* players walk in at Katra Pyare Lal. It was in Fatehpuri's iconic Crown Hotel, less than a kilometre from Katra Pyare Lal, that Bismillah Khan would insist on staying when he was in Delhi, cheerfully giving audience to the musicians of the area. All these artistes were once knit in a fraternity. Even now, they know each other intimately, but the structures around them have collapsed.

Raghunath Prasanna.

Image Trap

It was 20th century legends like Bismillah Khan and Anant Lal who brought what is essentially a 'ceremonial pipe' to the classical stage. But that did not altogether change its contemporary reality, which remains rooted in the social calendar of north, east and west India.

Far from being able to thrive in its dual identities, the *shehnai* is circumscribed by it. It is fighting for survival in the classical circuit since it has yet to shed its image as a "*shaadi byaah ka baaja*." At the same time, it is too traditional for modern-day revelries where the *Punjabi dhol* and brass bands have replaced it.

"The *shehnai* is still recognised mostly for its *mangal dhwani* (auspicious music), and it is a hard mindset to break," said Sanjeev Shankar, who, along with his brother Ashwani, is among the best-known players of classical *shehnai* today. "So, we make it a point to play on offbeat platforms, with jazz, western classical and at world music events. We are likely more recognised on those platforms than in concerts."

Shehnai has been so marginalised in the classical circuit that it is rarely featured in music festivals except as an opening act because of its auspicious tag. Few opt to learn the instrument and fewer still manage to master it. No music school or college includes it in the curriculum. Its makers, mostly in Varanasi, are struggling to survive.

This crisis is, admittedly, not new to *shehnai*. It was there when its classical shift started, but the passage of time has not made things easier. What also inhibits the instrument is its immense complexity and the constricted range for *raga* exposition. Wresting nuanced music out of it needs more than mastery, it needs wizardry and exhausting dedication. Watch a *shehnai* performance and see how often the musician has to adjust the reed at the end of the pipe to coax perfect notes and avoid discordant ones.

"In every generation, you never have more than 3-4 consummate *shehnai* players in the field," said Ashwini, whose grandfather was the *shehnai* icon, Anant Lal and father the celebrated player, Daya Shankar. "It is a challenging and temperamental instrument. Even, we limit the vilambit (slow) in our concerts to around 20 minutes, keeping the rest of, say, an hour for shorter compositions."

"So hard is the training process that 60% of students opt out," he adds. The last time the *shehnai's* popularity surged, albeit briefly, was when the Ranbir Kapoor-starrer *Rockstar* featured it in a piece of music titled '*The Dichotomy of Fame*,' played by S. Ballesh.

The *shehnai* is commonly perceived as an instrument of the Lucknow-Varanasi belt, though, it has a strong presence in the west, especially Maharashtra, northern Karnataka and Gujarat, especially Baroda. One of the greatest players of the early 20th century was Shankar Rao Gaekwad, whose grandson, Pramod, is now a prominent *shehnai* musician. Mastery over the *shehnai* remains a family tradition. And this is true of every known performer today, Rajendra Prasanna and Ballesh, for example.

Naubat Tradition

Centuries before the masters of the 20th century reimagined and recrafted the *shehnai* as a classical instrument, it was a part of the *Naubat Khana* tradition of Mughal and Rajput establishments, kettledrum ensembles that marked the passage of hours and important state events from a special enclosure at the gates of a city, palace or fort. Old structures such as the Red Fort and the Golconda Fort still sport a *Naubat Khana*.

Reise Flora, an Australian scholar and *shehnai* player, who learned under Anant Lal, has written extensively on the instrument's roots in his research paper, '*Style Of Sahnai in Recent Decades: From Naubat to Gayaki Ang*.' He links the *naubat* to the royal drum-pipe traditions of Asia and parts of Africa, some going back to medieval times.

Old-fashioned *naubat* performances now survive only in a few *dargahs*, where they mark the hours of prayer and so on, as documented between 1952 and 1962 by John Levy, a curator of Asian music traditions. Levy has recorded this music, featuring the *shehnai* and the *naqqara*, at the shrines of Moinuddin Chishti in Ajmer and Mubarak Shah Murad Bukhari in Mundra. This music was "intended to be heard in the open," said Levy, and it could not afford the "subtleties of refined indoor music." But it did acquire subtleties and move indoors in the early decades of the 20th century.

Classical Shift

In the mid-19th century, the *shehnai*, as we know it, started coming into its own. "But its classical range was severely limited because of structural issues, so, it could only be played to perform very short *raga-centric* pieces with folk elements, such as thumri, dadra, chaiti, kajri, jhoola or dhun," said Sanjeev Shankar. Badhai, prabhati and pujaiya are other ceremonial music forms that he mentions.

The earliest available classical recording (1904) of the *shehnai* is by one Talim Hussain of Lucknow. Flora points to the fact that it is labelled '*Bhairavi thumri*,' suggesting "vocal connections from the 19th century, and the importance of Lucknow in the history of *thumri*, a new genre of vocal music." This is likely the first evidence that the *shehnai* was heading for a classical future, and a link to vocal (*gayaki*) style.

When and how did the *shehnai* actually make the big transition?

In his MPhil dissertation on '*The Origins, Evolution and Present of Classical Shehnai*,' Sanjeev Shankar points out that this began after *shehnai* players started going to *Hindustani* vocalists for training and began weaving classical elements into their performance.

He cites the example of Nandlal, who trained under Banaras *gharana's* vocalist, Bade Ramdas Mishra and multiple *ustads* and *pandits* of thumri, khayal and dhrupad. Bismillah Khan was also a *shagird* of Lucknow vocalist, Ahmed Hussain Khan, Anant Lal of Benares' *thumri* maestro Mahadev Prasad Mishra, and Shankarrao Gaekwad of Baroda *khayal* legend Bhaskarbua Bakhle.

This trend set off the *shehnai's* classical engagement and its performance became more deliberative, slow and sweet in tone, in keeping with the principles or *raga* progression. But its tone was still shrill and more suited for fast playing. "In those early decades, the classicism never went beyond small, set compositions such as the *thumri* or *chhota khayal* because the reed in the *shehnai* was made from *tad* (palm leaf) leaves, which did not allow the player to explore the lower octave or higher octave much," said Sanjeev. "Which meant playing only some *ragas* and then too, for limited time."

The *shehnai* underwent its biggest transformation when Benares players decided to switch from palm to elephant grass reed (*narkat*). This brought immense sweetness, fluidity and range to the sound, increasing its classical bandwidth. It was Bismillah Khan who gave the *shehnai* star power with his emotionally appealing work on the classical stage and in films. He burst into popular culture with the track of *Goonj Uthi Shehnai* (1959), a love story featuring Rajendra Kumar as a *shehnai* player. Khan's work for the film was stunning, especially in a *ragamala* composition where his *shehnai* melded fluidly into the voice of the great Amir Khan. The *shehnai* has always been one of Bollywood's most favourite instruments. Anyone who has watched old Hindi films is unlikely to forget its shrill notes tearing through the cinema hall any time the plot hit a poignant moment of bereavement, abandonment and loss. And, of course, it was a staple in wedding scenes.

Wedding Season

The classical tradition also fed back into the folk tradition, spawning a large community of *shehnai* players in Old Delhi, Anant Lal, originally from Benares and fondly called 'Babuji,' dropped anchor in Nabi Karim after he started working under Ravi Shankar at the AIR Vadya Vrinda. He went on to mentor many aspirants. One of them was Hari Singh, who became the *guru* of Kanta Prasad. Unlike him, many learners chose to carve a career in *shehnai-tasha* ensembles. "Playing classical *shehnai* was not an option for many of us who had to support large families," said Prashad, who sometimes sits on the concerts of the Shankar brothers to provide *sur* (drone). "But even among us, there are those who can just pull off a few tunes and others who have in-depth knowledge of music."

When the wedding season comes around, and the farmhouses of Chhattarpur, Gurgaon, GT Karnal Road, Alipur and Mehrauli double up as banquet halls, Prashad will be called in to perform mostly welcome music for the groom or bride. If he is lucky, his troupe will play on the stage for a brief while. What does he play mostly? "Few care what we play. It is usually a bunch of popular tunes, *bhajans*, *Inhi logon ne*, *Yeh desh hai veer jawanon ka*, what else?" he said, not really looking for an answer.

rajeshsharma10490@gmail.com

Sanjeev Shankar And Ashwani Shankar.

#MUSIC

Shehnai in the *Naubat* tradition at the *dargah* of Khwaja Banda Nawaz Gesudaraz in Hyderabad.

#INSPIRATION

HULA HOOPING PRODIGY

Sinaya Biyani, a 7-year-old *hula hooping* prodigy from Jaipur, discovered her passion 14 months ago, and has since performed at over 20 prestigious events. Balancing her love for hooping with academics, she dreams of becoming the best hula hooper in the world, and representing India on a global stage.

Tusharika Singh
Freelancer Writer and City Blogger

Amidst the daily hustle of school and homework, there's a young talent whose mastery over the *hula hoop* is turning heads. Sinaya Biyani, a 7-year-old student from Neerja Modi School, has emerged as an exceptional hula hoop performer, captivating audiences with her graceful skill. Her journey, which began just a little over a year ago, is one of pure passion and an unshakable connection with her hoop.

The Spark of Inspiration

Sinaya recalls the moment that started it all. "I remember visiting a kids' carnival with my mother, where I saw a few kids doing waist hooping. I was fascinated and tried it myself. To my surprise, I got it on my first try! From that moment, I knew I wanted to learn hula hooping," she says. What began as an innocent curiosity quickly evolved into the hoop becoming an extension of herself.

Finding Confidence on Stage

Her first public performance was at her hula hoop instructor's annual academy show, a defining moment that solidified her love for the stage. "It was just me and the stage, and nothing else. That feeling was phenomenal," she recalls, describing the joy and adrenaline of that first solo appearance. Despite being an introverted child, Sinaya found her confidence in the spotlight, with hula hooping transforming her from a shy student to a spirited performer.

A Unique Approach to Practice

Looking at her hula hooping skills, it is difficult to believe that Sinaya does not adhere to a strict practice regimen. "I go with the flow," she explains. "Some days, it is single hoops, other days, it is multiple or twin hoops. And sometimes, I just dance without the hoop." Her practice sessions are a mix of structure and spontaneity, but when a big performance approaches, she dedicates her weekends and holidays to perfecting her routines.

A Rising Star

Having already performed at over 20 high-profile events, Sinaya's portfolio is impressive for someone so young. Yet, her favorite remains the annual show at her instructor's academy. "It is a whole month of being surrounded by hoops, props, friends, and performances. It is always the best time of the year," she says, cherishing the camaraderie and creative energy that fuels her growth.

Balancing Academics and Passion

Balancing schoolwork with her passion comes naturally to Sinaya. "It is not that difficult when you love something. I just make sure to finish my homework before practice," she explains. And it's not just hula hooping where she excels. Sinaya is also a gold medalist in the Math Olympiad for Grade 1, showing that her focus extends beyond the stage.

Support and Inspiration

Her journey has been supported by key figures, including her hula hoop instructor, Mr. Altaf Bhat, whom she credits with teaching her the art form. "He's the best hula hooper and the source of my energy on stage," she says. Sinaya is also inspired by renowned hula hoopers and cricket star, Virat Kohli, whose hard work and confidence resonate deeply with her.

Aspirations for the Future

As for the future, Sinaya's goals are clear. "I tell my parents that I want to be a hula hoop instructor one day. But before that, I want to become the best hula hooper in the world," she says with a smile. Representing India on a global stage and winning a title for her country is a dream she holds close to her heart.

Words of Wisdom

To other kids looking to pursue their passions, Sinaya offers simple yet profound advice: "Try as many things as you can. When you find something you love, put your heart and soul into it. Very few people get to do what they truly enjoy, so, when you find that thing, work for it because nothing feels better than that." With her spirit and talent, Sinaya Biyani is not just spinning hoops, she's spinning her way towards a bright future.

THE WALL

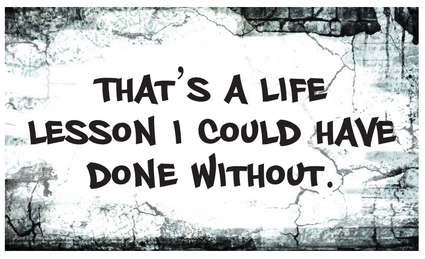

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

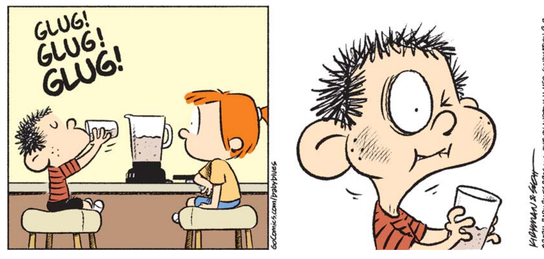

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

चर्चित मेहताब हत्याकांड मामले में फरार दो इनामी आरोपी गिरफ्तार

हत्याकांड के मामले में तीन आरोपी पहले ही गिरफ्तार हो चुके हैं

धौलपुर, (निसं)। धौलपुर जिले के मनियां कस्बे में 8 सितंबर 2023 को हुए मेहताब गुर्जर हत्याकांड के मामले में एक साल से फरार चल रहे वांछित ईनामी दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है, जिन पर जिला पुलिस अधीक्षक धौलपुर की ओर से 15-15 हजार रुपये का ईनाम घोषित किया गया था। इसी हत्याकांड के मामले में तीन आरोपी पहले ही गिरफ्तार हो चुके हैं। हत्याकांड का यह मामला काफी चर्चित रहा है।

थाना प्रभारी नरेश शर्मा ने बताया कि सोने का गुर्जा थाना पुलिस के साथ कार्रवाई करते हुए मेहताब गुर्जर पुत्र प्रधुम्न सिंह हत्याकांड के मामले में फरार चल रहे 15-15 हजार रुपए के इनामी आरोपी राम लक्ष्मण उर्फ धवल पुत्र रामवीर गुर्जर निवासी बचन सिंह का पुरा रांडोली थाना मनियां हाल निवास तहसील रोड मनियां और थान सिंह उर्फ गब्बर पुत्र मेवाराम गुर्जर निवासी करका खेरली थाना दिहौली हाल निवास बचन सिंह का पुरा रांडोली को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी नरेश शर्मा में बताया कि सोने का गुर्जा पुलिस के साथ कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को सकतपुर चौराहे के पास से गिरफ्तार किया है। जिनको न्यायालय में पेश किया गया है, जहां से पीसी डिमांड पर चल रहे हैं। हत्याकांड के मामले में दोनों

मेहताब गुर्जर हत्याकांड के मामले में फरार वांछित इनामी दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया।

आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

थाना प्रभारी ने बताया कि 8 सितंबर 2023 को मनियां कस्बा स्थित सरपंच प्रतिनिधि पवन टेंट वाले के यहां शाम करीब छह बजे जलालपुर निवासी अचल सिंह, धीरज उर्फ धीरेंद्र, उधम सिंह और मेहताब गुर्जर पुत्र प्रधुम्न सिंह किसी काम से आए हुए थे। इसी दौरान पहले से घात लगाए बैठे आरोपियों ने आते ही मेहताब गुर्जर को दुकान के अंदर से बाहर खींच लिया और उस पर ताबड़तोड़ गोलियां चलानी शुरू कर दी। आरोपियों ने फायरिंग करते हुए कई गोलियां मेहताब गुर्जर के सीने में उतार दी, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। थाना प्रभारी ने बताया कि हत्याकांड को अंजाम देने के बाद हथियार लहराते हुए आरोपी अपनी मोटरसाइकिलों से वहां से भाग गए। इसी पूरे हत्याकांड मामले को लेकर श्याम सुंदर पुत्र निरंजन गुर्जर निवासी जलालपुर ने आरोपियों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिस मामले पर कार्रवाई करते हुए 18 सितंबर 2023 को आरोपी सुमित कुमार उर्फ शेरा पुत्र ज्वाला प्रसाद गुर्जर निवासी जलालपुर हाल निवास बजरंग

■ मनियां और सोने का गुर्जा थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई की

कॉलोनी थाना कोतवाली धौलपुर, राहुल पुत्र गिरन्द सिंह गुर्जर निवासी जुगई का पुरा थाना दिहौली और राहुल पुत्र गोपाल सिंह कुशवाह निवासी सुम्मेरा का अड्डा मांगरोल रोड मनियां को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। इसके बाद हत्याकांड के उसी प्रकरण में फरार चल रहे आरोपी राम लक्ष्मण उर्फ धवल और थान सिंह उर्फ गब्बर की गिरफ्तारी के लिए जिला पुलिस अधीक्षक धौलपुर की ओर से 15-15 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

मेहताब हत्याकांड के मामले मुखबिर की सूचना पर सोने का गुर्जा थाना पुलिस के साथ कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को सकतपुर चौराहे से गिरफ्तार किया है। मामले में दोनों आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस की कार्रवाई टीम में मनियां थाना प्रभारी नरेश चंद्र शर्मा, एएसआई मोहनलाल, कांस्टेबल लोकेश कुमार और विजय सिंह के साथ सोने का गुर्जा थाना प्रभारी भीम सिंह, हेड कांस्टेबल हल्केराम, कांस्टेबल पालिंदर और देवेंद्र शामिल रहे।

बाघ एसटी-2303 कोटकासिम के जकोपुर गांव में पहुंचा

जकोपुर गांव के रहने वाले नरेश प्रजापत ने बाघ को सड़क क्रॉस करते हुए देखा

अलवर, (निसं)। सरिस्का के बफर जोन से निकला टाइगर एसटी-2303 कोटकासिम के जकोपुर गांव में पहुंच चुका है। शनिवार सुबह जकोपुर गांव के रहने वाले नरेश पुत्र झमन लाल प्रजापत ने बाघ को सड़क क्रॉस करते हुए देखा है। साथ ही जकोपुर गांव से मात्र 100 मीटर की दूरी पर ही खेतों में बाघ एसटी 2303 के पग मार्ग भी देखे गए हैं। सूचना के बाद मौके पर जकोपुर और मसवासी गांव के लोग बड़ी संख्या में मौके पर इकठ्ठे हो गए और बाघ के पगमार्क के आधार पर उसकी तलाश शुरू की।

इसी दौरान सरिस्का रेंजर्स शंकर सिंह सहित किशनगढ़ बास रेंजर को टेलीफोन से सूचना दी गई लेकिन 3 घंटे बीत जाने के बाद भी मौके पर ना तो वन विभाग की टीम पहुंची और ना ही पुलिस विभाग का कोई कर्मचारी पहुंच पाया। बाघ की सूचना के बाद पूरे गांव में दहशत का माहौल है लोग खेतों में जाने से डर रहे हैं वहीं बार-बार वन विभाग की टीम

■ बाघ मानव जाति के लिए बना खतरा, वन विभाग की टीम नहीं कर पा रही रेस्क्यू

को सूचना दे रहे हैं लेकिन वन विभाग की टीम मौके पर नहीं पहुंचने से ग्रामीणों में भारी गुस्सा है।

सरिस्का के बफर जोन से निकला बाघ एसटी-2303 फिलहाल मानव जाति के लिए खतरा बन चुका है। यह बाघ करीब 7 महीने पहले भी सरिस्का से निकलकर कोटकासिम क्षेत्र से होता हुआ रेवाड़ी पहुंच गया था लेकिन बाद में अपनी टेरिटरी बनाते हुए वापस बानसूर होता हुआ सरिस्का पहुंचा था। इस दौरान इसने एक व्यक्ति को नरवाश गांव में घायल किया था तो वही तीन वन कर्मियों को भी इसने घायल कर दिया था। इस बार भी सरिस्का के बफर जॉन से निकले इस टाइगर ने पांच लोगों को घायल कर दिया है लेकिन वन विभाग की टीम टाइगर को रेस्क्यू करने में असफल साबित हो रही है। 3 दिन पहले ही जकोपुर गांव से महज 3 किलोमीटर दूर राजस्थान के ही भगाना गांव में टाइगर एसटी 2303 के पगमार्ग देखे गए थे उस समय वन विभाग की टीम पूरे दिन डेरा जमाए बैठी रही लेकिन बाघ को रेस्क्यू नहीं कर पाई।

इन तीन दिनों में टीम खेतों में खाक छानती रही लेकिन ना तो उन्हें बाघ के पगमार्क मिले और ना ही बाघ मिला। अचानक जखोपुर में शनिवार को बाघ के पग मार्क देखे गए और बाघ भी दिखाई दिया है। बाघ की सूचना के बाद सरिस्का वन विभाग के रेंजर शंकर सिंह शेखावत दोपहर करीब 12 बजे मौके पर पहुंचे। बाघ को ट्रेंकुलाइज करने के लिए एक विशेषज्ञ डॉक्टर की टीम को बुलाया गया है और तीन जेसीबी भी मौके पर पहुंच गई हैं। वन विभाग के कर्मचारियों को भी बुलाया गया है जो तलाश में जुटी हुई है।

चार दिन बाद तैरता मिला ड्राइवर का शव

टोंक, (निसं)। पीपलू उपखण्ड के बरोनी थाना क्षेत्र के वैष्णो देवी मंदिर के पीछे बुधवार को बहा शव चार दिन बाद शनिवार को मिला। बरोनी थाना प्रभारी ओमप्रकाश ने बताया बुधवार दोपहर एक बजे ड्राइवर सतपाल (30) निवासी कोटपूतली जिला जयपुर नहाते समय बनास नदी में बह गया था, जिसे बुधवार से लगातार एसडीआरएफ की टीम द्वारा रेस्क्यू किया जा रहा था, लेकिन शव नहीं मिला था। शनिवार को सुरेली एनिकट के पास बनास नदी के तेज बहाव में तैरता हुआ दिखा, शव मिलने की सूचना पर बरोनी थाना पुलिस व बनेठा थाना पुलिस मौके पर पहुंची, जहां एसडीआरएफ टीम ने रेस्क्यू कर शव को निकाला। शव निकालकर टोंक सहादत अस्पताल पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

नवनियुक्त झुंझुनूं कलेक्टर ने संभाला पदभार

झुंझुनूं, (निसं)। नवनियुक्त जिला कलेक्टर रामावतार मीणा ने शनिवार को पदभार ग्रहण कर लिया है। उन्होंने जिलेवासियों को गणेश चतुर्थी की

■ जिलेवासियों को दी गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएं

शुभकामनाएं देते हुए जिले में विकास कार्य को आगे बढ़ाने की बात कही।

उन्होंने कहा कि जन प्रतिनिधियों के सहयोग से आमजन के हित के लिए कार्य किया जाएगा। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बातचीत में जिले की समस्याओं के निराकरण और प्राथमिकताओं पर भी अपना विजन रखा। इस दौरान अतिरिक्त जिला कलक्टर रामरतन सौंकरिया, झुंझुनूं उपखंड अधिकारी हवाई सिंह

कलेक्टर रामावतार मीणा

यादव, जिला जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु सिंह, तहसीलदार सुरेंद्र चौधरी, सहायक जनसंपर्क अधिकारी विकास चाहर समेत कलेक्ट्रेट के अधिकारी व कर्मचारीगण मौजूद रहे।

आसींद का दांतड़ा बांध छलका

आसींद (निसं)। आसींद क्षेत्र का जीवनदायनी कहा जाने वाला दांतड़ा बांध छलक उठा। बांध पर चादर लगभग 27 वर्षों के बाद चली जिसे लेकर आसींद क्षेत्रवासियों में हर्ष की लहर दौड़ पड़ी। सभी क्षेत्रवासी प्रफुल्लित मन से दांतड़ा गांव पहुंचे एवं चादर चलने के बाद महाकाल धूणा बामणी आश्रम के महंत सावरनाथ महाराज एवं आसींद थाना अधिकारी हंसपाल सिंह चौहान एवं हेड कांस्टेबल श्रवण बिश्नोई ने पानी का स्वागत करते हुए चादर ओढ़ाकर हर्ष व्यक्त किया।

पिछले कई वर्षों से सूखी पड़ी खारी नदी में पानी की जमकर आवक हुई जिससे क्षेत्रवासियों में हर्ष की लहर व्याप्त है। नगर पालिका प्रशासन आसींद के द्वारा अपने कर्मचारियों के साथ नगर पालिका अध्यक्ष देवीलाल साहू खारी नदी के तट पर शुक्रवार को साफ सफाई अभियान के तहत पहुंचे एवं नदी नालों की साफ सफाई करवाई गई। वहीं प्रशासनिक अधिकारियों में उपखंड अधिकारी उम्मेद सिंह राजावत, तहसीलदार भंवरलाल सेन, पुलिस उपाधीक्षक हेमंत कुमार नोगीया, थानाधिकारी हंसपाल सिंह चौहान, सिंचाई विभाग के एईन देवेंद्र कुमार, जेईन दिनेश वर्मा, नगर पालिका अधिशासी अधिकारी राघव मीणा, नगर पालिका जेईन राजमल गुर्जर, प्रशासनिक अमला आसींद खाली नदी के तट पर व्यवस्था को संभाले हुए हैं।

खारी नदी का जल विभिन्न गांव से होते हुए नेखाड़ी नदी में मिलेगा तत्पश्चात पडासोली के बाद नेखाड़ी नदी से फिर खारी नदी में मिलकर बीसलपुर बांध में खारी नदी मिलेगी। आसींद नगर पालिका अध्यक्ष देवीलाल साहू ने बताया कि वर्षों बाद खारी नदी में पानी आने से हर्ष की लहर व्याप्त है।आसींद हुरडा क्षेत्रीय विधायक जबर सिंह सांखला ने आसींद क्षेत्र वासियों को खारी बांध की चादर चलने एवं खारी नदी में पानी आने की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की तथा आमजन से अपील करते हुए बताया कि नदी नालों के उफान से दूर रहे तथा सावधान ने सतर्कता दिखाते हुए खारी महोत्सव मनाया गया।

अवैध शराब सहित तस्कर गिरफ्तार, एक फरार

करौली, (निसं)। करौली की लांगरा थाना पुलिस ने पिकअप गाड़ी पर रखे डीजे साउंड बॉक्स में भरकर ले जाई रही अवैध शराब की 20 पेटियों को जब्त किया है। पुलिस ने अवैध शराब के साथ ड्राइवर को भी गिरफ्तार किया है। इस दौरान एक आरोपी पुलिस से बचकर फरार हो गया।

लांगरा थाना अधिकारी बासुदेव बसवाल ने बताया कि गश्त के दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि कसियापुरा के रास्ते पर अवैध शराब का परिवहन हो रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस मौके पर पहुंची, जहां कसियापुरा के कच्चे रास्ते से एक पिकअप मंडरायल की ओर जा रही थी। पिकअप को संदेह होने पर रुकवाकर जांच की तो पिकअप में डीजे साउंड के बॉक्स रखे हुए थे। ड्राइवर से पूछताछ की तो संतुष्टिपूर्ण जवाब नहीं मिला। इस दौरान पिकअप में रखे डीजे साउंड बॉक्स की जांच की तो उनमें अवैध शराब भरकर ले जाई जा रही थी। पुलिस ने अवैध शराब की करीब 20 पेटियों को जब्त किया है। पूछताछ में आरोपी शराब को लेकर उचित जवाब नहीं दे सका। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। पुलिस ने आरोपी दामोदर उर्फ दामों (55) पुत्र रामजीलाल निवासी हनुमानपाड़ा मंडरायल को गिरफ्तार किया है।

दो बाइकों की भिड़ंत, चार जने घायल

दो जनों की हालत गंभीर होने पर नीमकाथाना रैफर किया

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी थाना क्षेत्र के बीलवा के पास दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में चार जने घायल हो गए। दो जनों की हालत गंभीर होने पर उन्हें नीमकाथाना रैफर किया गया है।

जानकारी के अनुसार सांकड़ा निवासी अशोक कुमार अपनी बहन मनीषा, चाची कौशल्या को बाइक पर लेकर खेतड़ी के झोझू धाम स्थित गणेश मंदिर के मेले में आ रहे थे। जब वे बीलवा से निकलकर खेतड़ी की ओर आ रहे थे तो सामने से आ रही बाइक से उनकी बाइक की टक्कर हो गई। इस दौरान हादसे में अशोक कुमार पुत्र बगाराम, मनीषा पुत्री बगाराम, कौशल्या पत्नी पप्पुराम व दूसरी बाइक पर सवार सत्यवीर पुत्र किशनलाल निवासी बीलवा घायल हो गए। हादसे की सूचना पर 108 एंबुलेंस के पायलट सतीश मान व ईएमटी निखिल सैनी मौके पर पहुंचे तथा हादसे में घायलों को खेतड़ी के राजकीय उप जिला अस्पताल में पहुंचाया।

घायलों का अस्पताल में चिकित्सकों ने उपचार किया।

इस दौरान डाक्टरों ने घायलों का प्राथमिक उपचार करने के बाद कौशल्या देवी व सत्यवीर सिंह की हालत गंभीर होने पर उन्हें नीमकाथाना रैफर कर दिया गया। घायल सत्यवीर सिंह ने बताया कि वह अपने किसी काम से खेतड़ी आया था, वापस अपने घर जाते समय हादसे का शिकार हो गए। इसके अलावा दूसरी बाइक पर सवार गणेश मंदिर के धोक लगाने के लिए आ रहे थे। हादसे के दौरान दोनों बाइक भी क्षितग्रस्त हो गई। घटना की सूचना पर खेतड़ी पुलिस ने भी अस्पताल में पंहुचकर घटना के बारे में जानकारी जुटाई।

तेज बहाव में बहा युवक, मौत

सरवाड़, (निसं)। सरवाड़ निकटवर्ती फतेहगढ़ से सरसुन्दा रपट पर अपने गांव गोवर्धनपुरा जाते समय तेज पानी के बहाव के कारण मोटरसाइकिल साहित पानी में बह गया। युवक वहीं जिस पर आस पास खड़े ग्रामीणों ने देख लिया। युवक को बचाव के लिए पानी में उतर गए। काफी तलाश के बाद युवक को पानी से बाहर निकाला गया। युवक की पहचान गोवर्धनपुरा निवासी छीतर कुमावत के रूप में हुई। वहीं परिवारजनों को इसकी सूचना मिलते ही चीख पुकार मच गई। इस दौरान सरवाड़ थाना प्रभारी को सूचना मिलने पर मौके पर पहुंच गए। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

गौवंश को बचाने के चक्कर में ट्रेलर बेकाबू हुआ

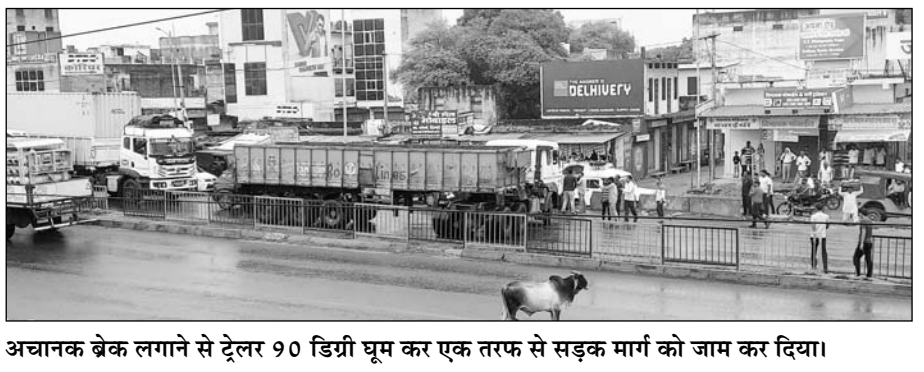

अचानक ब्रेक लगाने से ट्रेलर 90 डिग्री घूम कर एक तरफ से सड़क मार्ग को जाम कर दिया।

पावटा, (निसं)। पशुपालकों द्वारा छोड़े गए बेसहारा पशु दिल्ली-जयपुर नेशनल हाईवे पर काल बनकर घूम रहे हैं। सड़क पर इनके जहां-तहां बैठने व जमावड़े से आए दिन वाहन चालक दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं। वहीं, पशुओं की भी मौत हो रही है। दिन हो या रात इनके विचरण ने राहगीरों की मुसीबत बढ़ा रखी है। यह हाल सिर्फ हाईवे पर ही नहीं पावटा कस्बे की सड़कों और गलियों में भी बना हुआ है। कमोबेश यही हालात ग्रामीण क्षेत्रों में भी है।

विराटनगर क्षेत्र के पावटा उपखंड में शनिवार सुबह उस समय बड़ा हादसा होने से टल गया जब एक दिल्ली से जयपुर जा रहा ट्रेलर पावटा के मुख्य बस स्टैंड पुलिया पर गौवंश को बचाने के चक्कर में बेकाबू हो गया। ट्रेलर चालक के अचानक ब्रेक लगाने के कारण ट्रेलर 90 डिग्री घूम कर एक तरफ से सड़क मार्ग को जाम कर दिया। अचानक तेज आवाज से हुए हादसे के कारण सभी लोग सकते में आ गए। मुख्य बस स्टैंड पर हमेशा विभिन्न राज्यों की रोडवेज बसें खड़ी रहती है और बड़ी संख्या में सवारियों की भीड़ रहती है, लेकिन गनीमत रही कि किसी भी प्रकार की कोई जनहानि नहीं हुई।

बदमाशों ने दो गाड़ियों से गणेश वाटिका की दीवार तोड़ी

पाटन, (निसं)। धांधेला बाईपास रोड से आगे गणेश वाटिका की चार दीवारी को दो गाड़ियों में सवार होकर आए 10-15 बदमाशों ने तोड़ डाला।

प्रॉपर्टी डीलर राजू सैनी ने बताया कि गणेश वाटिका की चारों तरफ ईंटों के ब्लॉक से चार दीवारी लगाई हुई थी, जिसकी हाइट लगभग 4 फीट थी। शनिवार को लगभग सवा दो बजे दो गाड़ियां आईं जिसमें एक कैंपर गाड़ी, दूसरी महिंद्रा की थार गाड़ी बताई जा रही है। इन दोनों गाड़ियों में लगभग 10-15 लोग सवार थे, इन लोगों ने वाटिका के चारों तरफ लगी चार दीवारी में लगभग 40 मीटर चारदीवारी को अपनी गाड़ी की टक्कर लगा लगाकर तोड़ डाला। ये दोनों गाड़ियां एक बार तो पाटन बाईपास की तरफ आई। बाद में वापस धांधेला की तरफ जाती हुई बताई जा रही है। जहां प्लोटिंग हो रही है वहां पर कोई भी नहीं रहता, इसका फायदा उठाते हुए ही घटना को अंजाम दिया गया है। चार दीवारी को तोड़ने की सूचना आने जाने वाले लोगों ने मुझे दी, उसके बाद में वहां पहुंचा। पुलिस चाहे तो इस मार्ग पर लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल सकती है और वाहनों के नंबरों की

गणेश वाटिका की टूटी हुई चार दीवारी।

जानकारी ले सकती है।

गौरतलब है कि प्लोटिंग से पाटन थाने की दूरी मुश्किल से एक किलोमीटर है, ऐसे में दिनदहाड़े इस घटना के बाद लोगों में भय बना हुआ है, क्योंकि पाटन वाटी क्षेत्र में अपराध चरम सीमा पर बढ़ता हुआ जा रहा है। समय रहते अगर अंकुश नहीं लगा तो आमजन को भय के साए में जीना पड़ेगा। राजू सैनी ने यह भी बताया कि पहले इस जमीन पर पाटन की किसी विधवा महिला ने कब्जा कर रखा था उस दौरान भी कुछ लोग आए थे परंतु लोगों के दबाव के चलते इस प्रकरण का निस्तारण कर दिया गया है, निस्तारण होने के बाद में इस घटना को अंजाम दिया गया है। राजू सैनी ने इस घटना की जानकारी पाटन थाने को दे दी है।

डॉक्टर व नर्सिंग स्टाफ से मारपीट व अभद्र व्यवहार को लेकर धरना दिया

चिकित्सा कर्मियों ने कार्य बहिष्कार कर आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की

बिजयनगर, (निसं)। शुक्रवार रात्रि को राजकीय उपजिला चिकित्सालय में डॉक्टर व नर्सिंग स्टाफ के साथ हुई मारपीट व अभद्र व्यवहार को लेकर शनिवार को चिकित्सा कर्मियों ने कार्य का बहिष्कार करते हुए चिकित्सालय परिसर में धरना दिया। चिकित्सा कर्मियों ने विरोध प्रदर्शन के दौरान जमकर नारेबाजी करते हुए आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार रात्रि को एम्बुलेंस में कार्यरत संविदाकर्मी शैलेंद्र सिंह के भाई को अंगूठे पर चोट लगने पर इलाज के लिए राजकीय अस्पताल पहुंचा। ड्यूटी पर तैनात नर्सिंगकर्मी पुनीत पारीक ने मर्हरम पट्टी करते हुए ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक अरुण को दिखाने की बात कही, जिससे नाराज होकर शैलेंद्र सिंह ने गाली गलौच करते हुये मारपीट शुरू कर दी। पुलिस में दर्ज रिपोर्ट के अनुसार आरोपी 15 से

बिजयनगर के राजकीय उप जिला चिकित्सालय में प्रदर्शन करते चिकित्साकर्मियों से पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों ने समझाइश की।

18 लोगों को लेकर राजकीय चिकित्सालय पहुंचा। राजकीय उप जिला चिकित्सालय प्रभारी राजेंद्र शर्मा ने देर रात पुलिस थाना पहुंचकर मामले की रिपोर्ट दर्ज करवाई। शनिवार को बीती रात राजकीय उप जिला चिकित्सालय में हुई वारदात से आक्रोशित चिकित्सा कर्मियों ने चिकित्सा कार्य का बहिष्कार करते हुए धरना प्रदर्शन किया। शनिवार को मध्यान्ह पश्चात नायब तहसीलदार रामनरेश शर्मा, थानाधिकारी राजमल कुमावत ने धरने पर बैठे चिकित्सा कर्मियों से समझाइश की। प्रशासन द्वारा दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई

■ नायब तहसीलदार और थानाधिकारी ने धरने पर बैठे चिकित्सा कर्मियों से समझाइश की

करने के साथ चिकित्साकर्मियों की सुरक्षा प्रदान करने के आश्वासन के बाद चिकित्सक एवं चिकित्साकर्मी अपने कार्य पर लौटे।

इस दौरान डॉ. राजेन्द्र शर्मा, डॉ. राजेन्द्र वर्मा, डॉ. अरविंद उदय, डॉ. नदीम सरदार, डॉक्टर मुकेश, डॉक्टर अनंत कोटिया, डॉ. विनोद सैनी, नर्सिंग स्टाफ निर्मल नागला, कैलाश नांगला, पुनीत पारीक, जय प्रकाश हावा, ममता शर्मा, विमला सुथार, गौरव व्यास, इंद्रा बीना, प्रहलाद, हनुमान, कल्पना, रेखा शर्मा, शारदा व्यास, मंजू सेन सहित चिकित्साकर्मी मौजूद रहे।

संक्षिप्त

धूमधाम से मनाई गणेश चतुर्थी

गोविंदगढ /अलवर (गोविंद गौतम) गोविंदगढ कस्बे के गणेश मंदिर को बडे ही धूमधाम से सजाया गया गणेश मंदिर के महंत गिर्राज शर्मा ने बताया कि भक्त अपने मन में आस्था और मनोकामना लिए हुए रिद्धि- सिद्धि के दाता के दरबार में हाजिरी लगा रहे हैं। सवेरे से ही बच्चों सहित महिलाएं, पुरुष मंदिर पहुंचकर भगवान गणेश जी का आशीर्वाद और प्रसाद प्राप्त कर रहे हैं। दोपहर 3:00 बजे मंदिर से भव्य शोभायात्रा झांकियां के साथ कस्बे मुख्य बाजारों से होकर निकलेगी उसके बाद गणेश मंदिर पहुंचेगी शाम 6:00 बजे माखन मटकी का कार्यक्रम मंदिर के आगे में किया जिसमें महिला बच्चे बुजुर्गों भारी संख्या में आकर गणेश चतुर्थी पर्व का भरपूर आनंद लिया और गणपति बप्पा मोरया के जयकारे गुंजे सभी को प्रसादी वितरण की गई भगवान गणेश के प्रति श्रद्धालुओं की भावना देखने को मिली।

भोजन पैकेट का वितरण

कोटपूतली। युवा कांग्रेस के पूर्व प्रदेश महासचिव भीम पटेल द्वारा पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट के जन्मदिवस पर शनिवार को घुमन्तु जातियों के जरूरतमंद परिवारों को कस्बे के मुख्य चौराहे पर कपडे व भोजन पैकेट का वितरण किया गया। वहीं पटेल ने कस्बा स्थित राजकीय बीडीएम जिला अस्पताल में मरीजों को फलों का वितरण किया। साथ ही उनकी ओर से स्वैच्छिक रक्तदान भी किया गया। इस मौके पर डॉ. एस.के. अग्रवाल, डॉ. जयनारायण बैरवा, डॉ. जयदयाल, बलवीर यादव, रमाकांत यादव, उमेश वर्मा, रघुनाथ, राहुल सैनी, जगदीश गुर्जर, विष्णु, अशोक सैनी, कृष्ण रावत, महेन्द्र रावत, शिवपाल, सुरेश सैनी व दीपक समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

संजय चौधरी को मिली डॉक्टरेट की उपाधि

कोटपूतली। कस्बा निवासी संजय चौधरी (सोनू) को डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की गई है। संजय चौधरी ने अपना शोध कार्य प्रोफेसर डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के निर्देशन में राजऋषि भर्तृहरि मत्स्य विश्वविद्यालय अलवर से पूर्ण किया है। चौधरी ने बहरोड तहसील में नगरीकरण से सामाजिक-आर्थिक विकास का भौगोलिक अध्ययन (1995 से 2020 तक के संदर्भ में) विषय पर शोध कार्य किया। वर्तमान में डॉ. चौधरी विद्या संबल योजनान्तर्गत राजकीय महाविद्यालय विराटनगर में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत है।

राजवीर जाट ने नई पद्धित विकसित की

निवाई । सिरस के गांव वजीराबाद बुरियों का खेड़ा गांव के राजवीर जाट ने आर्थिक गतिविधियों के पूर्व अनुमान के लिए एक नई पद्धित विकसित की है। उनके शोध पत्र को विश्व की श्रेष्ठतम अर्थ नीति कॉन्फ्रेंस 2024 में शामिल किया गया है। अर्थ नीति शोध पत्र को भी शामिल किया गया है। रिसर्च में कई नोबेल पुरस्कार विजेता शामिल हैं। राजवीर जाट के आर्थिक शोध पत्र को रिसर्च विवेचना करने के लिए चयनित किया है। इस कांफ्रेंस कंपीटीशन में पूरे अमेरिका में सिर्फ तीन चार पीएचडी स्कॉलरशिप चयनित होते हैं। राजवीर के अलावा अन्य छात्र नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्रियों के साथ अध्ययन करते हैं। राजवीर अपने रिसर्च के बारे में बताते हैं कि उनकी पद्धित मशीन लर्निंग एवं आधुनिक गणितीय तरीके को आर्थिक गतिविधियों के पूर्व अनुमान में लगती है। राजवीर सभी होनहार विद्यार्थियों के लिए एक प्रेरणा है। उन्होंने एक छोटे से गांव की सरकारी स्कूल से आठवीं तक पढाई की थी। राजवीर ने अपनी प्रतिभा से दुनिया के शोध कम्युनिटी में जगह बनाई है।

आवेदन की अन्तिम तिथि 15 सितम्बर

निवाई- जिला मुख्यालय पर नव निर्मित छात्रावास में 20 छात्रों के प्रवेश के लिए 15 सितम्बर तक प्रवेश फार्म भरे जा सकेंगे। अखिल भारतीय रैगर महासभा के जिलाध्यक्ष शंकरलाल हाथीवाल ने बताया कि आवेदन पत्रों की जांच 16 सितम्बर से 20 सितंबर तक की जाएगी। प्रथम सूची का प्रकाशन 21 सितम्बर को किया जाएगा। प्रवेश के लिए छात्र अपनी शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्रएआधार कार्ड एवं मूल निवास प्रमाण पत्र सहित आवेदन पत्र छात्रवास अधीक्षक सुरेश जाबडोलिया, मनराज वर्मा एवं रामजीलाल खमोखरिया के पास 15 सितम्बर तक जमा करवा सकते हैं।

छठवें दिन 5 सूत्रीय सभी मांगों पर सहमती बनने पर धरना समाप्त

चौरु/उनियारा। उनियारा उपखण्ड क्षेत्र की पंचायत समिति मुख्यालय अलीगढ पर बीते दिनों 1 सितम्बर से ग्राम पंचायत बिलोता के विकास व निर्माण कार्यों समेत पीएम आवास योजना में अनियमितताओं, धांधली, गबन व भ्रष्टाचार के जुड़े मामले में पंचायत समिति के विरूद्ध जागरूक नागरिक आमजन सेवा समिति संयोजक व शाला प्रबन्धन समिति राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय सहादतनगर के अध्यक्ष शिवराज बारवाल मीना (सामाजिक कार्यकर्ता) द्वारा दिया जा रहा था धरना शनिवार को छठे दिन समाप्त हुआ।

इस दौरान धरना प्रदर्शन को क्षेत्र के कई जन-प्रतिनिधियों एवं आमजन का भी समर्थन मिला। दिनों-दिन धरना प्रदर्शन की चर्चाएं आमजन में हो रही है। धरने के पांचवे दिन उनियारा वृताधिकारी सालेह मोहम्मद,एवं तहसीलदार देवेन्द्र कुमार राव भी धरना स्थल पर पहुंचे और धरनार्थी से बात चीत की है। पंचायत समिति सहित ग्राम पंचायत बिलोता से जुडी

ग्राम पंचायत बिलोता के विकास व निर्माण कार्यों समेत पीएम आवास योजना में अनियमितताओं की जांच की मांग को लेकर चल रहा धरना समाप्त हुआ।

स्कूल घटिया निर्माण पीएम आवास,नरेगा फजावाडा, निर्माण कार्यों में फर्जीवाडा समेत आरटीआई सूचना नहीं देने से जुडा मामला था धरनार्थी सामाजिक कार्यकर्ता शिवराज बारवाल मीना से मांगों के निस्तारण को लेकर वार्ता हुई है। वार्ता के दौरान ऐसे संकेत मिले हैं कि उपखण्ड प्रशासन के बीच सहमति बन सकती हैं । मांगों को लेकर उच्च स्तरीय जांच व दोषियों के विरूद्ध कार्यवाही को लेकर हुई गहन चर्चा की गई। अलीगढ़ पंचायत समिति मुख्यालय पर पांच वें दिन भी अनिश्चितकालीन धरना जारी रहा इस दौरान शनिवार सुबह को पंचायत समिति मुख्यालय अलीगढ पर 1सितम्बर से चल रहा धरना 6 वें दिन 5 सूत्रीय सभी मांगों पर सहमती बनने पर समाप्त कराया गया।धरना स्थल पर 2 दिन तक लगातार जिला व उपखण्ड प्रशासन के निर्देश पर पुलिस उपाधीक्षक उनियारा सलेह मोहम्मद व तहसीलदार अलीगढ

- मांगों को जायज व जनहित में मानते हुए जल्द कार्यवाही का आश्वासन दिया

देवेन्द्र कुमार राव वार्ता हुई, बैनर में शामिल सभी मांगे व मुद्दो पर आरोपी दोषियों के विरूद्ध उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच कमेटी आगामी 7 दिवस में गठित कराने एवं दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई कराने,पीएम आवास सहित निर्माण कार्यों की राशि को रिकवर कराने जांच रिकॉर्ड में फेरबदल करने का अलग से मुकदमा परिवादी द्वारा कराने और मानसिक छवि धूमिल कर प्रताडित करने वाले सरपंचों व असामाजिक तत्वों के विरूद्ध स्वतंत्र रूप से अलग से कोर्ट से कार्यवाही कराने, प्रमाणित तथ्यों अनुसार सभी मांगों को जायज व जनहित में मानते हुए जल्द कार्यवाही का आश्वासन दिया गया और दोषियों को जांच कमेटी में शामिल नहीं किया जाएगा।

शोभायात्रा में उमडे श्रद्धालु

निवाई । सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन अठावाल मंदिर में मुनि अनुसरण सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में 48 दिवसीय भक्तामर महामण्डल विधान के समापन पर भव्य शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें सैकडों श्रद्धालुओं की भीड उमड पडी। चातुर्मास कमेटी के अध्यक्ष सुनिल भाणजा ने बताया कि 48 दिवसीय भक्तामर महामण्डल विधान के समापन पर सर्वप्रथम प्रात: भगवान शांतिनाथजी के अभिषेक, शांतिधारा, भक्तामर महाअर्चना व विश्वशान्ति महायज्ञ एवं 48 पालकियों में श्रीजी की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें सर्वप्रथम ध्वज पताकाओं को लेकर श्रद्धालु जुलूस के आगे चल रहे थे।

किशोर सक्सेना अध्यक्ष निर्वाचित

दौसा । कैटरिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष पद पर किशोर सक्सेना का निर्वाचित होना दौसा के कैटरिंग व्यवसायियों के लिए एक महत्वपूर्ण घटना है। गेटोलाव धाम में शुक्रवार को हुए इस चुनाव के परिणाम ने न केवल संगठन के भविष्य को नई दिशा दी है, बल्कि स्थानीय व्यवसायियों की उम्मीदें भी सक्सेना से जुडी हैं। संरक्षक संजय जैन ने सक्सेना के नेतृत्व की सराहना की और विश्वास जताया कि वे संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में सफल होंगे।

किशोर सक्सेना ने अध्यक्ष पद ठाहण करते हुए संगठन की मजबूती और रात्रि 12 बजे के बाद मैरिज गार्डन में किसी भी गतिविधि पर रोक लगाने पर जोर दिया। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि संगठन की नई

दौसा कैटरिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष पद पर किशोर सक्सेना का निर्वाचित हुआ।

कार्यकारिणी का गठन जल्द ही किया जाएगा, जिससे संगठन को अधिक प्रभावी तरीके से संचालित किया जा सके। इस अवसर पर दौसा के सभी प्रमुख कैटरिंग व्यवसायी उपस्थित थे, जिससे यह स्पष्ट होता है कि कैटरिंग एसोसिएशन का यह चुनाव स्थानीय व्यापार जगत में गहरी रुचि का विषय है।

कालाडेरा में प्रशिक्षण शिविर का हुआ समापन

चौमू / कालाडेरा, (निंस) कालाडेरा कस्बे में स्थित राजकीय वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय में चल रहे ,राजस्थान राज्य संस्कृत शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान महापुरा जयपुर द्वारा आयोजित षड् दिवसीय कम्पूटर आधारित दक्ष प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण शिविर का समापन समारोह शनिवार को दिनांक 7 सितम्बर 2024 को कस्बे में स्थित माहेश्वरी धर्मशाला में आयोजित हुआ। समापन समारोह की शुरुआत मां सरस्वती के पूजन से हुई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि युवा व्यवसायी रघुनंदन भाला सारस्वत अतिथि शिक्षाविद् सांवरमल शास्त्री विशिष्ट अतिथि पी ई ई ओ जगदीश प्रसाद सैनी एवं प्रधानाचार्य श्रीमती सुमन झालानी रहे। अतिथि स्वागत के पश्चात दक्ष प्रशिक्षक उपेन्द्र सांखला एवं नितेश शर्मा

कालाडेरा कस्बे में स्थित राजकीय वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय में चल रहे कम्प्यूटर आधारित दक्ष प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण शिविर का समापन समारोह आयोजित हुआ।

ने शिविर का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। शिविर में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले दक्ष प्रशिक्षकों ने भी अपने अनुभव साक्षा किये। शिक्षाविद् सांवरमल शास्त्री ने भी प्रशिक्षण की उपादेयता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन पूर्व प्राध्यापक गिरधारी लाल शर्मा ने किया। शिविर व्यवस्थापक संतोष नागर ने बताया कि इस प्रशिक्षण शिविर में राजस्थान के सभी संभागों के 36 शिक्षक प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं जो अपने अपने जिलों में जाकर दक्ष प्रशिक्षक की भूमिका का निर्वहन करेंगे । मुख्य अतिथि रघुनंदन भाला की ओर से समस्त संभागीयों एवं अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए।

नगर भ्रमण के साथ गणपति उत्सव शुरु

किशनगढ़ बास। गणेश चतुर्थी पर शहर के वार्ड 9 मुख्य बाजार खुराना चौक पर पंडित राजाराम शर्मा व दीपक मिश्रा ने विधि विधान से पूजा अर्चना कराकर गणपति बप्पा मोरया की गूंज के साथ गणपति विराजमान कराए । इससे पहले गणपति भगवान की प्रतिमा को नगर भ्रमण कराया गया। जगह-जगह रास्ते में भक्तों ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया।

गणपति पूजा में मीनाक्षी मुकेश सोनी राजेश आडवाणी सचिन कुमार गौरव खुराना सुरेश कुमार ने मंत्रोच्चार के साथ पूजा की। गणपति आरती में बड़ी संख्या भक्तजन उपस्थित रहे। सब्जी पूरी लड्डुओं का प्रसाद वितरण किया गया। गणपति उत्सव आयोजन समिति के संरक्षक मदन लाल अठावाल हरमेश खुराना सहित शहीद खान हरीओम गुप्ता सांवरिया हिमांशु गुप्ता गुलशन घारी सिंधी आदि सदस्यों ने पूजा में शामिल हुए गणमान्य लोगों का दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया। पुजारी दीपक शर्मा ने बताया कि प्रत्येक दिन सुबह 8:00 बजे वह 7 बजे आरती व प्रसाद वितरण किया जाएगा।

गणपति मंदिरों पर गणपति बप्पा मोरिया की गूंज

राजगढ़ । कस्बे के गणेश पोल स्थित रिद्धि सिद्धि विनायक मंदिर पर मेला एवं बड़ा गणपति मंदिरों पर गणपति बप्पा मोरिया की गूंज रही। इस अवसर पर आकर्षकझाकियों के साथ भव्य शोभा यात्रा निकाली गई ।शनिवार प्रात काल से ही दोनों मंदिरों में पूजा अर्चना करने वाले श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ा। इसी दौरान मंदिरों में भव्य झांकियां एवं सजावट प्रमुख आकर्षण का केंद्र रही। इससे पूर्व कभी रिमझिम तो कभी तेज बारिश के कारण गणेश मंदिरों में व्यवस्थाएं प्रभावित रही, मगर श्रद्धालुओं का जोश कम नहीं हुआ।

गणेश चतुर्थी महोत्सव को लेकर दोनों मंदिरों में आयोजकों की ओर से श्रद्धालुओं को सुविधाजनक गणपति दर्शन के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। रिद्धि सिद्धि विनायक गणेश जी महाराज ट्रस्ट की ओर से 7 सितंबर को भव्य श्रृंगार, आरती, महाकाल सहित अनेक झांकियां एवं साय 6:15 बजे महा आरती का आयोजन हुआ। मंदिर के महंत त्रिलोक शर्मा अध्यक्ष बसंत गुप्ता ने बताया कि गणेश चतुर्थी महोत्सव को भव्य एवं आकर्षक बनाने के पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। गणेश जन्मोत्सव को लेकर कस्बे में चारों ओर तोरण द्वार बनाकर दुल्हन की तरह सजाया गया है। बड़ा

राजगढ़कस्बे के गणेश पोल स्थित रिद्धि सिद्धि विनायक मंदिर पर मेला भरा। इस दिन गणपति मंदिरों में आकर्षक झाकियों के साथ भव्य शोभा यात्रा निकाली गई ।

गणपति मंदिर पर आयोजित कार्यक्रम से जुडे अध्यक्ष अशोक खुटेटा, महेश आकड एवं अन्य ने बताया कि आसपास के भवनों पर भव्य प्रकाश व्यवस्था एवं श्रद्धालुओं के लिए दर्शन की विशेष व्यवस्था की गई। पुलिस प्रशासन का पुख्ता प्रबंध रहा।खाटूधाम के लिए पदयात्रा हुई रवाना : निवाई शहर की इन्दिरा कालोनी स्थित श्याम मंदिर से खाटूधाम के लिए शनिवार की सुबह पदयात्रा रवाना हुई। श्याम मित्र मंडल के अध्यक्ष रवि अठावाल ने बताया कि श्याम मंदिर में पदयात्रियों ने श्याम बाबा और निशान की पूजा अर्चना की। इसके बाद सभी पदयात्रियों का पालिकाध्यक्ष दिलीप इसरानी ने स्वागत किया। श्याम पदयात्रा का जुलूस श्याम मंदिर से रवाना होकर शहर के विभिन्न मार्गों से होकर गुजरा। पदयात्रा के जुलुस में शामिल पदयात्री श्याम बाबा के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। जुलुस मार्ग में श्रद्धालु जगह-जगह बाबा श्याम की आरती उतारकर पुष्पवर्षा करते हुए दिखाई दिए। जुलुस में शामिल पदयात्री श्याम बाबा के भजनों पर नाचते गाते हुए चल रहे थे। पदयात्रियों का बाईपास पहुंचने पर अंगीरा धाम पर स्वागत किया गया। विनोद तिवाडी ने बताया कि पदयात्रा गुरूवार को खाटूधाम पहुंचेगी। जहां भजन संध्या आयोजित की जाएगी और मंदिर पर निशान अर्पित कर सवामणी की जाएगी। पदयात्रा के जुलूस में रामचरण विजय, सर्वेश द्विवेदी, पुरषोत्तम शर्मा, सुभम बोहरा, कुलदीप टेलर, सौरभ जैन, अजय जैन, सुमित सैनी, सर्वेश शर्मा, रवि पारीक, मदन तिवाडी, मुरारी अठावाल, हीरू सिंधी व महेश दरगड सहित कई श्याम भक्त मौजूद थे।

सार-समाचार

सांभर से हरिद्वार के लिए स्पेशल बस सेवा शुरू

सांभरझील। राजस्थान सरकार की मोक्ष कलश यात्रा योजना के तहत सांभर से हरिद्वार के लिए स्पेशल बस सेवा शुरू हुई। यह बस सांभर से शाम 4.15 बजे चलकर जोबनेर, कालवाड रामपुरा, चितवाडी, मनोहरपुर, शाहपुरा, कोटपुतली, निमराना, बबलचौक, गुडगांव, दिल्ली, मोदीनगर मेरठ, खातोली, रूडकी होते हुए सुबह 6.15 हरीद्वार पहुंचेगी और वापसी में उसी दिन शाम 3 बजे से हरिद्वार से चल कर सुबह 5 बजे सांभर पहुंचेगी। बुकिंग इंचार्ज जितेश शर्मा ने बताया कि मोक्ष कलश के साथ दो सवारी का आना-जाना फ्री वही ठाामीणों द्वारा गंगा स्नान एवं मोक्ष कलश के लिए स्पेशल बस सेवा शुरू होने पर ड्राइवर-कंडक्टर का माला पहनाकर स्वागत किया।

केक काटकर की पायलट की लम्बी उम्र की कामना

कोटपूतली। पूर्व डिप्टी सीएम व एआईसीसी महासचिव सचिन पायलट का 47 वाँ जन्मदिन शनिवार को कोटपूतली में कांग्रेसजनों द्वारा बडे ही धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस मौके पर पायलट की मंशा अनुरूप कस्बा स्थित श्री जयसिंह गौशाला में जिला स्तरीय गौ सेवा संकल्प कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जहाँ कांग्रेस नेताओं व कार्यकर्ताओं ने गौ माताओं को गुड व दलिया के साथ गौ सवामणी खिलाई। साथ ही उनके दैनिक भोज के लिये हरा व सुखा चारा भी अर्पित किया। इस मौके पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केक काटकर पायलट की लम्बी उम्र व उज्जवल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में पूर्व संसदीय सचिव रामस्वरूप कसाना द्वारा दो पिकअप सुखा चारा गौशाला को भेंट किया गया। वहीं पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष व कांग्रेस नेता सांवत गुर्जर ने चार सवामणी, एक ट्रैक्टर हरा चारा एवं 50 किलो गुड़ गौशाला को अर्पित किया। पूर्व मंत्री शकुन्तला रावत ने 5100 रूपयों की नकद राशि व प्रतिमाह एक सवामणी भेंट करने की घोषणा की। विराटनगर के पूर्व विधायक इन्द्राज गुर्जर द्वारा भी एक गाड़ी चारा गौशाला को भेंट किया गया। युवा कांग्रेस के पूर्व प्रदेश सचिव प्रदीप गुर्जर ने एक सवामणी, कांग्रेस नेता छीत्तरमल रावत ने एक सवामणी गौशाला को भेंट की। बानसूर से आये पीसीसी मेम्बर सरजीत खटाना ने 4030 किलोग्राम सुखा व 3855 किलोग्राम हरा चारा गौशाला को भेंट किया। बानसूर के पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष आशुतोष शर्मा ने 6100 रूपये श्री जयसिंह गौशाला को भेंट किये। वहीं पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष व जिला पार्षद मन्जू रावत ने भी एक सवामणी श्री जयसिंह गौशाला को भेंट की। इस दौरान पूर्व विधायक रामचन्द्र रावत, पूर्व चौयरमैन प्रकाश चन्द सैनी, कांग्रेस नेता रामनिवास यादव, इंजी. दिनेश मीणा, सेवा दल जिलाध्यक्ष रघुवीर यादव, सरपंच जगमाल यादव, मालीराम कम्पाउन्डर, सेडुराम कसाना, युवा कांग्रेस के पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष राकेश रावत समेत अन्य पदाधिकारियों ने अतिथियों का स्वागत किया।

सचिन पायलट के जन्मदिन पर गो सवामणि

किशनगढ़ बास। पूर्व उपमुख्यमंत्री राजस्थान एवम अखिल भारतीय कांठोस कमेटी के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट के 47 वे जन्मदिन पर श्री कृष्ण गौशाला में गौ माता सवामणि एवं रक्तदान शिविर का आयोजन बंबोरा घाटा हनुमान मंदिर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राजस्थान प्रदेश कांठोस कमेटी के सचिव बलराम यादव एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता पंचायत समिति तिजारा उपप्रधान दयाराम चावडा द्वारा की गई कार्यक्रम में गोस्वामनी के दौरान 61मन हरा चारा , गुड 1 क्विंटल, 50 मन सूखा चारा गौ शाला में दान कर गौ माता का विधि विधान से पूजन किया गया यादव ने बताया कि रक्तदान शिविर में युवाओं द्वारा बढ चढकर भाग लिया जा रहा है। शिविर में 151 यूनिट रक्तदान एकत्रित हुआ रक्तदान शिविर के अंत में उपप्रधान दयाराम चावडा द्वारा रक्तदान कर शिविर का समापन किया गया। इस दौरान जिला पार्षद चंद्रभान गुर्जर, पूर्व सरपंच हैतराम, युवा कांठोस विधानसभा पूर्व अध्यक्ष रामनिवास प्रजापत युवा कांठोस के जिला अध्यक्ष पवन खटाना, राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के ब्लॉकअध्यक्ष गुलाब शर्मा, मेहर दीन, जिला उपाध्यक्ष यूथ कांठोस व पार्षद अर्जून ठाकुर, युवा नेता संजय चावडा सेवखेडा, रामकुमार चावडा,राजेश तवर, भोरे लाल , फकीरा पूर्व सरपंच,अंतू, कृष्ण यादव, रवि सैन, ब्लॉक अध्यक्ष कांठोस रामफूल डाई , कर्म चावडा, नवीन, देशराज, तिजारा कॉलेज उपाध्यक्ष अजय चंदेला, ओम वीर, सदीप ओला, राहुल दायमा,सहित कई सकडो कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अभियान 11 से

निवाई । प्रशासन द्वारा सूअरों पर कोई कार्यवाही नहीं करने के कारण किसान महापंचायत द्वारा गांव गांव ढाणी ढाणी संग अभियान की शुरुआत ठाम पंचायत खंडवा से 11 सितंबर से शुरू होगी। किसान महापंचायत के अध्यक्ष दशरथसिंह चौहान ने बताया कि सुअरों ने किसानो की फसलों को पूरी तरह से बर्बाद कर दिया है। जिसको लेकर उपखंड अधिकारी, विधायक व जिला कलेक्टर को देने के बाद भी 3 महीने से प्रशासन द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। जिसको लेकर किसान महापंचायत द्वारा गांव ढाणी के संग अभियान की शुरुआत ठाम पंचायत खंडवा से 11 सितम्बर से किया जाएगा।

महिला छात्रावास निर्माण कार्य का शिलान्यास

कोटपूतली। कस्बे के टापरी रोड पर शनिवार को महिला थाना के सामने मेघवाल विकास समिति के तत्वाधान में मेघवाल महिला छात्रावास के निर्माण कार्य का भारत सरकार के विधि एवं न्याय राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल ने बतौर मुख्य अतिथि शिलान्यास किया। इस मौके पर मेघवाल ने जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेन्द्र सिंह व अन्य अतिथियों के साथ निर्माणाधीन महिला छात्रावास की पहली ईंट लगाकर विधि विधान से पूजा अर्चना की। मेघवाल ने कहा कि श्री गणेश चतुर्थी के शुभ अवसर पर महिला छात्रावास का निर्माण कार्य शुरू होना एक सकारात्मक संदेश है। इससे यहाँ पढने वाली बालिकाओं व महिलाओं को सर्वांगीण विकास का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि जरूरी है कि समाज के विभिन्न जाति व वर्गो के बीच आपसी समरसता बढे। क्योंकि सामाजिक समरसता बढेगी तो प्रत्येक समाज का उत्थान होगा। जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेन्द्र सिंह ने कहा कि यह छात्रावास वंचित व शोषित वर्ग की महिलाओं व बालिकाओं को जीवन में सफलता के पथ पर आगे बढने का मार्ग प्रशस्त करेगा। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर भाजपा एससी मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष कैलाश मेघवाल, बानसूर विधायक देवी सिंह शेखावत, विधायक प्रतिनिधि करण पटेल, पूर्व मंत्री राजेन्द्र सिंह यादव, नगर परिषद सभापति पुष्पा सैनी, सभापति प्रतिनिधि एड. दुर्गाप्रसाद सैनी व भाजयुमो के पूर्व प्रदेश मंत्री राजकुमार देवायुष सिंह शाहपुरा ने भी शिरकत की। सामदा धाम के महन्त श्री श्री 108 श्री हरिनाथ जी महाराज आर्शीवचन कहे। सभी अतिथियों ने पट्टीका का लोकार्पण कर छात्रावास निर्माण की नींव रखी। विशिष्ठ अतिथि के रूप में सेवानिवृत आईआरएस डी.आर. रैवाला ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। समिति के जिलाध्यक्ष एड. सुबेसिंह मोरोडिया ने अतिथियों का स्वागत करते हुये विभिन्न समस्यायें गिनवाई व छात्रावास के लिये मांग पत्र रखा। मुख्य अतिथि मेघवाल ने अपने मंत्रालय से 10 लाख रूपये देने की घोषणा करते हुये कौशल विकास मंत्रालय से छात्रावास में महिला कौशल विकास केन्द्र खुलवाने का आश्वासन दिया। सांसद राव राजेन्द्र सिंह ने सांसद कोष से 10 लाख रूपये दिये जाने की घोषणा की। समिति के अध्यक्ष छोटूराम सामरिया ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये अतिथियों का आभार व्यक्त किया। सभी अतिथियों का माला व साफा पहनाकर स्वागत किया गया। इस दौरान मिरचूराम सांवरिया, अलवर जिलाध्यक्ष करण सिंह छाछिया, तहसील अध्यक्ष अशोक पनवाल, चेतराम आर्य, दयाराम, राजू सरपंच, सुन्दर लाल, हरिपाल वर्मा, ओमप्रकाश आर्य, गिरधारी लाल, रामसिंह मैनेजर, आर.एस. झांझरिया, श्रीराम बाबूजी, बदलूराम आर्य, पार्षद उमेश आर्य, बसंत मांडेया, मुकेश कुमार, बीएस बेनीवाल, मातादीन दहमीवाल, रामपत सुंठवाल, कैलाश चंद धानका, भगवान सहाय, चिरंजी लाल आर्य, जगदीश आर्य, मदन लाल वर्मा, महेन्द्र रैवाला व कैलाश चन्द खापरवाल सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त

पारीक बने पुष्कर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष

मालपुरा, (निस) अखिल भारतीय पारीक आश्रम ट्रस्ट पुष्कर के वार्षिक चुनाव में मालपुरा के समाजसेवी अटल पारीक को ट्रस्ट उपाध्यक्ष निर्वाचित होने पर समाज बंधुओ ने बधाई दी। चुनाव पर्यवेक्षक की देखरेख मे सम्पन्न हुये वार्षिक चुनाव मे कैलाश चन्द जोशी कोढ अध्यक्ष निर्वाचित हुये। नवीन कार्यकारिणी मे मालपुरा पारीक समाज अध्यक्ष कृष्ण चन्द्र पारीक,अटल पारीक को उपाध्यक्ष का दायित्व सौपने पर राजस्थानी पगडी व माला पहना कर स्वागत अभिनन्दन किया गया। मालपुरा पारीक समाज मे हर्ष की लहर दौड पडी। अटल पारीक ने समाज व ट्रस्ट हित मे कार्य करने का विश्वास दिलाया।

छात्र-छात्राओं को बांटे टेबलेट

टोंक। दत्तवास क्षैत्र के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सिरोही में राज्य सरकार की ओर से होनहार विद्यार्थियों को निशुल्क टेबलेट दिए गए। टेबलेट वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सरपंच प्रमिला बेनीवाल रहे, सरपंच ने छात्र-छात्राओं को कहा कि सरकार की ओर से दिए जा रहे इन टेबलेट का सदुपयोग करे और शिक्षा के क्षेत्र में नाम रोशन करे। टेबलेट वितरण कार्यक्रम के दौरान समाजसेवी सुरेंद्र बेनीवाल ने बताया कि राज्य सरकार के द्वारा निशुल्क टेबलेट योजना अंतर्गत राजकीय विद्यालय सिरोही में अध्ययनरत कक्षा 8, 10 एवं कक्षा 12 के टॉपर 8 विद्यार्थियों को टेबलेट वितरित किए गए।

कुश्ती प्रतियोगिता का समापन

शाहपुरा । शाहपुरा के गांव पिपलोद में तीन दिवसीय कबड्डी कुश्ती प्रतियोगिता का समापन शुक्रवार को हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रोहिताश भडाना आर के ग्रुप शाहपुरा व विशिष्ट अतिथि समाजसेवी सुभाष पोसवाल, एसआई माधव कुमार सराधना थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कमलेश कुमार जोशी ने की। इस दौरान मुख्य अतिथि ने कहा कि खेल को खेल के भावना से खेलना चाहिए। जीतने वाले को कभी घमंड नहीं करना चाहिए हार वाले को कभी निराश नहीं होना चाहिए हार जीत एक सिक्के के दो पहलू है। कार्यक्रम के आयोजक सुरेंद्रकुमार सराधना ने बताया की कबड्डी का मुकाबला अंबेडकर टीम पीपलोद व खोरा लाडखानी के बीच खेला गया जिसमें अंबेडकर टीम पीपलोद विजेता रही। कुश्ती विकास पहलवान व अशोक दहिया के बीच हुई जिसमें विकास पहलवान विजेता रहे। विजेता टीम और उपविजेता दोनों को ट्रॉफी दी। इस मौके पर विजय कुमार पीटीआई, मुरारी रावत, रामवतार सराधना, रितेश, सीताराम सराधना, मुकेश सैन, हेमपाल सराधना, कमलेश शर्मा, महेन्द्र सराधना सहित ग्रामीण युवा टीम मौजूद रही।

बेटियां होगी राज्य स्तर पर सम्मानित

श्रीमाधोपुर । राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय ढाणी गुमान सिंह में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। वरिष्ठ अध्यापक गिरधारी सिंह रूलानियां ने बताया कि कक्षा दसवीं की प्रिया यादव पुत्री चौथमल यादव, कक्षा बारहवीं में चेतना सैनी पुत्री रामसिंह सैनी, खुशबू योगी पुत्री घासीलाल ने बोर्ड परीक्षा में उच्चतम अंक हासिल करने पर राज्य स्तरीय मेरिट प्राप्त की है। जिसको लेकर तीनों बेटियों का चयन कर पीसी टेबलेट राज्य सरकार द्वारा देकर सम्मानित किया जाएगा। प्रधानाचार्य भूपेंद्र कुमार ने तीनों बेटियों के उज्जवल भविष्य की कामना की। इस मौके पर वरिष्ठ व्याख्याता मनोज सैनी, प्रियंका चतुर्वेदी, मीठालाल मीणा ,शिक्षाविद गिरधारी सिंह रूलानिया, दयाशंकर जांगिड, महावीर यादव, कृष्ण कुमार मीणा सहित अन्य स्टाफ उपस्थित थे।

गणेश मंदिर में सजावट

गोविंदगढ़ /अलवर । गोविंदगढ़ कस्बे के गणेश मंदिर को बड़े ही धूमधाम से सजाया गया गणेश मंदिर के महंत गिर्राज शर्मा ने बताया कि भक्त अपने मन में आस्था और मनोकामना लिए हुए रिद्धि- सिद्धि के दाता के दरबार में हाजिरी लगा रहे हैं। सवेरे से ही बच्चों सहित महिलाएं, पुरुष मंदिर पहुंचकर भगवान गणेश जी का आशीर्वाद और प्रसाद प्राप्त कर रहे हैं। दोपहर 3:00 बजे मंदिर से भव्य शोभायात्रा झांकियां के साथ कस्बे मुख्य बाजारों से होकर निकलेगी उसके बाद गणेश मंदिर पहुंचेगी शाम 6:00 बजे माखन मटकी का कार्यक्रम मंदिर के आगे में किया जिसमें महिला बच्चे बुजुर्गों भारी संख्या में आकर गणेश चतुर्थी पर्व का भरपूर आनंद लिया और गणपति बप्पा मोरया के जयकारे गुंजे सभी को प्रसादी वितरण की गई भगवान गणेश के प्रति श्रद्धालुओं की भावना देखने को मिली।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केक काट कर मनाया पायलट का जन्मदिन

टोंक। कांग्रेस महासचिव, छत्तीसगढ़ प्रभारी एवं टोंक विधायक सचिन पायलट का 7 सितम्बर को 47वां जन्मदिवस जिला कांग्रेस कमेटी टोंक द्वारा गौ सेवा के रूप में धुमधाम से मनाया गया।

अम्बेडकर खेल स्टेडियम टोंक में जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी, जन प्रतिनिधि तथा स्टेडियम में गायक कलाकारों ने जन्मदिन के मंगल गीत गाये, तत्पश्चात 47 पौंड का केक काटकर सचिन पायलट दीर्घायु, मंगलमय जीवन की कामना की। सभी कांग्रेसजन गांधी गौशाला टोंक पर चारा वितरण के लिए रवाना हुए, गंधी गौशाला में बड़ी संख्या में कांग्रेस दानदाताओं द्वारा हरा चारा सुखे चारा, गुड़ गायों को खिलाया गया।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष हरि प्रसाद बैरवा के साथ, सऊद सईदी, रामबिलास चौधरी, कमल बैरवा, कुदीप राजावत, दिनेश चौरासिया, सुनील बंसल, कैलाशी देवी मीणा, इरशाद बेग, हंसराज फागणा, अलका बैरवा, शब्बीर अहमद, पंकज यादव, युसुफ इंजिनियर, आतिफ नक़वी, मंयक गेयल, अब्दुल खालिक, महावीर तोग्डा, जर्रार खान, इम्तियाज खान, हंसराज गाता, सतवीर गुर्जर, रामलाल सण्डीला, कमलेश चावला, हनुमान यादव, अशोक महावर, सी.पी. श्रीवास्तव, धमेन्द्र सालोदिया, राहुल सैनी, बजरंग वर्मा, इत्यादि बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

- अम्बेडकर खेल स्टेडियम टोंक में कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी, जन प्रतिनिधि तथा गायक कलाकारों ने पायलट जन्मदिन के मंगल गीत गाये

टोंक विधायक सचिन पायलट का 7 सितम्बर को 47वां जन्मदिवस जिला कांग्रेस कमेटी टोंक में धूमधाम से मनाया।

गणेश महोत्सव शुरु

देवली (निसं)। यहां विश्व हिंदू परिषद,बजरंग दल के संयुक्त तत्वाधान में दस दिविसीय भव्य गणेश महोत्सव प्रारंभ हुआ। समिति के मीडिया प्रभारी अमित ने बताया की हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी गणेश चतुर्थी से अन्नत चतुर्दशी दस दिवसीय भव्य गणेश महोत्सव का आयोजन शुरू हुआ। विश्व हिंदू परिषद के प्रखंड अध्यक्ष आशीष पंचोली व शहर अध्यक्ष सत्यनारायण साहू के द्वारा गणेश मूर्तियों की पूजा अर्चना कर अठावाल धर्मशाला से दशहरा मैदान टिन शेड तक भगवान गणेश की बैंड बाजो के साथ शोभा यात्रा निकाली गई। आज रात्रि को सुंदर काण्ड मण्डली के द्वारा विशाल सुंदर काण्ड पाठ का आयोजन हुआ जिसमे आस पास व शहर की सुंदरकांड मंडलिया सम्मिलित होगी। समिति के अध्यक्ष पंकज जैन व मंत्री राकेश ओसवाल ने बताया कि दस दिवसीय महोत्सव में रोजाना अलग अलग सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। शोभा यात्रा में दुर्गा वाहिनी से मनीषा, नेहा, कविता, राजकुमारी, यात्रा प्रमुख शिवराज साहू, उपाध्यक्ष राजिव भारद्वाज, प्रमोद मंगल, सुरेंद्र डीडवानिया,दिनेश जैन,अशोक मंडल, प्रहलाद सेन,तेजेंद्र पारीक, गोविंद बारेठ, लोकेश लक्षकार,पण्डित कमलेश शर्मा, अजय मेवाड़ा,यज्ञेश दाधिच, संजय सेठी,विनोद टांक सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सार-समाचार

नाचते गाते रवाना हुए पदयात्री

टोंक। श्रीदेवनारायण पदयात्रा समिति टोंक के तत्वावधान में गुर्जर समाज की दो दिवसीय 37वीं विशाल पदयात्रा शनिवार को विधिवत पूजा अर्चना के बाद देवधाम जोधपुरिया के लिए गाजे बाजे के साथ रवाना हुई। पदयात्रा संयोजक लक्ष्मीनारायण गुर्जर, शिवराज कूकड, रामअवतार धाभाई ने बताया कि यहां कालाबाबा स्थित हीरामन बाबा का मंदिर में महाआरती के बाद ध्वज पूजन किया गया। इसके बाद गाजे बाजे के की धुनो पर नाचते गाते हुए पदयात्री रवाना हुए। पदयात्रा पुराना बस स्टेण्ड, घंटाघर, गाँधी पार्क होते हुए सांडबाबा का मंदिर पहुंची जहां गुर्जर समाज के पंच पटेलों द्वारा सभी पदयात्रियों का स्वागत किया गया। इसके बाद सभी पदयात्री बमोर दरवाजा स्तिथ श्री देवनारायण मंदिर के दर्शन करने के पश्चात् छावनी, पक्का बंधा, सोयला, मोटूका, बरोनी होते हुए निवाई पहुंचे। पदयात्रियों का जगह जगह पर पुष्प वर्षा कर एवं अल्पाहार कराकर स्वागत किया गया। इस दिन पदयात्रियों का रात्रि विश्राम निवाई में होगा। अगले दिन 8 सितम्बर को निवाई में देशभर से आने वाले पदयात्रियों के साथ वनस्थली होते हुए सायंकाल देवधाम पहुंच कर ध्वज अर्पण किया जाएगा।

आरक्षित कोटा यथावत रखने की मांग

पावटा। तहसीलदार की पदोन्नति में मंत्रालयिक कर्मचारियों के आरक्षित कोटे से छेड़छाड़ नहीं करने व यथावत रखने की मांग को लेकर राजस्व मंत्रालयिक कर्मचारियों ने पावटा उपखंड कार्यालय पर शुक्रवार को पावटा उपखंड अधिकारी कपिल उपाध्याय को मुयमंत्री के नाम ज्ञापन दिया। वही राजस्व मंत्रालयिक कर्मचारियों ने ज्ञापन देकर दोपहर बाद कार्य का बहिष्कार किया। इस दौरान रामनिवास यादव, कैलाश सैनी, कुलदीप, राजपाल, कमल अनिल ने बताया कि आरक्षित कोटे से छेडछाड नहीं करने की मांग को लेकर राजस्थान सरकार के मंत्री राजस्व विभाग राजस्थान सरकार एवं प्रमुख शासन सचिव राजस्व विभाग को ज्ञापन देकर कर विरोध दर्ज करवाया जा चुका है। लेकिन राज्य सरकार की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।

आईएएस सत्येंद्र सिंह सम्मानित

देवली । अंडमान निकोबार दीप समूह में आईएएस एवं देवली की साकेत कॉलोनी निवासी सत्येंद्र सिंह दुरसावत दिल्ली में आयोजित एक समारोह में सम्मानित हुए। सत्येंद्र सिंह के बड़ भाई एडवोकेट अजीत सिंह ने जानकारी में बताया कि सत्येंद्र सिंह अंडमान निकोबार द्वीप समूह में उपराज्यपाल के सचिव और इंडस्ट्रीज जनजाति कल्याण विभाग देखते हैं। ऐसे में उन्हें केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने उद्योग समागम 2024 समारोह में सम्मानित किया है। प्रादेशिक उद्योग कांक्लेव 2024 का उद्देश्य राज्य में निवेश को प्रोत्साहित करना एवं संभावित निवेशकों से संपर्क स्थापित कर राज्य में उपलब्ध निवेश की संभावना का प्रचार प्रचार करना था। आईएएस अधिकारी सत्येंद्र सिंह को इसी क्षेत्र में अंडमान निकोबार में सराहनीय कार्य करने पर केंद्रीय मंत्री से सम्मान मिला है।

गणेश मंदिरों में सजावट हुई

मनोहरपुर । स्थानीय कस्बे सहित आसपास के समूचे क्षेत्र में श्री गणेश चतुर्थी विधिवत रस्म ओ रिवाज के हर्षोल्लास के साथ में मनाई गई इस अवसर पर श्री गणेश जी के मंदिर को आकर्षक व मनमोहक विद्युत सजावट सजावट से व गुब्बारों से सजाया गया। मनोहरपुर के इंद्रा कॉलोनी में स्थिति श्री गणेश जी के मंदिर में सुबह से ही भक्तों की आवा जाहि रही भक्त श्री गणेश जी के मंदिर में मत्था टेक कर सुख शांति की दुआ करते हुए सेल्फी लेते हुए दिखाई दिए इधर शाम को भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें भक्तगणों ने पंगत प्रसादी का आनंद लिया । यह जानकारी दिल्ली पुलिस के जवान श्री भाना राम यादव, विद्युत कर्मचारी नेता श्री हरीश शर्मा, मास्टर श्री संतोष प्रजापति आदि ने दी है ।

पायलट का जन्मदिन मनाया

शाहपुरा । राजस्थान के पूर्व डिप्टी सीएम और कांठोस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट का 47 वां जन्मदिवस शाहपुरा विधानसभा के खोरी ठाम पंचायत स्थित श्री परमानंद धाम गौशाला में गौसेवा व पौधारोपण कर विधायक मनीष यादव के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मनाया। इस मौके पर महाराज श्री हरिओम दास के सानिध्य में सचिन पायलट की दीर्घायु तथा सफल राजनीतिक जीवन के लिए कामना के लिए साधु संत पंडितों द्वारा सत्संग रामधुनी का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। विधायक मनीष यादव ने बताया कि इस बार पूरे प्रदेश में पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के जन्मदिन को गौसवा संकल्प के तौर पर समर्थकों द्वारा मनाया गया। सचिन पायलट ने अपने पिता के पदचिन्हों पर चलकर राजस्थान की राजनीति में एक नई दिशा प्रदान की है। आज के युवा उन्हें अपना आदर्श मानते हुए राजनीति में कदम रख रहे हैं। कार्यक्रम में उपस्थित कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गौसेवा कर पायलट का जन्मदिन धूमधाम से मनाया। नगरपालिका पूर्व चैयरमैन बद्री सैनी,पीसीसी सचिव प्रवीण व्यास ने बताया कि परमानंद धाम गौशाला में गौमाता सवामणी कर गुड,दलिया,हरा चारा खिलकर गौमाता की पूजा अर्चना की गई।इस मौके पर एक चारे की गाड़ी गौमाताओं के लिए दान कर पौधारोपण कार्यक्रम भी किया गया। इस मौके पर ब्लॉक अध्यक्ष नाथुराम सैनी , मुकेश गुर्जर , प्रेमदेवी (पूर्व चेयरमैन) , सरपंच प्रतिनिधि नेमीचंद सैनी, सुरज्ञान मीना , रवि सैनी, साधु राम यादव , धर्मसिंह यादव पूर्व सरपंच कालूराम रावत, रघुवीर गुर्जर , नगरपरिषद पार्षद असलम क़ुरैशी, घनश्याम सेनी , पार्षद प्रतिनिधि रामवतार, प्रह्लाद बछन्डा पंचायत समिति सदस्य शिवराम गुर्जर , बनवारी,भीमसिंह चौहान, पंचायत समिति प्रतिनिधि महेन्द्र चौधरी, शैतान, अमरसिंह,मनीष, मंजीत व काग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पायलट के जन्मदिन पर 137 यूनिट रक्तदान

दौसा । अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव सचिन पायलट के जन्मदिन पर आज भगवान श्री देवनारायण मंदिर गुर्जर छात्रावास दौसा में पीसीसी सदस्य सुरेंद्र सिंह गुर्जर के नेतृत्व में विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजन हुआ। रक्तदान शिविर में 137 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। कार्यक्रम के मुख्यतिथि दौसा सांसद मुरारी लाल मीणा रहे, विशिष्ठ अतिथि पूर्व मंत्री ममता भूपेश व बांदीकुई के पूर्व विधायक गजराज खटाना, कांग्रेस जिला अध्यक्ष रामजीलाल ओड रहे।

कार्यक्रम अतिथियों ने भगवान देवनारायण व राजेश पायलट की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम शुरू किया। आयोजित रक्तदान शिविर में दौसा प्रधान प्रहलाद रोहडा, सिकंदरा प्रधान सुलतान बैरवा, युवा कांग्रेस प्रदेश महासचिव करतार सिंह माल, प्रदेश महासचिव प्रकाश मुंडियाखेडा, युवा कांठोस जिलाध्यक्ष दीपक शर्मा, जिला उपाध्यक्ष हेमराज जोपाड़ा, पूर्व सचिव हरिमोहन आजाद, युवा महासचिव श्रेयांश शर्मा, सिकराय अध्यक्ष हेमन्त गुर्जर, ब्लॉक अध्यक्ष हेमराज गुर्जर, मंजू बगडेड़ा, डॉ एस आर माल, देहरादून क्लासेज कमल लोहसरी, हेमराज कसाना, देवेंद्र बैराड़ा, उम्मेद सिंह लवाना, सूबेदार गुर्जर, मुरारी डोई, सहित बड़ी संख्या में महिला पुरुषो ने रक्तदान किया सांस्कृतिक कार्यक्रम में गायक कलाकार हनुमान गुर्जर निमोद, कानाराम मीना थली, हनुमान गुर्जर निमली ने सचिन पायलट के गानों पर प्रस्तुति दी। सुरेंद्र सिंह गुर्जर ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

कांग्रेस नेता सचिन पायलट के जन्मदिन पर भगवान श्री देवनारायण मंदिर गुर्जर छात्रावास दौसा में पीसीसी सदस्य सुरेंद्र सिंह गुर्जर के नेतृत्व में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ।

रामलीला मंचन 22 से

पावटा । आदर्श रामलीला मंडल पावटा की कार्यकारिणी व पदाधिकारियों के सदस्यों की बैठक का आयोजन वरिष्ठ सदस्य व संरक्षक उमेश टांक की अध्यक्षता मे किया गया। मंच का संचालन कमेटी सदस्य रामशरण बोहरा व ने किया। वही बैठक मे उपस्थित वरिष्ठजनो अमरनाथ पटेल, उमेश टांक, वीरेंद्र बंसल, सहित कमेटी के कमेटी अध्यक्ष योगेश शर्मा, उपाध्यक्ष रामशरण बोहरा, नरेंद्र गौड, सोनू भांकरी वाला, कोषाध्यक्ष विकास पुजारी व ललित शर्मा सहित सदस्यों की सहमति से 2024 का इस साल विशाल दशहरा महोत्सव के तहत रामलीला मैदान में 22 सितबर से बडी धूमधाम के साथ रामलीला का मंचन मनाने के बारे में विचार विमर्श किया गया और यह भी निर्णय लिया गया कि अबकी बार भव्यता के साथ में स्थानीय कलाकारों द्वारा रामलीला का मंचन किया जाएगा। अभी से तैयारियां पूरी जोर-शोर के साथ में शुरू कर दी ।

गणेश चतुर्थी हर्षोल्लास के साथ मनाई

- देवालयों में सजाई झांकी

दौसा। जिले में शनिवार को गणेश चतुर्थी का महापर्व बडे ही उल्लास एवं धूमधाम से मनाया गया। इधर मुख्यालय पर स्थित सिद्धि विनायक मंदिर सहित अनेक मंदिरों में भगवान गणेश की मनमोहक झांकी सजाई गई। वही दूसरी ओर मंदिर में झांकियों के दर्शन के लिए देर सायं को श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ गई। उल्लेखनीय है कि शनिवार को गणेश चतुर्थी का महापर्व बडे की हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। घर-घर गणेश भगवान की पूजा अर्चना की गई, चूरमा व मोतीचूर के लड्डू, गुड धाणी का भोग लगा गया। सिद्धि विनायक मंदिर में प्रात: गजानन महाराज का पंचामृत से स्नान कराकर दुग्ध अभिषेक किया गया।

इसके बाद नई पोशाक धारण करवाकर श्रृंगार आरती की। सिद्धि विनायक मंदिर में भगवान गणेश को साढे 5 मण मोदक का भोग लगाया गया तथा दोपहर 12.15 बजे भोग आरती तथा शाम को महाआरती की। इस दौरान सैकडो की तादाद में श्रद्धालुओ ने भाग लिया। उधर नीलकंठ पहाडी की तलहटी में स्थित बैजनाथ महादेव मंदिर में प्रथम पूज्य गणेशजी महाराज, गज लक्ष्मी व धन के देवता कुबेर के साथ विराजमान हैं। मान्यता है कि यह प्रतिमा दुर्लभ व अति प्राचीन होने के कारण इसके प्रति लोगों की विशेष आस्था है। यहां के बैजनाथ महादेव मंदिर का इतिहास करीब 14 सौ साल पुराना बताया जाता है। इस मंदिर में बैजनाथ महादेव की जलहरी के ठीक सामने गणेशजी महाराज, गजलक्ष्मी व कुबेरजी की प्रतिमा एक ही पत्थर पर बनी हुई है।

देवालयों में सजाई झांकी :- शहर के अन्य देवालयो में भगवान गणेश की मनमोहक झांकियां सजाई गई, झांकियों के दर्शन के लिए प्रात से ही श्रद्धालुओ की भीड उमडना शुरु हो गई थी। इधर भीड को नियंत्रण के लिए शहर के विभिन्न स्थानों पर यातायात पुलिसकर्मियो को तैनात किया ।

मालपुरा में 101 स्थानों पर गणपति प्रतिमाओं की स्थापना

मालपुरा (निस) हिन्दु समरसत्ता मंच एवं गणेश जन्मोत्सव समिति के तत्वाधान मे गणेश चतुर्थी पर मालपुरा शहर मे अलग-अलग स्थानो पर 101 गणेश प्रतिमाओं की स्थापना की गई। गणेश जन्म पर माणक चौक बाजार गणेश मंदिर में पालिका अध्यक्ष सोनिया मनीष सोनी,भाजपा मंडल अध्यक्ष त्रिलोक चन्द जैन,प्रदेश भाजपा उधोग प्रकोष्ठ सदस्य नरेन्द्र जैन,समाजसेवी रामबाबू खण्डेलवाल ने समिति पदाधिकारियो व गणमान्य लोगो की उपस्थिति मे विशेष पूजा अर्चना कर गणेश मैले का आगाज किया। माणक चौक बाजार सहित बम्ब तालाब पालवाले विघ्न हरण गणेश मंदिर,सदर बाजार, पुरानी तहसील, पेडीघाट व दानवरायजी गणेश मंदिर मे मोदको का भोग लगा सजीव झांकिया सजाई गई। विधानसभा क्षैत्र के सबसे बडे माणक चौक गणेश मैले मे आस्था का सैलाब उमडा। एक सो आठ दीपकों से महाआरती कर प्रसाद वितरण किया गया। म्यूजिक ग्रुप द्वारा एक से बढकर एक गणेश भजनों की प्रस्तुतियां दी ।

गणेश भगवान का हुआ पंचामृत अभिषेक

पावटा। श्री गणेश जन्मोत्सव के दो दिवसीय आयोजन पर कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत पावटा कस्बे के गणेश बाजार स्थित श्री गणेश मन्दिर मे विनायक कमेटी पावटा के नेतृत्व मे शुक्रवार को सर्वविघ्न विनाशक, रिद्धि-सिद्धि के प्रदाता भगवान गजानन की प्रतिमा का पंचामृत अभिषेक किया गया। जानकारी देते हुए विनायक कमेटी पावटा के सदस्यों ने बताया कि शुक्रवार को गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर सोमवार सुबह 6 से 9 बजे तक मेहंदी रस्म, 9.15 बजे से पंडित मनोज शास्त्री द्वारा विधि विधान से श्री गणेश भगवान का पूजन व सुबह 11 प्रतिमा का पंचामृत से अभिषेक किया गया। वही अपराह्न 12 बजे महाआरती के बाद भोग लगाकर भक्तों में प्रसाद वितरण किया गया। इसके बाद विनायक कमेटी के नेतृत्व मे शाम 3 बजे विभिन्न झाकियों सहित गणेश जी नगर भ्रमण पर निकलें। इस दौरान विशिष्ट स्वर्ण-रजत आभूषणों से भगवान गजानन की प्रतिमा का अनुपम श्रृंगार किया गया। वही शनिवार को प्रतिवर्ष की भाँति पावटा सहित आस पास के क्षेत्र मे गणेश चतुर्थी का पर्व परपरागत रूप से बडे ही धूमधाम से मनाया गया। वही पावटा मुय बाजार स्थित भगवान गणेश मंदिर में विशेष श्रृंगार एवं आकर्षक सजावट की गई है तथा सुबह से ही दर्शनों के लिए श्रद्धालुओं की कतारे लगी रही। लोगों ने भगवान के लड्डूओं का भोग लगा कर परिवार में खुशी एवं सुख समृद्धि की कामना की। वही विनायक कमेटी पावटा द्वारा श्री गणेश जी महाराज का बारिश की थीम। पर भव्य दरबार सजाया गया। जहाँ गणेश जी महाराज के लड्डूओं का भोग लगाया गया। वही मंगलदास जी महाराज के सानिंध्य में मंगला झांकी से लेकर शयन आरती तक विशेष अराधना की गई। ो मंदिर में श्रद्धालुओं की बढ़ती संया को देखते हुए सुविधा के लिए आयोजक विनायक कमेटी से अजय गोयल, नेहिल मंगल, महावीर यादव, अभिषेक, विपिन गंगावत, आशीष शर्मा, सन्नी मोदी, लोकेश टांक, राजू जाट, रोहिताश गढवाल सहित सभी सदस्यों द्वारा विभिन्न व्यवस्थाएं की गई।

मंत्री चौधरी ने उद्यान की नवाचार तकनिक केन्द्र का किया निरीक्षण

मालपुरा (निस) जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं भूजल मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने शनिवार को टोडारायसिंह क्षेत्र के बीसलपुर थडोली में स्थित उद्यानिकी नवाचार तकनिकी केन्द्र का निरीक्षण किया। केन्द्र पर संचालित गतिविधियों व परियोजनाओं की प्रगति का जायजा लिया। मंत्री ने निरीक्षण के पश्चात कार्य की गति को और तेज करने तथा उसे सही दिशा प्रदान करने के उदेश्य से सम्बन्धित अधिकारियो को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। मंत्री चौधरी ने कहा कि इन निर्देशो मे परियोजना के लक्ष्य को समय पर पूरा करने व गुणवत्तापूर्ण मानको को बनाये रखने की आवश्यकता जताई। केबिनेट मंत्री चौधरी ने बताया कि पर्यटन की दृष्टि से यह केन्द्र जिले मे महत्वपूर्ण आर्कषण केन्द्र बनने की क्षमता रखता है। इस केन्द्र की अधिकत्य विशेषताऐं एवं नवीनतम तकनिको का प्रदर्शन केवल स्थानीय लोगो के लिये लाभदायक होगा। बल्कि पर्यटको को भी अपनी और आकर्षित करेगा। जिससे क्षेत्र के आर्थिक विकास को गति मिलेगी।

- केन्द्र पर संचालित गतिविधियां व परियोजनाओं की प्रगति देखी

मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने शनिवार को टोडारायसिंह क्षेत्र के बीसलपुर थडोली में स्थित उद्यानिकी नवाचार तकनिकी केन्द्र का निरीक्षण किया।

गणेश महोत्सव का आगाज

टोंक । भाजपा जिला महामन्त्री व कार्यक्रम अध्यक्ष प्रभु बाडोलिया ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ श्रीगणेश की पुजा अर्चना कर विधि विधान से कार्यक्रम हुआ सम्पन्न। आनन्दम संस्था टोंक द्वारा रामजी महाराज (दूधिया बालाजी संत आश्रम) के सानिध्य में श्रीगणेश चतुर्थी की पूर्व संध्या श्री अन्नपूर्णा गणेश मंदिर प्रांगण में आयोजित की गई। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जलदाय मंत्री राजस्थान सरकार कन्हैयालाल चौधरी रहे तथा पूर्व सांसद सुखबीर सिंह जौनापुरिया, जिला प्रमुख सरोज, नरेश बंसल व पूर्व सभापति टोंक लक्ष्मी देवी जैन, युवा मोर्चा प्रदेश महामंत्री चन्द्रवीर सिंह चौहान, जिला महामंत्री विष्णु शर्मा, जिला उपाध्यक्ष बैनी प्रशाद जैन, पूर्व मंडल अध्यक्ष टोंक देहात रतन चौधरी, युवा नेता विनायक जैन, कवि प्रदीप पंवार मौजूद रहे। कार्यक्रम में गुजरात से पधारी भजन गायका आशा वेष्णव ने भजनों की मिठास से भजनों की प्रस्तुति देकर श्रोताओं को बाँधे रखा, भारी बरसात में भी श्रद्धालुओं ने भजनों का आनंद लेते रहे।

सिद्ध पुरुष संत काले खां मार्ग की अनदेखी

किशनगढ़ बास। काले खां बाग किसी पहचान का मोहताज नहीं है। फिर भी इस मार्ग की अनदेखी की जा रही है । आजादी के पहले से सिद्ध पुरुष संत काले खां महाराज की स्थली रहा है और उन्हीं के नाम पर इस बाग की पहचान है। इस बाग में आज भी उनका स्थान है और आज भी लोग प्रतिदिन उनके स्थान पर माथा टेक कर आशीर्वाद लेने पहुंचते हैं। इसके अलावा इस काले खां बाग की एक और विशेष यह पहचान है की यहां न्याय पालिका अधिकारियों सहित उपखंड के एसडीएम डीएसपी के बंगले है। इतना ही नहीं यहां पर नगर पालिका सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता से लेकर सहायक अभियंता वन विभाग नरेगा कार्यालय चल रहें। यही नहीं उपखंड का आईटी केंद्र यहां स्थापित है जिसमें अधिकारी वीसी की बैठक लेने के लिए आते हैं। इसी के साथ कृषि विभाग और ब्लॉक शिक्षा अधिकारी का कार्यालय भी यहां पर चल रहा है। यह सब बताने की जरूरत क्यों आ पड़ी वह इसलिए की काले खां बाग में आज भी सिद्ध पुरुष संत काले खान जी का स्थान है जो शायद इस बाग में रह रहे अधिकारियों को मालूम नहीं है या फिर वह जानते हुए भी अनदेखी किए हुए हैं। विडंबना की बात है कि पूरे शहर में सडकों व लाइट का जाल बिछा कर शहर को साफ सुथरा और लाइट की रोशनी से जगमग कर देने वाली नगर पालिका का कार्यालय है और कार्यालय के बगल में ही सिद्ध पुरुष संत काले खां जी महाराज का स्थान है। फिर भी यह मार्ग चमन नही हुआ। इस सिद्ध संत की स्थली के पास में ही नरेगा ऑफिस के साथ आईटी केंद्र संचालित है जहां उपखंड के सभी विभागों के अधिकारियों का आना जाना लगा रहता है। इसी के बगल में ब्लॉक शिक्षा विभाग व कृषि विभाग का कार्यालय भी संचालित है। इस स्थान से लगभग 50 मीटर की दूरी पर उपखंड के सबसे बड़े अधिकारी एसडीएम का निवास है। अब बात करते हैं नगर पालिका की और अधिकारियों की कथनी और करनी में फर्क की एसडीएम निवास के मुख्य गेट से मैन सडक तक सडक बना दी गई है।

भारत में खेलने के पिछले अनुभव का हमें फायदा मिलेगा। नोएडा और लखनऊ हमारे घरेलू मैदान रहे हैं। हमने यहां कई मैच खेले हैं और अभ्यास शिविर लगाए हैं। हम भारत के मौसम और पिच की स्थिति से भी परिचित हैं। **-रहमत शाह**

अफगानिस्तान के बल्लेबाज, न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच के बारे में कहा।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

एंड्रयू फ्लिंटॉफ

इंग्लैंड के दिग्गज ऑलराउंडर एंड्रयू फ्लिंटॉफ इंग्लैंड लायंस टीम के हेड कोच बनाए गए हैं। लायंस टीम इंग्लैंड की ए टीम को कहते हैं। फ्लिंटॉफ ने इंग्लैंड के लिए 79 टेस्ट खेले हैं, वह पिछले साल ही सीनियर टीम के असिस्टेंट कोच बने थे। वह श्रीलंका के खिलाफ सीरीज में भी टीम के असिस्टेंट कोच हैं। फ्लिंटॉफ अपने नए रोल की शुरुआत अक्टूबर में साउथ अफ्रीका दौरे से करेंगे। ए टीम फिर अगले साल जनवरी में ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलेगी। जिसकी मदद से 2025-26 ऐशेज सीरीज के लिए नए प्लेयर्स भी तैयार होंगे।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट क्रिकेट इतिहास का पहला टेस्ट इंग्लैंड व ऑस्ट्रेलिया के मध्य 1877 में मेलबोर्न में खेला गया था। इसे ऑस्ट्रेलिया ने 45 रन से जीता था।

घरेलू क्रिकेट में डीआरएस से युवा बल्लेबाजों को फायदा मिलेगा : अश्विन

नयी दिल्ली, 7 सितम्बर। सीनियर स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने मौजूदा दलीप ट्रॉफी में निर्णय समीक्षा प्रणाली (डीआरएस) को लागू करने के भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि इससे युवा बल्लेबाजों

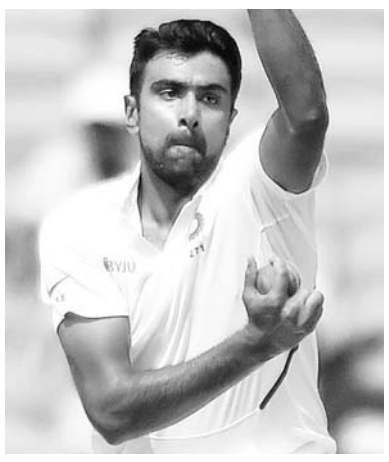

को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने से पहले आवश्यक तकनीकी बदलाव करने में मदद मिलेगी। अश्विन शुक्रवार की शाम को अनंतपुर में खेले जा रहे दलीप ट्रॉफी मैच के दौरान भारत डी के बल्लेबाज रिकी भुई को पगबाधा आउट दिए जाने के बाद चली चर्चा पर प्रतिक्रिया व्यक्त कर रहे थे।मैदानी अंपायर ने तब बल्लेबाज को आउट नहीं दिया था लेकिन भारत सी ने डीआरएस का सहारा लिया जिसके बाद भुई को पवेलियन लौटना पड़ा। अश्विन ने एक्स पर लिखा"घरेलू क्रिकेट के लिए डीआरएस सिर्फ सही निर्णय लेने तक सीमित नहीं है। कल शाम मानव सुथार की गेंद पर रिकी भुवी (भुई) का आउट होना एक बल्लेबाज का उत्कृष्ट मामला है जो प्रथम श्रेणी क्रिकेट में इस तकनीक के नहीं होने पर आउट होने से बच जाता।" उन्होंने कहा, "डीआरएस से पहले आगे बढ़कर खेलना कोई दोषपूर्ण तकनीक नहीं थी लेकिन अब यह है। पुराने जमाने में बल्लेबाजों को सिर्फ इसलिए नॉट आउट दिया जाता था क्योंकि वे फ्रंटफुट पर खेलने में कामयाब रहते थे।"

मार्क वुड चोट के कारण पाकिस्तान और न्यूजीलैंड श्रृंखला से बाहर

नई दिल्ली, 7 सितम्बर। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मार्क वुड दाहिनी कोहनी की चोट के कारण इस साल होने वाले बाकी मैचों में नहीं खेल पाएंगे। इस तरह से वह अक्टूबर में पाकिस्तान और दिसंबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली टेस्ट श्रृंखला से बाहर हो गए हैं। इंग्लैंड के सबसे तेज गेंदबाज वुड

ने जुलाई में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के दौरान अपनी कोहनी में दर्द महसूस किया था जिससे उन्हें गेंदबाजी करने में परेशानी हो रही थी। इस दर्द के बावजूद वह श्रीलंका के खिलाफ मैनचेस्टर में पहले टेस्ट मैच में खेले थे। इस मैच में उनकी दाहिनी जांघ में भी चोट लग गई थी और इस कारण वह श्रीलंका के खिलाफ दूसरे और तीसरे टेस्ट मैच में नहीं खेल पाए थे। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने कहा कि वुड का लक्ष्य अगले साल के शुरू तक पूरी फिटनेस हासिल करना है। तब इंग्लैंड की टीम को सीमित ओवरों की श्रृंखला खेलने के लिए भारत का दौरा करना है जबकि फरवरी में पाकिस्तान में चैंपियंस ट्राफी खेली जाएगी।

दूसरा टी-20 जीतकर ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज पर कब्जा किया

एडिनबरा, 7 सितम्बर। ऑस्ट्रेलिया और स्कॉटलैंड के बीच खेली जा रही तीन मैचों की टी-20 सीरीज के दूसरे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने स्कॉटलैंड को 70 रन से हरा दिया। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज पर भी कब्जा कर लिया है। एडिनबरा में खेला गया मुकाबला बारिश की वजह से देरी से शुरू हुआ। स्कॉटलैंड के कप्तान रिची बैरिंगटन ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला लिया। ऑस्ट्रेलिया ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 4 विकेट पर 196 रन बनाए। जोश इंग्लिश ने अपने करियर का दूसरा शतक लगाया। उन्होंने 103 रन की पारी खेली। 197 रन का पीछा करने उतरी स्कॉटलैंड टीम की शुरुआत खराब रही। 20 रन के अंदर दोनों ओपनर्स पवेलियन लौट गए। टॉप ऑर्डर बैट्समैन ब्रेंडन मैक्मुलेन 59 और जॉर्ज मुन्से 19 रन के अलावा कोई भी बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू पाया। पूरी टीम 126 रन पर ऑलआउट हो गई। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से मार्कस स्टोइनिस ने 4 विकेट लिए। जोश ने ऑस्ट्रेलिया के लिए टी-20 में सबसे तेज सेंचुरी लगाई। उन्होंने 43 बॉल पर अपना शतक पूरा किया। 103 रन की पारी में उन्होंने 7 चौके और 7 सिक्स लगाए। ऑस्ट्रेलिया के पावर हीटर ट्रैविस हेड को ब्रैड क्यूरी ने शून्य के स्कोर पर बोल्ड कर दिया। लड़खड़ाती पारी को हेड और ग्रीन ने संभाला। दोनों ने मिलकर 52 बॉल पर 92 रन जोड़े। ग्रीन ने 36 रन की पारी खेली। ग्रीन के आउट होने के बाद मार्कस स्टोइनिस बल्लेबाजी करने आए।

शरद कुमार ने पैरा एथलेटिक्स में भरी ऊंची उड़ान

पुरुषों की ऊंची कूद टी-63 में रजत पदक हासिल किया

नई दिल्ली, 7 सितंबर। भारत के पैरा-एथलीट शरद कुमार ने पेरिस पैरालिंपिक 2024 में पुरुषों की ऊंची कूद टी63 में रजत पदक हासिल कर अपनी उपलब्धि में एक और इजाफा किया। एक मार्च 1992 को बिहार के मोतीपुर में जन्मे शरद को दो साल की उम्र में ही पोलियो हो गया था। उनका बचपन स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं से भरा हुआ था, जिससे उन्हें ठीक करने के लिए अस्पतालों के दौरे के साथ-साथ आध्यात्मिक अनुष्ठानों की आवश्यकता पड़ी। चार साल की उम्र में, शरद को एक बोर्डिंग स्कूल में भेज दिया गया जहाँ उन्हें खेलकूद से बाहर रखा गया। ऐसी स्थिति ने उसे बहुत निराश किया। इन सीमाओं से मुक्त होने की इच्छा ने खेल, विशेषकर ऊंची कूद में उनकी रुचि जगाई। अपने बड़े भाई, जो एक स्कूल रिकॉर्ड धारक था, से प्रेरित होकर, शरद ने ऊंची कूद पर अपना ध्यान केंद्रित किया और फिर कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

शरद कुमार के एथलेटिक करियर की उड़ान तब शुरू हुई जब उन्होंने 2009 में छठी जूनियर नेशनल पैरा-एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। इस शुरुआती जीत के कारण 2010 में चीन के गुआंगज़ौ में एशियाई पैरा खेलों में उनका अंतरराष्ट्रीय पदार्पण हुआ। इन वर्षों में, शरद ने व्यक्तिगत और शारीरिक दोनों बाधाओं

को पार करते हुए अपने कौशल को निखारा। उनकी कुछ प्रमुख उपलब्धियों में पुरुषों की ऊंची कूद टी42 में टोक्यो पैरालिंपिक 2020 में कांस्य पदक, 2019 और 2017 में विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में रजत पदक और 2018 और 2014 में एशियाई पैरा खेलों में स्वर्ण पदक शामिल हैं। इसके अलावा, उन्होंने मलेशिया ओपन पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक हासिल किया, जिससे भारत के प्रमुख पैरा-एथलीटों में से एक के रूप में उनकी स्थिति मजबूत हुई। पैरा-एथलेटिक्स में शरद कुमार की सफलता को केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं के जरिये काफी बढ़ावा मिला है। उनके प्रशिक्षण, प्रतियोगिताओं और विशेषज्ञ कोचिंग के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की गई है, जो उनके विकास और प्रदर्शन के लिए आवश्यक है।

शरद कुमार की कहानी सभी बाधाओं के बावजूद जीत की कहानी है। पोलियो के प्रभाव से जूझने से लेकर टोक्यो और पेरिस पैरालिंपिक में पोडियम पर खड़े होने तक, उनकी यात्रा महत्वाकांक्षी एथलीटों के लिए प्रेरणा है। अपने नाम के साथ कई पुरस्कारों के साथ, शरद लगातार बाधाओं को तोड़ रहे हैं और देश को गौरवान्वित कर रहे हैं।

होकाटो ने शॉटपुट स्पर्धा में जीता कांस्य पदक

कश्मीर में आतंकवाद विरोधी अभियान में अपना बांया पैर गंवाया था

पेरिस, 7 सितंबर। भारतीय एथलीट होकाटो सेमा ने पहली बार पैरालिंपिक खेलों में भाग लेते हुए पुरुषों की शॉटपुट एफ57 के फाइनल मुकाबले में अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ कांस्य पदक जीता। नागालैंड के रहने वाले एथलीट होकाटो सेमा ने शुक्रवार देर रात खेले गये गोला फेंक मुकाबले मे 14.65 मीटर के अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ तीसरे स्थान पर रहे और कांस्य पदक अपने नाम किया। इसके साथ पैरालिंपिक में छह स्वर्ण, नौ रजत, 12 कांस्य के साथ भारत के पदकों की संख्या 27 हो गई है। इस स्पर्धा में ईरान के यासिन कोसावनी ने 15.96 मीटर थ्रो के साथ स्वर्ण पदक और वहीं थिएगो पॉलिनो ने 15.06 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक मिला। 24 दिसंबर 1983 को जन्में होकाटो सेमा नागालैंड के किसान परिवार से आते है। वह सेना में थे और वर्ष 2002 में जम्मू कश्मीर के चौकीबल में आंतकवाद विरोधी अभियान में होकाटो सेमा ने भाग लिया। इस दौरान बारूदी सुरंग में विस्फोट उन्हें अपना बायां पैर गंवाया पड़ा। पैर गवांने के बाद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और कई चुनौतियों के बावजूद उन्होंने 2016 में पैरा एथलीट बनने की ओर रूख किया। सेमा ने एशियाई पैरा खेल 2022 (2023) कांस्य पदक, विश्व चैम्पियनशिप 2024 में चौथा स्थान पर रहे और मोरक्को ग्रैंड प्रिक्स 2022 में रजत पदक जीता।

ओलिंपिक पदक विजेता भारत एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए तैयार

मोकी (चीन), 7 सितंबर। पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक विजेता भारतीय टीम आठ सितम्बर से यहां शुरु होने वाली हीरो एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में अपने खिताब की रक्षा के लिये कमर कस चुकी है। मोकी हॉकी ट्रेनिंग बेस पर शुरू होने वाली प्रतियोगिता में भारत खिताब बचाने के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत कर रहा है, जबकि मेजबान चीन, जापान, पाकिस्तान, कोरिया और मलेशिया इस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन की उम्मीद के साथ पहुंचे हैं।

पिछले साल, भारत ने घरेलू मैदान पर चैंपियंस ट्राफी का खिताब जीता था और इसके साथ ही वह टूर्नामेंट के इतिहास में चार खिताब जीतने वाली एकमात्र टीम बन गई थी। टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह इस साल भी महाद्वीपीय चैंपियनशिप में भारत का दबदबा जारी रखना चाहते हैं। उन्होंने कहा, पिछले साल एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी ने हमें एशियाई खेलों में जाने के लिए सही शुरुआत हासिल की और इसके बाद ओलंपिक खेलों में फिर से पोडियम पर पहुंचने की जीत हासिल की। इस बार भी, हम यह टूर्नामेंट जीतकर नए सिरे से ओलंपिक चक्र शुरू करना चाहते हैं।

हालांकि इस टूर्नामेंट में हमारे ओलंपिक टीम के दस सदस्य खेल रहे हैं, हमारे पास कुछ युवा खिलाड़ी हैं जो टीम में अपना प्रभाव डालने की कोशिश कर रहे हैं। हरमनप्रीत ने कहा कि खेल के दृष्टिकोण से, हमारे आक्रमण और पेनल्टी कॉर्नर हमारी ताकत हैं लेकिन हम ऐसा करेंगे विशेष रूप से जापान, मलेशिया और पाकिस्तान जैसी टीमों के खिलाफ एक संरचित रक्षा खेलना चाहते हैं। विश्व रैंकिंग अंकों के मामले में यह हमारे लिए एक महत्वपूर्ण टूर्नामेंट है और हम चुनौती के लिए तैयार हैं।

कानपुर सुपरस्टार्स ने रोमांचक मुकाबले में नोएडा किंग्स को हराया

लखनऊ, 7 सितंबर। समीर रिजवी (46) की उपयोगी पारी के बाद गेंदबाजों के अनुशासित प्रदर्शन के दम पर कानपुर सुपरस्टार्स ने शनिवार को यूपीटी20 लीग के एक रोमांचक मुकाबले में नोएडा किंग्स को मात्र दो रन से हरा दिया। इकाना स्टेडियम पर कानपुर ने पहले बल्लेबाजी करते हुये निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट खोकर 119 रन बनाये जिसके जवाब में नोएडा की टीम 117 रन ही बना सकी।

गेंदबाजों की मददगार पिच पर समीर रिजवी की पारी कानपुर के लिये जिताऊ साबित हुयी। उन्होने 38 गेंदों की पारी के दौरान चार चौके और एक छक्का लगाया। समीर के अलावा मोहसिन खान (19 नाबाद) का योगदान अहम साबित हुआ। दूसरी ओर, राहुल राजपाल (13) और हर्षित सेठी (30) ने सधी शुरुआत की मगर कानपुर के गेंदबाजों ने अनुशासित गेंदबाजी का मुजाहिरा किया जिसके चलते नोएडा के बल्लेबाजों को रन बनाने में मुश्किलात का सामना करना पड़ा।

जननिक सिनर और टेलर फ्रिट्ज यूएस ओपन के फाइनल में

वाशिंगटन, 7 सितंबर। शीर्ष वरीयता प्राप्त जननिक सिनर शुक्रवार को यहां यूएस ओपन के फाइनल में पहुंचने वाले पहले इतालवी खिलाड़ी बन गए, जबकि टेलर फ्रिट्ज ने पांच सेटों के कठिन मैच के बाद फाइलज में अपनी जगह बनायी। सिनर ने ब्रिटिश उभरते सितारे जैक ड्रेपर को सीधे सेटों में 7-5, 7-6(3), 6-2 से हराया। मैच के बाद उन्होने कहा, यह एक बहुत ही कठिन मैच था। मैं बस मानसिक रूप से वहां रहने की कोशिश कर रहा था। ड्रेपर को हराना आसान नहीं था। यदि सिनर फाइनल जीतते हैं, तो वह एक ही सीज़न में ऑस्ट्रेलियन ओपन और यूएस ओपन दोनों जीतने वाले इतिहास के चौथे पुरुष खिलाड़ी बन जाएंगे। दूसरे सेमीफाइनल में, 12वीं वरीयता प्राप्त फ्रिट्ज़ ने साथी अमेरिकी फ्रांसिस टियाफो को रोमांचक मुकाबले में 4-6, 7-5, 4-6, 6-4, 6-1 से हराया। इसके लिए उन्होने तीन घंटे और 18 मिनट तक संघर्ष किया और वापसी की। 2006 के बाद से यूएस ओपन पुरुष फ़ाइनल में जगह बनाने वाले पहले स्थानीय खिलाड़ी थे। फ्रिट्ज़ ने आंसुओं के साथ कहा, यही कारण है कि मैं इतनी कड़ी मेहनत करता हूं।" मैं यूएस ओपन के फाइनल में हूं। यह एक सपने के सच होने जैसा है, और मैं इसमें अपना सब कुछ देने जा रहा हूं।

उत्तरी क्षेत्र को हरा कर साई शक्ति बना इंटर जोन चैम्पियन

लखनऊ, 7 सितम्बर। साई शक्ति ने शनिवार को दमदार खेल की बदौलत एकतरफा मुकाबले में उत्तर जोन को 5-1 से हरा कर प्रथम हाकी इण्डिया जूनियर पुरुष इंटर जोन प्रतियोगिता जीत ली है। गोमतीनगर विजयंतखण्ड स्थित पदमश्री मो शाहिद हाकी स्टेडियम में खेले गये फाइनल में जिरामे साई शक्ति की टीम ने 5-1 के अन्तर से विजयश्री प्राप्त की जबकि तीसरे स्थान के मैच में साई बल ने ईस्ट जोन को 6-4 के अन्तर से परास्त कर विजयश्री प्राप्त की। फाइनल मैच में सर्वश्रेष्ठ खिलाडी उत्तर जोन के राहुल राजभर एवं तीसरे स्थान के मैच में साईं बल के राहुल को चुना गया। इस प्रतियोगिता में छः टीमो ने प्रतिभाग किया था।

इंग्लैंड पहली पारी में 325 रन पर ऑलआउट

कप्तान ओली पोप ने 154 रन बनाए, दूसरे सेशन में श्रीलंका ने 142 रन पर 5 विकेट गवाएं

लंदन, 7 सितम्बर। इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच टेस्ट सीरीज का तीसरा मुकाबला लंदन के द ओवल मैदान पर खेला जा रहा है। शनिवार को मैच के दूसरे दिन पहले सेशन में इंग्लैंड की टीम पहली पारी में 325 रन पर ऑलआउट हो गई। इंग्लैंड के लिए ओली पोप ने 154 रन की कप्तानी पारी खेली। दूसरा सेशन खत्म होने तक श्रीलंका ने अपनी पहली पारी में 5 विकेट खोकर 142 रन बना लिए। टीम से कप्तान धनंजय डी सिल्वा और कमिंडु मेंडिस नॉटआउट लौटे। पाथुम निसांका ने फिफ्टी लगाई। इंग्लैंड की टीम दूसरे दिन 221/3 के स्कोर से आगे खेलने उतरी, लेकिन हैरी ब्रूक (19), जेमी स्मिथ (16), क्रिस वोक्स (2) और गस एटकिंसन (5) सस्ते में पवेलियन लौट गए। हालांकि, कप्तान ओली पोप ने अपनी शतकीय पारी को आगे बढ़ाते हुए 150 रनों का आंकड़ा पार किया।

पेरिस पैरालिंपिक के मेडलिस्ट भारत लौटे, दिल्ली एयरपोर्ट पर जोरदार स्वागत

नई दिल्ली, 7 सितम्बर। पेरिस पैरालिंपिक 2024 में पहला गोल्ड दिलाने वाली अवनी लेखरा, ब्रॉन्ज मेडलिस्ट मोना अग्रवाल और शूटर मनीष नरवाल समेत कई प्लेयर शनिवार को भारत लौटे। दिल्ली एयरपोर्ट पर उनका जमकर स्वागत किया गया। फैंस ने पैरा एथलीट्स के पहुंचते ही ढोल-नगाड़े बजाए और उन्हें मालाएं पहनाई। 2 बार की गोल्ड मेडलिस्ट शूटर अवनी लेखरा ने एयरपोर्ट पर कहा- पेरिस पैरालिंपिक की जर्नी अच्छी थी, इस बार हमने कई मेडल जीते। भारतीय पैरालिंपियन शूटर मनीष नरवाल ने 10 मीटर एयर पिस्टल में सिल्वर मेडल जीता था। दिल्ली एयरपोर्ट पर फैंस ने उन्हें कंधे पर उठा लिया। मनीष ने कहा- इतना प्यार और सपोर्ट देने के लिए सभी का धन्यवाद। पैरा आर्चर राकेश कुमार ने पेरिस पैरालिंपिक के आर्चरी मिक्स्ड डबल्स में ब्रॉन्ज मेडल जीता है। भारत लौटने पर फैंस ने उन्हें फूल मालाएं पहनाई। राकेश ने कहा- मेरी जीत का क्रेडिट मेरे कोच को जाता है, हम साथ मिलकर कड़ी मेहनत करके और अच्छा परफॉर्म करेंगे। पेरिस पैरालिंपिक के 10 मीटर एयर राइफल में ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाली मोना अग्रवाल का एयरपोर्ट पर शानदार स्वागत किया गया।

इंडिया-सी ने इंडिया-डी को 4 विकेट से हराया

इंडिया-ए के खिलाफ इंडिया-बी को 240 रन की बढ़त, ऋषभ पंत की फिफ्टी

नई दिल्ली, 7 सितम्बर। दलीप ट्रॉफी के तीसरे दिन शनिवार को इंडिया-सी ने इंडिया-डी को 4 विकेट से हरा दिया। 233 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंडिया-सी की टीम ने आर्यन जुयाल के 47 और कप्तान ऋतुराज गायकवाड के 46 रन के चलते जीत दर्ज की। इंडिया-डी की तरफ से सारांश जैन ने 4 विकेट लिए। एक अन्य मुकाबले में इंडिया-बी की टीम ने दूसरी पारी में तीसरे दिन के अंत तक 6 विकेट के नुकसान पर 150 रन बना लिए हैं। इसके साथ ही इंडिया-बी की टीम की कुल बढ़त 240 रन की हो गई है। इंडिया-बी की तरफ से ऋषभ पंत ने 61 रन की पारी खेली। जबकि इंडिया-ए के लिए खलील अहमद और आकाश दीप ने 2-2 विकेट हासिल किए। बता दें कि, इंडिया बी के टॉप क्रम के बल्लेबाज फ्लॉप साबित हुए। यशस्वी जायसवाल इस पारी में सिर्फ 9 रन बनाकर आउट हो गए जबकि कप्तान अभिमन्यू ईश्वरन ने 4 रन की पारी खेली।

राजस्थान के मानव सुथार का दिलीप ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन

मानव के ऑलराउंडर प्रदर्शन से जीती इंडिया-सी टीम

जयपुर, 7 सितम्बर। बीसीसीआई द्वारा आयोजित की जा रही महत्वपूर्ण दिलीप ट्रॉफी में इंडिया सी टीम ने राजस्थान के युवा आल राउंडर मानव सुथार के शानदार प्रदर्शन के दम पर इंडिया डी टीम को हराया। राजस्थान (श्रीगंगानगर) के युवा खिलाड़ी मानव सुथार ने बीसीसीआई द्वारा आयोजित की जा रही मल्टी डेज प्रतियोगिता दिलीप ट्रॉफी में शानदार आल राउंडर प्रदर्शन करके न केवल बीसीसीआई के चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी तरफ खींचा है साथ ही भारत की टेस्ट टीम के लिए भी अपना मजबूत दावा पेश किया है। अनंतपुर में खेली जा रही बीसीसीआई द्वारा आयोजित दिलीप ट्रॉफी में इंडिया सी टीम के लिए खेलते हुए मैच में मानव सुथार ने कुल 7 विकेट प्राप्त किये। जिसमे इंडिया डी टीम के विरुद दूसरी पारी में 7 विकेट लिए व इंडिया सी टीम के लिए दूसरी पारी में महत्वपूर्ण नाबाद 19 रन बनाते हुए टीम को 4 विकेट से जीत दिलाई।

इंडिया डी पहली पारी 164 आल आउट हुई, वही इंडिया सी के लिए मानव सुथार ने 1 विकेट प्राप्त किया। इंडिया सी पहली पारी 168 आल आउट हुई, वही इंडिया डी टीम दूसरी पारी 236 आल आउट हुई।

5 प्लेयर्स नहीं जीत सके मेडल

पेरिस, 7 सितम्बर। पेरिस पैरालिंपिक गेम्स का आज 10वां दिन है। भारत से आज शनिवार को 5 प्लेयर्स मेडल नहीं जीत सके। अब एथलेटिक्स के 3 ही इवेंट में चुनौती बची है। तीनों मुकाबले रात 10:30 बजे के बाद शुरू होंगे। भारत ने अब तक पैरालिंपिक गेम्स में 27 मेडल जीत लिए हैं। भारत मेडल टैली में 17वें नंबर पर है। भारतीय खिलाड़ियों ने अब तक 6 गोल्ड, 9 सिल्वर और 12 ब्रॉन्ज मेडल जीते हैं। यह देश का पैरालिंपिक में ऑलटाइम बेस्ट परफॉर्मेंस है। इससे पहले टोक्यो पैरालिंपिक में भारतीय खिलाड़ियों ने 5 गोल्ड समेत 19 मेडल जीते थे। वह 15वें नंबर पर रहीं। मेंस रोड साइक्लिंग इवेंट में अरशद शेख भी रेस पूरी नहीं कर सके, वह 28वें नंबर पर रहे। मेंस की 50 मीटर बटरफ्लाई 7 कैटेगरी में भारत के सुयश जाधव 5वें नंबर पर रहे। विमेंस में 2 कैटेगरी की 200 मीटर विमेंस पैरा कनोइंग फाइनल में भारत की प्राची यादव 8वें नंबर पर रहीं। उन्होंने 1.08.55 मिनट में रेस पूरी की। मेंस 1 कैटेगरी के 200 मीटर कैनो स्प्रिंट सेमीफाइनल में यश कुमार 5वें नंबर पर रहे। वह फाइनल में जगह नहीं बना सके।

अभिजीत तोमर, रोहन राजभर व रजत बघेल सम्मानित

अभय शर्मा विशेष अवार्ड से सम्मानित

जयपुर, 7 सितम्बर। राजस्थान ब्लूज क्रिकेट क्लब की ओर से हर वर्ष की भांती राजस्थान कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष एवं राजस्थान सरकार में मंत्री रहे मथुरा दास माथुर जी की स्मृति में उनके जन्म दिवस के अवसर पर होटल हिलटन में प्रात: 11.30 बजे समारोह में 31वां मथुरा दास माथुर अवार्ड समारोह सम्पन्न हुआ। समारोह में राजस्थान के लिए सत्र 2023-24 में उत्कृर्ष प्रर्दशन करने पर सीनियर वर्ग में अभिजीत तोमर, जुनियर वर्ग में रोहन राजभर व सब जूनियर वर्ग में रजत बघेल को अवार्ड से सम्मानित किया गया तथा विजय मर्चेन्ट ट्रॉफी में उल्लेखनीय प्रदर्शन करने पर अभय शर्मा को उदयमान खिलाड़ी के रुप में अवार्ड से सम्मानित किया। अवार्ड्स के तहत सीनियर वर्ग में 15000 (पन्द्रह हजार) तथा जूनियर व सब जूनियर वर्ग में कमश: साढ़े सात हजार रुपए नकद व सर्टिफिकेट ऑफ एक्सिलेंस, स्मृति चिन्ह, व सम्पूर्ण किट बैग प्रदान किये गये। अवार्ड समारोह के मुख्य अतिथि यूनुस खान (विधायक डीडवाना एवं पूर्व केबीनेट मंत्री), रामारोह के अध्यक्ष डॉ. महेश जोशी (पूर्व केबीनेट मंत्री) व क्लब के अध्यक्ष विनोद माथुर के द्वारा अवार्ड प्रदान किये गये। अवार्ड पाने वाले खिलाड़ियों में सीनियर कैटेगरी में अभिजीत तोगर दायें हाथ के बल्लेबाज, जनियर कैटेगरी में रोहन राजभर दायें हाथ के बल्लेबाज व ऑफ स्पीनर, सी के नायडू तथा सब जूनियर कैटेगरी में रजत बघेल धोलपुर, दायें हाथ का बल्लेबाज एवं विकेट कीपर को अवार्ड्स से सम्मानित किया गया। विजय मर्चेन्ट ट्रॉफी अण्डर 16 में (उदयमान खिलाड़ी) स्पेशल अवार्ड अभय शर्मा दायें हाथ के बैट्समैन को सम्मानित किया गया। समारोह के अन्त में राजस्थान ब्लूज किकेट क्लब की ओर से विनोद माथुर ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने शनिवार को जयपुर एग्ज़िबिशन एण्ड कन्वैन्शन सैंटर में अंतर्राष्ट्रीय स्वच्छ वायु दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में स्वच्छ वायु सर्वेक्षण के तहत तीन श्रेणियों (बड़े, मध्यम एवं छोटे शहर) में देश के नौ शहरों को अवॉर्ड दिया। इस कार्यक्रम में नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा, वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा सहित बड़ी संख्या में पर्यावरणविद् एवं आमजन उपस्थित हुए।

अन्तर्राष्ट्रीय स्वच्छ वायु दिवस पर कई शुभ व नेक इरादे देखने को मिले

मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि राज्य में 7 करोड़ पौधे लगाये हैं, 5 वर्ष में 50 करोड़ पौधों का लक्ष्य है

- **मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि अगले वर्ष राज्य का ग्रीन बजट पेश किया जायेगा।**
- **उन्होंने कहा, प्रकृति का संरक्षण हम सब की सामूहिक जिम्मेदारी है, छोटे प्रयासों से बड़ा बदलाव ला सकते हैं।**

जयपुर, 7 सितम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रकृति का संरक्षण हम सब की सामूहिक जिम्मेदारी है। प्रकृति किसी न किसी रूप में मानव जाति को निरंतर सौगातें देती है। बदले में हमें भी प्राकृतिक संसाधनों के सीमित उपयोग और वृक्षारोपण से प्रकृति संरक्षण में अपना योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि पानी की व्यर्थ बर्बादी रोकने, थाली में आवश्यकतानुसार ही भोजन लेने और परिवहन के साधनों को साझा रूप से इस्तेमाल करने जैसे छोटे-छोटे प्रयासों से हम बड़ा बदलाव ला सकते हैं। शर्मा शनिवार को जयपुर एग्ज़ीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर में पांचवें स्वच्छ वायु दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 7 सितंबर को नीले अंबर के लिए स्वच्छ वायु का अंतर्राष्ट्रीय दिवस घोषित किया है। इसका उद्देश्य पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए कार्रवाई को प्रोत्साहन देना है। हमें अपने वर्तमान एवं भविष्य को सुरक्षित रखने तथा जीवन को स्वस्थ बनाए रखने के लिए ये कदम उठाने अति आवश्यक हैं। हम सब जागरूक नागरिक होने का कर्तव्य निभाते हुए वायु प्रदूषण को कम करने में सरकार के प्रयासों में भागीदार बनें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पर्यावरण संरक्षण की दिशा में प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा चलाए गए एक पेड़ मां के नाम अभियान से प्रेरणा लेकर विश्व पर्यावरण दिवस पर राज्य में वृक्षारोपण महाअभियान शुरू किया है, जिसके तहत 7 करोड़ से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं तथा 5 वर्षों में 50 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। साथ ही, मिशन हरियालो राजस्थान के तहत 5 सालों में 4 हजार करोड़ रुपये का निवेश किया जा रहा है। शर्मा ने कहा कि प्रदेश में सभी विकास योजनाओं में ग्रीन ग्रोथ के सिद्धांत तथा पर्यावरण संरक्षण के साथ आगामी वर्ष से राज्य का ग्रीन बजट पेश करने का भी निर्णय लिया गया है। साथ ही, प्रदूषण मुक्त राजस्थान की संकल्पना हेतु बड़े शहरों में 1000 इलेक्ट्रिक बसें शीघ्र ही संचालित की जाएंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम के तहत वायु प्रदूषण की समस्या के समाधान के लिए राज्य स्तरीय कार्य योजना बनाई गई है। अधिक प्रदूषित 5 शहरों के लिए शहरी कार्य योजना भी तैयार की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान प्रदूषण नियंत्रण मंडल द्वारा वायु गुणवत्ता निगरानी स्टेशन, मोबाइल वैन के माध्यम से वायु गुणवत्ता का मापन, 600 से अधिक उद्योगों में ऑनलाइन प्रदूषण निगरानी प्रणाली भी स्थापित की गई है। उन्होंने कहा कि राज्य में प्रदूषण नियंत्रण मंडल की 13 प्रयोगशालाओं में से 5 प्रयोगशालाओं का आधुनिकरण किया गया है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मिशन लाइफ का उद्देश्य पर्यावरण हितैषी जीवन शैली अपनाकर प्रकृति का संरक्षण करना है। उन्होंने कहा कि देश के 131 शहरों में नवाचारों एवं तकनीक के उपयोग के संयुक्त प्रयासों से पर्यावरण प्रदूषण को कम किया गया है। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि भारत सरकार आईडियाज फोर लाइफ कार्यक्रम के माध्यम से सात विभिन्न विषयों पर कार्य कर रही है। उन्होंने राजस्थान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर चलाए गए वृक्षारोपण महाभियान की भी सराहना की। इस दौरान स्वच्छ वायु सर्वेक्षण के तहत तीन श्रेणियों (बड़े, मध्यम एवं छोटे शहर) में देश के नौ शहरों को अवार्ड भी दिया गया।

कार्यक्रम में नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा, वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा, विशिष्ट सचिव केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालयतन्मय कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन अपर्णा अरोडा, अतिरिक्त सचिव केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय नरेशपाल गंगवार सहित कई लोग मौजूद थे।

हरियाणा के पूर्व मंत्री ने भाजपा से इस्तीफा दिया

नई दिल्ली, 7 सितंबर। हरियाणा के पूर्व मंत्री बचन सिंह आर्य ने विधानसभा चुनाव में भाजपा से टिकट नहीं मिलने पर शनिवार को पार्टी से इस्तीफा दे दिया। जींद जिले के सफीदों निवासी आर्य ने बीजेपी की ओर से टिकट नहीं दिए जाने पर निराशा जताई। उन्होने शनिवार को ही सफीदों सीट से बतौर निर्दलीय उम्मीदवार अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। भाजपा ने इस बार जननायक जनता पार्टी के पूर्व विधायक रामकुमार गौतम को सफीदो से अपना उम्मीदवार बनाया है। पूर्व मंत्री बचन सिंह आर्य साल 2019 के विधानसभा चुनाव में करीब 3 हजार वोटों से हार गए थे।

- **पूर्व मंत्री बचन सिंह ने टिकट नहीं मिलने से नाराज होकर पार्टी से इस्तीफा देने के बाद बतौर निर्दलीय नामांकन दाखिल कर दिया।**

बचन सिंह ने कहा, मैं यह बात पहले भी कह चुका हूं। आज जनता ने मुझे पार्टी छोड़ने के लिए कहा और आपने देखा होगा कि 10 हजार लोगों की भीड़ थी। जब मैं भाजपा में शामिल हुआ तो जनता ने ही मुझसे यह कहा था। लोग उनके काम से संतुष्ट नहीं थे। साथ ही, जींद उनकी कार्यशैली के अनुकूल नहीं है। उन्होंने कहा कि इलाके के लोगों ने बीजेपी को नजरअंदाज किया है। अब मैं जनता के टिकट पर चुनाव लड़ रहा हूं। उन्होंने ही मुझे ऑफर दिया और मैंने इसे स्वीकार कर लिया है। जनता को ही वोट देना है। जो लोग बाहर से आए हैं, उन्हें कभी जीत हासिल नहीं हुई।

गुड़गांव विधानसभा क्षेत्र से टिकट नहीं मिलने से नाराज भाजपा नेता जीएल शर्मा ने शुक्रवार को पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। सूत्रों ने बताया कि शर्मा कांग्रेस में शामिल होंगे।

पायलट का जन्मदिन समर्थकों ने पूरे राज्य में गौ सेवा करके मनाया

समर्थकों ने कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट का 47वां जन्मदिन गौसेवा दिवस के रूप में मनाया। इस मौके पर कांग्रेस के सभी जिला एवं तहसील मुख्यालयों से गौशालाओं को हजारों क्विंटल चारा वितरित किया गया।

- **सभी जिला व तहसील मुख्यालयों पर जनप्रतिनिधियों, पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने हजारों क्विंटल चारा गौशालाओं में वितरित किया।**

जयपुर, 7 सितम्बर (का.प्र.)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट का 47वें जन्मदिन पर प्रदेशभर में कांग्रेसजनों ने गौशालाओ में गौ-सेवा की। इस दौरान सभी जिला मुख्यालयों, तहसील मुख्यालयों पर गौशालाओ में हजारों क्विंटल चारा वितरण किया गया। इन कार्यक्रमों में संबंधित जिलों के वर्तमान एवं पूर्व जनप्रतिनिधिगण, पार्टी पदाधिकारीगण, एवं कार्यकर्तागण मौजूद रहे। इससे पहले भी सचिन पायलट के जन्मदिवस पर प्रतिवर्ष वृक्षारोपण, रक्तदान जैसे कार्य किए जाते रहे हैं। जयपुर में कांग्रेस जनों ने पिंजरापोल गौशाला में गायों के लिए सूखा और हरा चारा उपलब्ध करवाया। यहां चारे की गाड़ियां भेजी गईं। साथ ही गायों को लापसी भी खिलाई गई। जयपुर में ही पूर्व पार्षद इकरामुद्दीन खान के नेतृत्व में भी कांग्रेस जनों ने गायों को हरा चारा खिलाया।

केकड़ी के कार्यकर्ताओं ने जयपुर रोड़ स्थित गौशाला में गायों हरा चारा और गुड खिलाया गया। कई कांग्रेस नेताओं ने इस अवसर पर केक भी काटा। कार्यक्रम में कांग्रेस नेता शैलेंद्र सिंह शक्तावत मुख्य अथिति थे। इस अवसर पर सांवरलाल गुर्जर, रतन पंवार, धनेश जैन, नगर अध्यक्ष हेमंत जैन सहित कई नेता व कार्यकर्ता मौजूद थे।

चुरू जिला मुख्यालय पर कांग्रेसजनों ने पिंजरापोल सोसायटी गौशाला में गाय माता की सेवा पूजा कर केक काटा एवं गौशाला में चारा खिलाया। इस दौरान में पूर्व सभापति गोविंद महँसरिया व क्षेत्र के कई कार्यकर्ता व नेता उपस्थित थे।

झालावाड़ में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बेसहारा गायों को गुड़ व चारा खिलाकर सचिन पायलट को जन्मदिन की बधाई व शुभकामनायें दी। इस अवसर पर नगर पालिका झालरापाटन के पूर्व चेयरमैन अनिल पोरवाल, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी झालरापाटन के पूर्व अध्यक्ष फरीद चौधरी, पूर्व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष मंजू पोरवाल, पूर्व पार्षद एवं फ्रेंडस क्लब के अध्यक्ष हैदर अली उपस्थित थे। अजमेर उत्तर से कांग्रेस उम्मीदवार रहे महेंद्र सिंह रलावता के नेतृत्व सचिन पायलट के जन्म दिवस पर नारेली गौशाला में गायों को चारा और गुड खिलाया और दरगाह में चादर चढ़ा कर लंबी उम्र की कामना की गई।

'भारत जोड़ो यात्रा ने हमें हिम्मत दी, हमारा हौसला बुलन्द किया'

- **राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा की दूसरी वर्षगांठ के मौके पर कहा, भारत जोड़ो यात्रा ने मुझे मौन का सौंदर्य सिखाया।**

नयी दिल्ली, 7 सितंबर (वार्ता)। कांग्रेस ने कन्याकुमारी से कश्मीर के श्रीनगर तक के लिए दो साल पहले आज ही के दिन शुरु हुई भारत छोड़ो यात्रा को पार्टी के इतिहास में महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक लम्हा करार देते हुए कहा है कि इससे पार्टी की हिम्मत बंधी और उसके हौसले बुलंद हुए हैं।

कांग्रेस ने कहा ऐतिहासिक लम्हा था जिसने हमें यकीन दिलाया कि सब ठीक हो जाएगा, जिसने हमें हिम्मत दी, हमारा हौसला बना और कहा- डरो मत।

खड़गे ने कहा, भारत जोड़ो यात्रा एक ऐतिहासिक जन-आंदोलन है, जो समाज को एकजुट करने का पर्याय बन गया है। राहुल गांधी जी व हमारे भारत जोड़ो यात्रियों ने कन्याकुमारी से कश्मीर तक पैदल जो दूरी तय की, उससे करोड़ों लोगों के दिलों में प्रेमभाव, आपसी सौहार्द और बंधुत्व की अभूतपूर्व जनचेतना जागृत हुई। भारत जोड़ो यात्रा की दूसरी वर्षगाँठ के अवसर पर मैं देशवासियों से केवल इतनी ही अपील करता हूँ कि संविधान और लोकतंत्र को संजोए रखने का संघर्ष जारी रखें।

उन्होंने कहा, आर्थिक असमानताओं, महँगाई, बेरोज़गारी, सामाजिक अन्याय, संविधान के विध्वंस, सत्ता के केंद्रीकरण के वास्तविक मुद्दों पर हमारा संघर्ष जारी है। न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के हमारे संवैधानिक मूल्यों को सुरक्षित रखने का संकल्प और मज़बूत होना चाहिए। नफ़रत और विभाजन के एजेंडे को हम कामयाब नहीं होने देंगे। मोहब्बत और इंसानियत की जीत निश्चित है। कांग्रेस पार्टी थमेगी नहीं, रुकेगी नहीं।

मणिपुर में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मुताबिक, उग्रवादी जिला मुख्यालय से करीब पांच किलोमीटर दूर एक सुनसान स्थान पर अकेले रहने वाले व्यक्ति के घर में घुसे और उसकी गोली मारकर हत्या कर दी। अधिकारी ने बताया कि हत्या के बाद जिला मुख्यालय से करीब सात किलोमीटर दूर पहाड़ियों में युद्धरत समुदायों के हथियारबंद लोगों के बीच भारी गोलीबारी हुई, जिसमें तीन पहाड़ी उग्रवादियों सहित चार हथियारबंद लोगों की मौत हो गई। गोलीबारी में मरने वाले कुकी और मैतेई दोनों ही समुदायों से हैं। मणिपुर में ताजा हिंसा की घटनाओं के बाद पिछले पांच दिनों से तनाव बहुत बढ़ गया है। शुक्रावर की रात बिष्णुपुर में एक शख्स की हत्या कर दी गई ती। इसके अलावा 2 मणिपुर राइफल्स और 7 मणिपुर राइफल्स के हेडक्वार्टर से हथियार लूटने की कोशिश की गई।

विनेश व पूनिया के कांग्रेस में जाने से तिलमिलाई...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने प्रतिक्रिया दी और कहा कि जहाँ भाजपा उनके साथ खड़ी है, जो गलत करते हैं, वहीं कांग्रेस सदैव उनके साथ खड़ी है, जिनके साथ गलत होता है।

उन्होंने कहा, "जो लोग भी गलत काम करते हैं, भाजपा उनके साथ खड़ी है और वे लोग भाजपा के साथ होते है। जिन-जिन लोगों के साथ गलत होता है, कांग्रेस उनके लिये लड़ती है, उनकी आवाज़ उठाती है तथा भविष्य में भी उठाती रहेगी तथा यही कारण है कि वे लोग भी कांग्रेस को पसंद करते हैं।"

खेड़ा ने आगे कहा कि बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ छः खिलाड़ियों ने एफ.आई.आर. दर्ज करायी थी तथा पार्टी को गर्व है कि पार्टी उनके साथ खड़ी है। उन्होंने कहा, "बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ छः खिलाड़ियों ने एफ.आई.आर. दर्ज करायी थी। हमें गर्व है कि हम अपनी उन बेटियों के साथ खड़े थे, खड़े हैं तथा खड़े रहेंगे। हमें भी इसका अफसोस नहीं होगा कि हम अपनी बेटियों के साथ खड़े थे। उन्हें (भाजपा) को इसका अफसोस होना चाहिये।"

ये दोनों पहलवान 2023 में सिंह के खिलाफ हुये व्यापक विरोध-प्रदर्शन में सबसे आगे थे तथा इन्होंने सिंह पर आरोप लगाया था कि उन्होंने डब्ल्यू.एफ.आई. प्रमुख के अपने कार्यकाल के दौरान बहुत सी महिला पहलवानों का यौन-उत्पीड़न किया था।

सिंह ने कहा, "18 जनवरी, 2023 जिस दिन जंतर-मंतर पर यह विरोध शुरु किया था, मैंने कहा था कि यह आंदोलन खिलाड़ियों का नहीं है, इसके पीछे कांग्रेस है। (इसके पीछे) खासतौर से भूपेन्द्र हूडा, दीपेन्द्र हूडा, प्रियंका जी तथा राहुल जी हैं। यह कांग्रेस का आंदोलन है तथा आज यह बात सिद्ध हो गई है। उस पूरे आंदोलन में हमारे साथ साजिश रची गई थी, उसमें कांग्रेस शामिल थी तथा भूपेन्द्र हूडा उसका नेतृत्व कर रहे थे।

सिंह, विनेश फोगाट तथा बजरंग पूनिया के साथ ही कांग्रेस नेताओं, जिन्हें वे उस विरोध प्रदर्शन के लिये जिम्मेदार मानते हैं, पर जबरदस्त बरसे।

सिंह ने कहा, "मैं हरियाणा की जनता को बताना चाहता हूँ कि भूपेन्द्र हूडा, दीपेन्द्र हूडा, बजरंग और विनेश लड़कियों की गरिमा की खातिर (विरोध पर) नहीं बैठे थे। उनके कारण ही हरियाणा की बेटियाँ परेशानियों का सामना कर रही हैं। इसके लिये जिम्मेदार हम नहीं, भूपेन्द्र हूडा और दीपेन्द्र हूडा जिम्मेदार हैं तथा ये विरोध-प्रदर्शन करने वाले जिम्मेदार हैं।

भाजपा नेता ने यह सवाल भी किया कि अगर यह सिद्ध हो जाये कि वे उस घटना वाले दिन दिल्ली में नहीं थे, जिस घटना को लेकर उनके खिलाफ आरोप लगाये गये थे तो उस स्थिति में उनकी निन्दा करने वाले क्या कहेंगे। उन्होंने कहा, "उन्होंने राजनीति के लिये बेटियों का उपयोग किया तथा बेटियों को, खासतौर से महिला एथलीट्स को बदनाम किया। वे लोग बेटियों के सम्मान के लिये नहीं लड़ रहे थे, वे लोग राजनीति के लिये लड़ रहे थे।"

भाजपा नेता ने दावा किया कि वे उस मामले में निर्दोष हैं तथा उन्होंने इन पहलवानों तथा कांग्रेस पार्टी पर बेटियों का असम्मान करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, "बेटियों के असम्मान का दोषी मैं नहीं हूँ।

अगर बेटियों के असम्मान का कोई दोषी है, तो वे बजरंग और विनेश है तथा वह व्यक्ति है, जिसने इस साजिश की पटकथा लिखी। वह व्यक्ति भूपेन्द्रसिंह है। एक दिन कांग्रेस को इस पर अफसोस होगा। उनकी ये टिप्पणियाँ विनेश फोगाट तथा बजरंग पूनिया के विविवत कांग्रेस में शामिल होने के एक दिन बाद आई हैं। कांग्रेस ने बजरंग पूनिया को ऑल इंडिया किसान कांग्रेस का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त कर दिया है। 90 सदस्यों वाली हरियाणा विधानसभा के चुनाव 5 अक्टूबर को होने हैं तथा मतगणना 8 अक्टूबर को होगी।

पेपर लीक केस...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पूछताछ पूरी नहीं हुई है। ऐसे में उनके पुलिस रिमांड की अवधि को छः दिन के लिए और बढाया जाए। इस पर अदालत ने आरोपियों की रिमांड अवधि 10 सितंबर तक बढ़ा दी। सुनवाई के दौरान रामू राम राईका ने कहा कि उसे जो भी जानकारी थी, वह उसने एस.ओ.जी. को बता दी है। इसके साथ ही राईका रुआंसा हो गया। गौरतलब है कि पेपर लीक मामले में एस.ओ.जी. ने गत एक सितंबर को राईका सहित अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया था।

'अचानक घटना से...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी मौत हो गई। प्रार्थिया ने याचिका दायर कर बीमा कंपनी सहित अन्य से क्लेम दिलवाने का आग्रह किया। बीमा कंपनी ने जवाब में कहा कि बीमित वाहन से एक्सीडेंट नहीं हुआ व मृतक के हार्ट की कई बीमारियां थीं। उसने शराब पी रखी थी और उसके कोई प्राण घातक चोटें नहीं आई। उसकी मौत एक्सिडैंट का परिणाम नहीं थी बल्कि उसकी मौत कार्डियक अरेस्ट से हुई है। इसलिए बीमा कंपनी क्लेम राशि देने के लिए जिम्मेदार नहीं है। प्रार्थी पक्ष का जवाब था कि एफ.एस.एल. रिपोर्ट में सामने आया है कि मृतक ने एल्कोहल ले रखा था, लेकिन मेडिकल जूरिस्ट का कहना है कि जितनी मात्रा में उसने शराब पी रखी थी, उससे कार्डियक अरेस्ट नहीं आ सकता। ऐसा अकस्मात हादसे से हुआ है। इस लिए बीमा कंपनी मृतक के आश्रितों को क्लेम राशि का भुगतान करे।

यूक्रेन काफी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अभिव्यक्ति वो थी जब उसने अचानक सीमावर्ती क्षेत्रों में रूस के शहरों पर कब्जा करना शुरू कर दिया। यूक्रेन को कुछ सफलता मिली और वो रूसी क्षेत्रों तक पहुंच गया था। इससे भी यूक्रेन के कुछ यूरोपीय मित्र राष्ट्र थोड़ा घबरा गए। दूसरी तरफ, रूस भी युद्ध की थकान के संकेत दे रहा है और पुतिन ने समझौते के कुछ संदेश भी भेजे हैं। भारत के प्र.मंत्री की कीएव यात्रा के बाद रूस ने अन्य देशों के साथ भारत का नाम लिया है, मध्यस्थता करने वाले संभावित देश के रूप में।

नाबालिग का अपहरण...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

16 वर्षीय पुत्री घर से लापता हो गई। वहीं उससे मिलने वालों का पता किया तो महादेव प्रसाद भी रात से गायब है। ऐसे में उसे शक है कि वह उसकी बेटी को बहला फुसला कर ले गया है। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया।

सुनवाई के दौरान पीडिता ने अदालत को बताया कि जब वह 11वीं कक्षा में थी, तो महादेव उसका शिक्षक था। इसके चलते दोनों में बातचीत होती थी। महादेव ने उस पर दबाव डालकर घर छोड़ने का पत्र लिखवाया और दस्तावेजों सहित 12 अप्रैल की रात घर के बाहर बुलाया। जब वह बाहर गई तो महादेव उसे अपनी कार से सीकर ले गया। यहां उसे दो दिन तक एक मकान में रखा और कई बार दुष्कर्म किया। वहीं 15 अप्रैल को पुलिस वहां आ गई और उन्हें लेकर चली गई। वहीं अभियुक्त की ओर से कहा गया कि उसे प्रकरण में झूठा फंसाया गया है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने अभियुक्त को सजा सुनाई और जुर्माना लगाया।

हरियाणा में नहीं होगा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तारीख 12 सितम्बर है। आप हरियाणा में चुनाव प्रचार में जुटी हुई है। पार्टी चीफ, अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल राज्य में जनसभाएं करेंगी।

कक्कड़ ने कहा, "हम, सभी 90 सीटों पर चुनाव लड़ने को तैयार है।"

शुक्रवार को आप के सूत्रों ने कहा था कि गठबंधन को लेकर वार्ता विफल होने के कगार पर है।

इण्डिया ब्लॉक के घटक, आप और कांग्रेस ने हरियाणा, गुजरात और दिल्ली में गठबंधन करके चुनाव लड़ा था। हरियाणा में, आप ने कुरुक्षेत्र सीट से चुनाव लड़ा था, जहाँ से उसके राज्य इकाई अध्यक्ष, सुशील गुप्ता भाजपा के नवीन जिंदल से हार गए थे।

अपनी "फोकस्ड" शैली के कारण हैरिस का...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अन्धाधुंध वक्तव्यों के प्रति ट्रम्प के झुकाव को बाइडन की ओर से कोई चुनौती नहीं दी गई थी। जबकि बाइडन ने स्पष्टता और फोकस कायम रखा था।

अगर हम आगे की बात करें तो उपराष्ट्रपति कमला हैरिस 10 सितम्बर की आगामी बहस में ट्रम्प के लिए बहुत मुश्किल, बल्कि दुर्जेय प्रतिद्वन्द्वी सिद्ध हो सकती हैं। हैरिस की बहसों का इतिहास, जिसमें केलिफोर्निया में उनके राज्यपाल-विषयक आन्दोलन भी शामिल हैं, बताता है कि वे सटीक बात कहने में निपुण हैं तथा अपने विरोधियों की कमजोरियों का उनके ही खिलाफ इस्तेमाल करना उन्हें खूब आता है। उनकी वकालत की पृष्ठभूमि ने उन्हें किसी विषय का प्रतिपादन करने में तथा तर्क देने में सटीक बना दिया है, जबकि इसके विपरीत, ट्रम्प की प्रवृत्ति तथ्यात्मक प्रस्तुति के बजाय आडम्बरपूर्ण शब्दों का प्रयोग करने की है।

पिछली बहसों में, हैरिस ने अपने विरोधियों की बातें बड़े प्रभावी तरीके से काटी हैं तथा टकराव के क्षणें में आत्मसंयम बरतने तथा उन्हें हैंडल करने की अपनी क्षमता प्रदर्शित की है। उदाहरण के लिए, 2019 के दौरान, एक प्राथमिक डेमोक्रेटिक बहस में, हैरिस ने जो बाइडन के दावे को चुनौती दी थी, तथा इसके लिए बाइडन सीनेट की एक अन्य अफ्रीकन-अमेरिकन महिला के समर्थन का उल्लेख किया था, हैरिस व बाइडन की गलती को उजागर करने परिहास एवं आत्मविश्वास का सहारा लिया था। इसी प्रकार, 2010 में केलिफोर्निया के अटॉर्नी जनरल के प्रचार में, उन्होंने अपने विरोधी की पेंशन के बारे में की गई उसकी भारी भूल का इस्तेमाल अपने पक्ष में किया था। उनकी तीखी शैली ट्रम्प की अपेक्षाकृत गतिशीलता पर बहुत भारी है।

हैरिस यह भी दर्शा चुकी हैं कि वे अपने आक्रोश को अपने मजबूत जवाबों के रूप में ढ़ाल सकती हैं, जिसका प्रमाण उन्होंने अक्टूबर 2020 की बहस में उन्होंने माइक पेन्स को फटकारते हुए दिया था। अपनी कमजोरी को ताकत के प्रदर्शन का रूप देने की उनकी क्षमता उन्हें ट्रम्प पर बढ़त दिला सकती है क्योंकि ट्रम्प बहसों में प्रायः भावनात्मकता से बचते हैं और उनमें खुद को अनुशासित करने की क्षमता नहीं है।

राष्ट्रीय स्तर पर ट्रम्प की तुलना अपेक्षाकृत अनुभवहीन होने के बावजूद, हैरिस ने बहस के लिए रणनैतिक कुशलता विकसित कर ली है तथा उससे वे अपना काम अच्छी तरह चला सकती हैं दूसरी तरफ, ट्रम्प उनके खिलाफ सुसंगत तथा रणनैतिक हमला करने में हाथ-पैर मारते प्रतीत होते हैं। वे उनकी विश्वसनीयता को कमजोर करने तथा उन्हें एक मामूली खतरा मानने की बीच पेन्डुलम बन सकते हैं। हैरिस अपनी स्थितियों में ज्यादा व्यवस्थित प्रतीत होती हैं, जबकि ट्रम्प अभी तक "प्रजनन-अधिकारों" जैसे प्रमुख मुद्दो पर अपना रुख साफ तौर पर परिभाषित नहीं कर पाए हैं तथा ये चीजें उनके प्रभाव को कम कर सकती हैं।

इसके अलावा, हैरिस का आत्मविश्वास उनकी बहस की रणनीति में साफ झलकता है, जैसे वे माइक्रोफोन को खुला रखना पसन्द करती है तथा इससे ट्रम्प बचाव करने की मुद्रा में आते प्रतीत होते हैं। हैरिस की इस विशिष्टता के विपरीत, बाइडन, ट्रम्प की दखलन्दाजी को रोकने के लिए माइक्रोफोन को बन्द रखने का आग्रह करते थे। हैरिस की माइक्रोफोन को खुला रखने की प्रवृति दर्शाती है कि अपनी सामर्थ्य पर भरोसा है।

कुल मिलाकर, ये बहसें जहाँ परम्परागत रूप से केन्द्रीय महत्व की नहीं रही हैं, लेकिन हैरिस और ट्रम्प के बीच की आगामी बहस बहुत महत्वपूर्ण एवं निर्णायक सिद्ध हो सकती है। स्वयं को एक सक्षम एवं सामर्थ्यवान नेता के रूप में अपनी विश्वनीयता स्थापित करने की हैरिस की कोशिशों तथा ट्रम्प की असंगत प्रस्तुतियाँ तथा खुद को बचाने की कोशिशों के चलते, यह बहस हैरिस को एक ऐसा महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेगी कि वे चुनाव से पूर्व अपनी स्थिति को मजबूत कर सकें।

इस बीच, एक पृथक रिपोर्ट के अनुसार, जमीनी स्तर के एक नये संगठन "हिन्दूज़ फॉर अमेरिका फर्स्ट" ने राष्ट्रपति पद के लिए डॉनल्ड ट्रम्प का समर्थन किया है तथा इस संगठन ने पेनसिलवेनिया जॉर्जिया एवं नार्थ कैरोलाइना जैसे अनिश्चित रुख वाले राज्यों में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार कमला हैरिस के खिलाफ सक्रियतापूर्ण प्रचार शुरू कर दिया है।

इस ग्रुप के अध्यक्ष उत्सव सन्दुजा ने चिन्ता व्यक्त करते हुए कहा है कि हैरिस के राष्ट्रपति बनने से भारत-अमेरिका सम्बन्ध अस्थिर हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि हैरिस उदार जजों को नियुक्त कर सकती हैं, जो सर्वोच्च न्यायालय के महत्वपूर्ण फैसलों को उलट सकें, तथा उनका असर एशियन-अमेरिकन मतदाताओं पर पड़ सकता है।

सन्दुजा ने सीमा-सुरक्षा की बाइडन-हैरिस प्रशासन द्वारा की गई हैंडलिंग की आलोचना की तथा कहा कि हैरिस ने गैर-कानूनी तौर पर विदेशियों के आने तथा अमेरिका में बसने को रोकने के लिये कुछ नहीं किया। इसके द्वारा अपराध तथा ड्रग-स्मगलिंग, जिनमें एशियन-अमेरिकन बिजनैस-मालिक भी शामिल हैं, पर नकारात्मक असर पड़ा। इसके विपरीत, सन्दुजा ने ट्रम्प की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने मैरिट-आधारित अप्रवासन-सुधार किए हैं तथा उन्होंने भारत के साथ रक्षा तथा टैक्नोलॉजी सम्बन्ध मजबूत किए थे। सन्दुजा ने ट्रम्प की प्रशंसा करते हुए कहा कि ट्रम्प भारत के प्रबल समर्थक हैं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ उनके अच्छे एवं सकारात्मक सम्बन्ध हैं तथा उन्होंने रक्षा-प्रोजेक्टों में सहभागिता की है जिससे चीन का प्रतिकार किया जा सके।

उन्होंने हैरिस पर आरोप लगाया कि वे भारत के बारे में नकारात्मक टिप्पणियाँ करती हैं। उन्होंने कहा कि ट्रम्प भारत के घरेलू मामलों में हस्तक्षेप करने से बचते थे। "हिन्दूज फॉर अमेरिका फर्स्ट" महत्वपूर्ण राज्यों में हिन्दुओं में समर्थन के रैलियाँ आयोजित कर रहा है। इस संगठन ने बाँग्लादेश जैसे देशों में हिन्दुओं के उत्पीड़न को लेकर चिन्ता व्यक्त की हैं तथा ट्रम्प की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उन्होंने अपने राष्ट्रपति काल में इन मुद्दों की अहमियत समझी थी।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्सः 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, 2418945, फैक्सः 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोनः 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोनः 226422, 226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोनः 256906, 256907, फैक्स:01562-256908